बालाघाट
गुरुवार 02 जुलाई 2026
आषाढ कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 278
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 76,922.64
निफ्टी - 24,005.85
सोना - 1,48,872
चांदी - 2,40,000
डॉलर - 95.14

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

9.5 करोड़ की ड्रग्स जब्त, 2 महिलाएं गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम राइफल्स ने पूर्वोत्तर में सक्रिय ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 9.5 करोड़ की ड्रग्स जब्त की है। यह कार्रवाई असम राइफल्स की श्रीकोना बटालियन ने 30 जून को कछार पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में असम के कछार जिले के टोलेंगाम के पास की। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने 30 हजार याबा टैबलेट और 535 ग्राम हेरोइन बरामद की। तस्करों ने ड्रग्स को लाल मिर्च से भरे डिब्बों में छिपाया था, ताकि जांच एजेंसियों की नजर से बचा जा सके। मौके से मणिपुर के तामेंगलोंग जिले की दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। दोनों से पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई पिछले 48 घंटे में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ सुरक्षा बलों की लगातार तीसरी बड़ी सफलता है। इससे एक दिन पहले करीब 5 करोड़ की ड्रग्स बरामद की गई थी।

भारतीय नाविक के ब्रेन, फेफड़े-दिल निकाले

नई दिल्ली। वेनेजुएला में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले भारतीय नाविक राकेश चौहान (33) के शरीर के सभी प्रमुख अंदरूनी अंग गायब मिले हैं। पीड़ित परिवार के मुताबिक भारत पहुंचने पर शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम हुआ तो शरीर पर 22 टांके मिले। दिमाग, फेफड़े, दिल समेत सभी प्रमुख अंदरूनी अंग गायब मिले। परिवार ने आरोप लगाया कि राकेश की कंपनी ने हमें नहीं बताया कि शव का वेनेजुएला में पोस्टमॉर्टम किया जा चुका था। वहीं, इस मामले में फेडरेशन ऑफ सीफेयरर्स यूनियंस ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने भी सवाल उठाए हैं। राकेश चौहान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले थे। नवंबर 2025 में उन्होंने मर्चेंट नेवी जॉइन की थी और वेनेजुएला में मरीन फिटर के तौर पर काम कर रहे थे।

जिमखाना क्लब को खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली जिमखाना क्लब को बेदखली नोटिस जारी किया है। सरकार का कहना है कि 22 मई को लीज खत्म होने के बाद क्लब का सफदरजंग रोड स्थित परिसर पर कब्जा अनधिकृत है। मामले की सुनवाई 7 जुलाई को होगी। केंद्र सरकार ने दिल्ली के प्रतिष्ठित दिल्ली जिमखाना क्लब को बेदखली का नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का कहना है कि 22 मई को लीज खत्म होने के बाद भी क्लब सफदरजंग रोड स्थित सरकारी संपत्ति पर बिना अधिकार के कब्जा किए हुए है। यह नोटिस सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत कब्जाधारियों को बेदखली) अधिनियम, 1971 के तहत जारी किया गया है।

कुछ ना कहना

हादसों का बुधवार :

महीने के पहले दिन ही 29 लोगों की मौत

कहीं जिंदा जले लोग, कहीं दीवार गिरने से दबे; कई घायल

नई दिल्ली। जुलाई महीने का पहला दिन आज हादसों का दिन रहा और विभिन्न राज्यों में हुए हादसों 20 से ज्यादा लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। कहीं लोग बस हादसे में जिंदा जल गए तो कहीं पर दीवार गिरने से उसके मलबे की चपेट में आ गए।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसा

आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्रतिपाडु मंडल में बोयापालेम के पास दो वाहनों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे बोयापालेम गांव में हुआ। पुलिस के अनुसार, एक ट्रक कुरनूल से गुंटूर की ओर और दूसरा गुंटूर से चिलकलुरिपेट की ओर कागज का सामान लेकर जा रहा था। तभी बोयापालेम के पास नेशनल हाईवे-16 पर दोनों की आमने-सामने टकरा गई। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग में दो ड्राइवर और एक हेल्पर जिंदा जल गए। हादसे के कारण नेशनल हाईवे पर भारी जाम लग गया, क्योंकि दोनों लॉरी पूरी तरह आग की लपटों में घिरी हुई थीं। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव व राहत कार्य शुरू किया, जबकि भीड़ कम करने के लिए गाडिय़ों की आवाजाही सर्विस रोड से डायवर्ट कर दी गई। फायरफाइटर भी दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और आग बुझाई।

राजस्थान में बस हादसे में जिंदा जले लोग

राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ऋषिकेश से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक दोनों में आग लग गई। हादसे में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 24 लोग घायल हुए हैं। हादसा कोलवा थाना क्षेत्र के तनावड़ स्थित जीरो पॉइंट पर रात करीब 2:30 बजे हुआ। मृतकों में छह लोगों की मौत आग में झुलसने से हुई, जबकि दो लोगों ने सिर में गंभीर चोट लगने के कारण दम तोड़ दिया। घायलों का इलाज दौसा जिला अस्पताल में चल रहा है। बस में तेजी से फैली आग पुलिस के अनुसार हादसे के बाद बस में आग तेजी से फैल गई, जिससे अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। बस में 37 यात्रियों ने ऑनलाइन बुकिंग करवाई थी। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राजस्थान सरकार ने पीड़ित परिजनों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल सभी शवों की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है। कई शव बुरी तरह झुलस गए हैं, ऐसे में उनकी पहचान के लिए डीएनए सैंपलिंग की जरूरत पड़ेगी।

उन्नाव में दो बच्चों समेत पांच की मौत

उन्नाव जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर देवखरी गांव के पास बुधवार सुबह करीब पांच बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें स्लीपर बस की टक्कर से संतकबीरनगर के रजिस्ट्रेशन नंबर की कार में सवार एक महिला, दो बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, डिवाइडर की ग्रिल तोड़ते हुए दूसरी लेन में पलटी बस में सवार 17 यात्री घायल हो गए। बस में कुल 85 यात्री सवार थे। पुलिस व यूपीडा की रेस्क्यू टीम ने घायलों को अस्पताल भेजा और मृतकों की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। कार में आठ लोग सवार थे।

गुजरात : मॉल की दीवार गिरने से पिता-पुत्र की मौत

गुजरात के भरूच जिले में बुधवार तड़के भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें निर्माणाधीन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर शॉपिंग मॉल की दीवार ढहकर पास के एक घर पर गिर गई। इस हादसे में पिता और उनके 21 वर्षीय बेटे की मौत हो गई। यह घटना शहर के अली मातरिया तालाब क्षेत्र में करीब सुबह 2:30 बजे हुई, जब निर्माण स्थल की बाउंड्री वॉल का एक हिस्सा टूटकर पास के रिहायशी मकान पर गिर गया। हादसे के समय घर में परिवार के चार सदस्य मौजूद थे। इस दौरान दो महिलाओं ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली या उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि पिता और पुत्र मलबे के नीचे दब गए।

कर्नाटक- बारिश से हुए भूस्खलन में दीवार ढही, तीन लोगों की मौत, कई घायल

कर्नाटक के तटीय शहर मंगलूरू में बुधवार को भारी बारिश से हुए भूस्खलन के कारण एक रिहायशी इमारत पर कंपाउंड (घेराबंदी) दीवार गिर गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा कंकनाडी क्षेत्र में हुआ। मृतकों में एक महिला और दो लड़कियां शामिल हैं। वहीं, इस घटना में एक पुरुष और दो लड़कियां चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच निकले। कई अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया गया है कि प्रभावित घरों में से एक में बिहार से आए प्रवासी परिवार रहता था।

महाराष्ट्र : कार-मोटरसाइकिल की टक्कर में किशोर की मौत, दो गंभीर घायल

महाराष्ट्र के बीड जिले में एक बहुउद्देशीय वाहन (एमयूवी) और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार टक्कर में 14 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार शाम माजलगांव बाईपास रोड पर तहसील कार्यालय के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे 14 वर्षीय करीम कदीर शेख की मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल चला रहे काइफ इरफान पठान और मोटरसाइकिल सवार एक अन्य व्यक्ति शफीक इमरान शेख गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को माजलगांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

पंजाब में चार तीर्थयात्रियों की मौत

राजस्थान के बाड़मेर से अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की एक गाड़ी डबवाली बठिंडा हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह भीषण सड़क हादसा बुधवार सुबह तड़के करीब चार-पांच बजे हुआ। एक खड़े ट्रक से टकराने के कारण गाड़ी में सवार चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुखद घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल यात्री को तत्काल प्रभाव से एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि यात्रियों से भरी गाड़ी डबवाली बठिंडा हाईवे पर एक किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना बुधवार तड़के चार से पांच बजे के बीच हुई है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के गांगन वाली मैनाठेर गांव में गौशाला के पास बुधवार की सुबह करीब नौ बजे खेत में काम कर रहे लोगों पर बिजली गिर गई। जिसमें विनीता (21)और संतराम (30) की मौत हो गई जबकि सपना, देवांशी और कामिनी घायल हो गई। घायलों को साईं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, मझोला के गांगन वाली मैनाठेर निवासी बिलाला का खेत गौशाला के पास है। बुधवार को खेत में धान की रोपाई का काम चल रहा था। गांगन वाली मैनाठेर निवासी संतराम, विनीता, सपना, देवांशी और कामिनी समेत अन्य युवती और युवक मजदूरी पर धान की रोपाई कर रहे थे। बुधवार सुबह करीब नौ बजे तेज बारिश होने लगी। जिस कारण सभी युवक और युवतियां एक पेड़ के नीचे बैठ गए। इसी दौरान बिजली गिर गई। जिसमें संतराम, विनीता, देवांशी,सपना और कामिनी झुलस गए। इस हादसे से चीख पुकार मच गई। आस पड़ोस के खेतों में काम करने वाले लोग दौड़े और युवक व युवतियों के परिजनों को सूचना दी। इसके बाद परिजन आ गए और सभी को साईं अस्पताल ले गए। जहां विनीता और संतराम को मृत घोषित कर दिया गया। तीन युवतियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुजरात हाईकोर्ट बोला-हिंदू विवाह के लिए रस्में जरूरी, सात फेरे के बिना सिर्फ रजिस्ट्रेशन काफी नहीं

मैरिज सर्टिफिकेट से शादी नहीं मानी जाएगी

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट बन जाने से हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता। शादी उसी स्थिति में मानी जाएगी, जब हिंदू मैरिज एक्ट के तहत तय रीति-रिवाज पूरे किए गए हों। जिन समुदायों में सात फेरे की परंपरा है, वहां उनके बिना विवाह पूरा नहीं माना जाएगा।

जस्टिस इलेश जे. वोरा और जस्टिस आर.टी. वच्छानी की खंडपीठ ने कहा कि मैरिज सर्टिफिकेट केवल पहले से हुई शादी का रिकॉर्ड होता है। वह अपने आप किसी विवाह को मान्यता नहीं देता। मामला ब्रिटेन में रहने वाले एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा है। उसका आरोप है कि अहमदाबाद की एक महिला ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे डॉक्यूमेंट्स पर साइन लेकर फर्जी तरीके से मैरिज सर्टिफिकेट बना लिया। दोनों के बीच कभी शादी नहीं हुई।

महिला ने भी माना- शादी की रस्में नहीं हुईं

सुनवाई के दौरान महिला ने फैमिली कोर्ट में माना कि शादी की कोई रस्म नहीं हुई थी। उसने यह भी स्वीकार किया कि दोनों कभी पति-पत्नी की तरह साथ नहीं रहे। इसके बावजूद फैमिली कोर्ट ने सिर्फ मैरिज सर्टिफिकेट के आधार पर व्यक्ति की अर्जी खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने यह आदेश रद्द करते हुए कहा कि जब शादी की जरूरी रस्में ही नहीं हुईं, तो सिर्फ रजिस्ट्रेशन के आधार पर उसे हिंदू विवाह नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने हिंदू मैरिज एक्ट की धारा-7 का हवाला देते हुए कहा कि हिंदू विवाह तभी माना जाएगा, जब कानून और संबंधित समुदाय की परंपरा के मुताबिक जरूरी रस्में पूरी की गई हों। अदालत ने कहा कि हिंदू परंपरा में विवाह सिर्फ कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संस्कार है। यह दो लोगों के साथ एक नए परिवार की शुरुआत का आधार भी है। इसलिए विवाह के महत्व और उसकी जिम्मेदारियों को समझकर ही इस रिश्ते में प्रवेश करना चाहिए।

मानसून सत्र में पेश होगा पीएम-सीएम विधेयक

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में केंद्र सरकार एक महत्वपूर्ण विधेयक पेश कर सकती है। जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों पद से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों को अधिक स्पष्ट और पारदर्शी बनाना बताया जा रहा है। प्रस्तावित विधेयक में प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को सदन मे विश्वास खोने, अयोग्यता, इस्तीफे या अन्य कारणों से पद छोड़ना पड़ सकता है। सरकार का कहना है, इस बिल से संवैधानिक प्रक्रियाओं में स्पष्टता आएगी। राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति में निर्णय लेने में आसानी होगी। हालांकि, विपक्ष इस प्रस्ताव पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। विपक्ष इसे राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित बता रहा है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में फटा बादल

फसलें, बाग-बगीचे और संपत्ति को भारी नुकसान, मलबा आने से कई सड़कें हुईं बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भारी बारिश और बादल फटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्राकृतिक आपदा के कारण व्यापक स्तर पर फसलों, बाग-बगीचों और निजी संपत्ति को हानि पहुंची है। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

डोडा जिले के भलेसा के खलजुगासर इलाके में दो बार बादल फटने की घटना हुई है। इससे अचानक आई बाढ़ ने कृषि भूमि को बुरी तरह प्रभावित किया है। किसानों की खड़ी फसलें और फलदार बाग-बगीचे पूरी तरह बर्बाद हो गए। कई मकानों और अन्य निजी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा है। भारी बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कें बंद हो गईं। इससे भलेसा का भट्यास इलाका घंटों तक शेष क्षेत्रों से कटा रहा। डोडा जिले के कश्तीगढ़ क्षेत्र में भी मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के कारण यहां अचानक बाढ़ की स्थिति बन गई। हालांकि, कश्तीगढ़ में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और विस्तृत जानकारी का इंतजार है। मिली जानकारी के मुताबिक, अचानक आई बाढ़ के साथ भारी मात्रा में मलबा, पत्थर और पेड़ बहकर सड़कों पर आ गए। इससे भलेसा पट्टी के कई गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। इन गांवों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने की चिंता बढ़ गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सड़कों की बहाली का काम तभी शुरू किया जाएगा, जब मौसम की स्थिति में सुधार होगा और क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर सड़कें पूरी तरह से धंस गई हैं, जिससे मरम्मत में समय लग सकता है। बादल फटने से क्षेत्र में कई जल स्रोत उफान पर आ गए। इससे निचले इलाकों में पानी भर गया और मिट्टी का कटाव भी हुआ। सड़कों के बंद होने से आवश्यक सेवाओं की आवाजाही बाधित हुई। स्थानीय लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के प्रमुख फैसले

नईदिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए दो बड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को बैठक में मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने लगभग 14,115 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं को स्वीकृति दी है. जिनका उद्देश्य दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य भारत की सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है।

पहले निर्णय मे दिल्ली -द्वारका एक्सप्रेसवे को दक्षिण दिल्ली से जोड़ने वाली लगभग 6,970 करोड़ रुपये की छह लेन सड़क सुरंग के निर्माण को मंजूरी दी गई। इस परियोजना से राजधानी में ट्रैफिक जाम की समस्या काफी हद तक हल होगी. इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा प्रमुख मार्गों तक पहुंच आसान होगी। दूसरे निर्णय में उत्तर प्रदेश के कानपुर से कबरई तक 117.7 किलोमीटर लंबे एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। लगभग 7,145 करोड़ रुपये की इस परियोजना से कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी,यात्रा के समय में कमी आएगी. औद्योगिक और लॉजिस्टिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत क्षेत्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा के खिलाफ आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने को कहा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें आंशिक राहत दे दी है। अदालत ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित पांच आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने का निर्देश दिया है, लेकिन कथित मानहानिकारक सामग्री को हटाने या उनके व्यक्तित्व अधिकारों (पर्सनैलिटी राइट्स) की सुरक्षा के लिए कोई व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। इस आदेश के आधार पर कहा जा रहा है कि राजनीतिक आलोचनाओं वाली सामग्री नहीं हटाई जा सकेगी।

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की एकल पीठ ने कहा कि जिन पांच दस्तावेजों पर याचिकाकर्ता ने विशेष आपत्ति जताई थी, उन्हें हटाया जाए। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि शेष सामग्री प्रथम दृष्टया मानहानिकारक या व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन की श्रेणी में नहीं आती। इससे पहले 21 मई को अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई के दौरान भी अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि मामला पर्सनैलिटी राइट्स से अधिक राजनीतिक आलोचना का प्रतीत होता है। अदालत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक नेताओं के निर्णयों की आलोचना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है और ऐसे मामलों में व्यक्तित्व अधिकारों तथा मानहानि के दावों के बीच अंतर करना आवश्यक है।

गोहत्या पर बैन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची विजय सरकार

चेन्नई। तमिलनाडु की विजय सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें राज्य में गायों और बछड़ों को काटने पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया है। राज्य सरकार का कहना है कि हाई कोर्ट का आदेश तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट, 1958 के खिलाफ है। यह एक्ट अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट के आधार पर 10 साल से ज्यादा उम्र की उन गायों को काटने की इजाजत देता है जो ब्रीडिंग के लिए फिट नहीं हैं। राज्य सरकार के मुताबिक इस कानून के अलावा, दूसरे लागू कानून जैसे कि प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स एक्ट, 1960, प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (स्लॉटर हाउस) रूल्स, 2001, तमिलनाडु अर्बन लोकल बॉडीज एक्ट, 1998 और तमिलनाडु अर्बन लोकल बॉडीज रूल्स, 2023 उन शर्तों को रेगुलेट करते हैं जिनमें जानवरों को काटा जा सकता है, लेकिन पूरी तरह से रोक नहीं लगाते हैं। राज्य के अनुसार, पूरी तरह से रोक लगाने का हाईकोर्ट का निर्देश सही नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि 27 मई को बकरीद से एक दिन पहले हिंदू मक्कल काची के जनरल सेक्रेटरी के सूर्य प्रशांत की तरफ से दाखिल एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने आदेश पारित किया था।

बीएसएफ भर्ती मामले में प्रशासन और पुलिस ने शुरू की जांच, जाति और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जांच में फर्जी

बालाघाट, किरनापुर सहित कई क्षेत्रों के पते का किया गया इस्तेमाल, सिंडिकेट के जरिए फर्जी दस्तावेज बनाने की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की भर्ती प्रक्रिया में बालाघाट जिले के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर नौकरी हासिल करने के प्रयास का एक बड़ा मामला सामने आया है। प्रारंभिक जांच में अब तक 10 अभ्यर्थियों के निवास, जाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए हैं। वहीं कुल 18 से 20 संदिग्ध मामलों की जांच अभी भी जारी है। इस खुलासे के बाद प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बीएसएफ में चयनित कुछ अभ्यर्थियों ने भर्ती के दौरान बालाघाट जिले से जारी निवास, जाति और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किए थे। दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान बीएसएफ अधिकारियों को इनमें संदेह हुआ, जिसके बाद अधिकारियों की टीम बालाघाट पहुंची और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से दस्तावेजों की जांच शुरू की गई। बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि जांच के दौरान अब तक बालाघाट क्षेत्र के छह तथा किरनापुर क्षेत्र के चार अभ्यर्थियों के दस्तावेज कूटरचित, संदेहास्पद और फर्जी पाए गए हैं। इन दस्तावेजों में निवास, जाति और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अन्य संदिग्ध मामलों की जांच भी जारी है तथा जांच पूरी होने के बाद दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन और पुलिस दोनों स्तर पर इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार संदिग्ध दस्तावेजों में बालाघाट, किरनापुर, लालबर्रा, लांजी और वारासिवनी क्षेत्रों के

पते एवं प्रमाण पत्रों का उपयोग किया गया है। हालांकि अब तक की जांच में सबसे अधिक फर्जी दस्तावेज बालाघाट और किरनापुर क्षेत्र से संबंधित पाए गए हैं।

मेरे भी वार्ड में एक ऐसा मामला सामने आया है - योगेश बिसेन

इधर इस पूरे मामले को लेकर नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं वार्ड क्रमांक-33 के पार्षद योगेश बिसेन ने भी गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड से भी एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें राहुल सिंह पिता रणवीर सिंह के नाम से हरिओम नगर, वार्ड क्रमांक-33 का पता दर्शाकर दस्तावेज तैयार किए गए, जबकि ऐसा कोई व्यक्ति उनके वार्ड का निवासी नहीं है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने संबंधित व्यक्ति से मोबाइल पर संपर्क किया तो पहले वह टालमटोल करता रहा और बाद में उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। योगेश बिसेन ने कहा कि यदि बाहरी राज्यों के लोग बालाघाट जिले के नाम पर फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर सुरक्षाबलों में भर्ती का लाभ उठा रहे हैं तो यह जिले के वास्तविक युवाओं के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा यदि किसी शासकीय विभाग के कर्मचारी या अधिकारी की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस विषय को लेकर नगर पालिका के पार्षदों के साथ जल्द ही प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

सिंडिकेट के जरिए तैयार हुए फर्जी दस्तावेजों की आशंका

सूत्रों के अनुसार यह मामला किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि एक संगठित सिंडिकेट के जरिए संचालित किए जाने की आशंका है। बताया जा रहा है कि फर्जी अभ्यर्थियों के लिए केवल निवास प्रमाण पत्र ही नहीं, बल्कि वोटर आईडी, आधार कार्ड, स्थायी निवास, जाति प्रमाण पत्र और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र तक तैयार कराए गए। सूत्रों का दावा है कि इन अभ्यर्थियों में अधिकांश उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के भिंड क्षेत्र से जुड़े बताए जा रहे हैं। सूत्र यह भी बताते हैं कि बीएसएफ अधिकारियों के सत्यापन के लिए बालाघाट पहुंचने की जानकारी मिलते ही कथित सिंडिकेट के कुछ लोगों ने उन पतों से जुड़े स्थानीय लोगों से संपर्क किया और दस्तावेजों को सही बताने के बदले रुपये देने का लालच भी दिया। हालांकि प्रशासनिक जांच की सख्ती के कारण संबंधित लोगों ने ऐसे व्यक्तियों को पहचानने से इनकार कर दिया, जिससे पूरे मामले का खुलासा होना शुरू हुआ।

नक्सल प्रभावित जिले की विशेष छूट का उठाया गया लाभ

जानकारों के अनुसार बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जैसे नक्सल प्रभावित जिलों के युवाओं को केंद्रीय सुरक्षाबलों की भर्ती में कुछ विशेष प्रावधानों और नियमों में शिथिलता का लाभ मिलता है। आशंका जताई जा रही है कि इसी सुविधा का लाभ उठाने के लिए बाहरी राज्यों के कुछ युवाओं ने कथित सिंडिकेट के माध्यम से बालाघाट जिले के फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए और स्वयं को जिले का निवासी दर्शाकर भर्ती प्रक्रिया में शामिल हुए। यदि जांच में यह पूरा नेटवर्क उजागर होता है तो यह केवल फर्जी प्रमाण पत्र का मामला नहीं रहेगा, बल्कि सरकारी दस्तावेजों की जालसाजी, पहचान छिपाने, शासकीय रिकॉर्ड में हेराफेरी और केंद्रीय सुरक्षा बल की भर्ती प्रक्रिया से छेड़छाड़ जैसे गंभीर अपराधों का मामला बन सकता है। फिलहाल प्रशासन सभी संदिग्ध दस्तावेजों का सत्यापन कर रहा है। वहीं बीएसएफ की ओर से भी आगे की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है। हालांकि अभी तक इस मामले में बीएसएफ द्वारा अलग से कोई आपराधिक शिकायत दर्ज कराए जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों ने जिले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले संभावित नेटवर्क और सरकारी प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आया सावन झूमके,दिनभर हुई बारिश से किसानों के चेहरे पर आई मुस्कान

07 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी, आंगनबाड़ी का समय बदला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में देरी से आया मानसून अब एक्टिव मो ? पर आ गया है जिसके चलते जहा 30 जून के ठीक दूसरे दिन 1 जुलाई को दिन भर बारिश का दौर देखा गया तो वही मौसम विभाग द्वारा 7 जुलाई तक जिले में भारी बारिश की चेतावनी दी गई

है जिससे, मानसून की झमाझम बारिश का इंतजार कर रहे किसानो को राहत मिली है। ऐसे किसान, जिन्होंने नर्सरी पहले तैयार कर ली थी, वह अब धान का रोपा लगा सकेंगे, वहीं असिंचित वाले क्षेत्र में किसान, अब अपनी नर्सरी तैयार कर पाएंगे बताया गया कि जिले में एक महिने बाद बीते 24 घंटे में एक इंच से ज्यादा बारिश हो गई है।

रुक रुक कर पूरे दिन होती रही बारिश

बुधवार को पूरा दिन बारिश का दौर रुक रुक कर चलता रहा जहा नगर में रात 4 बजे से झमाझम बारिश का दौर, सुबह 6 बजे तक चला। जिसके बाद 8.30 बजे तक बारिश बंद रही लेकिन, उसके बाद लगभग दो घंटे तक तेज बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। मौसम वैज्ञानिक डॉ. धर्मेन्द्र अगासे ने आज एक जुलाई से 7 जुलाई की अवधि में जिले में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने, आंधी-तूफान आने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। वहीं मौसम परिवर्तन के चलते आंगनवाड़ी केंद्रों का समय में बदलाव हुआ है, अब बालाघाट में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित होंगे। जो आदेश महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सुंदीयाल ने जारी किए है।

एक माह में सवा तीन तो 24 घंटे में एक इंच बारिश

जिले में चालु मानसुन सत्र में 1 जून से 01 जुलाई तक 87 मिलीमीटर वर्षा हो गई है। जिसमें सबसे ज्यादा 185 मिमी वारासिवनी और सबसे कम 30 मिमी वर्षा, खैरलांजी में दर्ज की गई। वहीं बीते 24 घंटे में जिले में 26 मिलीमीटर, तकरीबन एक इंच बारिश हो गई है।

बालाघाट में सबसे ज्यादा, बिरसा में सबसे कम

जिले में 24 घंटों के दौरान बालाघाट 79 मिलीमीटर, वारासिवनी में 28, बैहर में 28, लांजी में 33, कटंगी में 14, किरनापुर में 09, खैरलांजी में 22, लालबर्रा में 31, बिरसा में 01, परसवाड़ा में 15 और तिरोड़ी में 25 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। हालांकि जिला बारिश के मामले में अब भी गत वर्ष से पीछे है, जहां इस वर्ष एक माह में 87 मिमी वर्षा हुई है, वहीं बीते वर्ष, एक माह में 163 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

किसानों और आमजन को सतर्क रहने की सलाह

कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए खेतों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाए रखें तथा तेज वर्षा और आकाशीय बिजली के दौरान खेतों में कार्य करने से बचें। कृषि कार्यों की योजना मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही बनाएं। वहीं आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से खुले स्थानों में न जाएं तथा बिजली चमकने और तेज हवाओं के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्प्लेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

जिला लोधी महिला संगठन का शपथ ग्रहण व सम्मेलन 5 को

प्रदेश व जिला महिला पदाधिकारियों का होगा सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला लोधी लोधा लोध महिला संगठन के नेतृत्व में संगठन की महिलाओं का शपथ ग्रहण व महिला सम्मेलन आगामी 5 जुलाई को दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक शहर के भटेरा रोड़ स्थित एक होटल में रखा गया है। जिसमें जिला महिला संगठन और ब्लाक संगठन में नियुक्त सभी महिलाओं व प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल सभी महिलाओं का शपथ ग्रहण समारोहपूर्वक होगा। इस अवसर पर

पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदाय किया जायेगा। आयोजन के दौरान महिला पदाधिकारियों का सम्मान और सम्मेलन होगा। जिसकी मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे और जिला लोधी महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक लिल्हारे द्वारा अध्यक्षता की जायेगी। इस आशय की जानकारी जिला लोधी लोधा लोध महिला संगठन की जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे द्वारा दी गई। जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे ने बताया कि लोधी समाज की महिला पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण व सम्मेलन को लेकर एक बैठक का आयोजन जिला लोधी महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक लिल्हारे के प्रमुख उपस्थिति में आयोजित हुई। जिसमें महिला संगठन के शपथग्रहण व सम्मान करने और सम्मेलन आयोजित करने को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा लोधी समाज के महिला संगठन को विस्तारित करने और मजबूती प्रदान करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। ब्लॉक संगठन का गठन व जिम्मेदारी को लेकर भी चर्चा की गई। जिला स्तरीय सम्मेलन में सभी के अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने के लिये भी आह्वान किया गया। आयोजित हुई बैठक में जिलाध्यक्ष डॉक्टर अशोक लिल्हारे, सुखदेव मुनि कुतराहे, जनपद सदस्य संजू नगपुरे, भोजेंद्र बनोटे, जिलाध्यक्ष महिला संगठन श्रीमती शीला नगपुरे, प्रदेश प्रतिनिधियों में श्रीमती गौरी राजेश लिल्हारे, श्रीमती अंबिका नगपुरे, श्रीमती रितु मोहारे,श्रीमती छाया नगपुरे, श्रीमती पूनम लिल्हारे,श्रीमती रत्ना नगपुरे, श्रीमती विजया मसकरे,श्रीमती कविता नगपुरे, श्रीमती राखी नगपुरे, श्रीमती पुष्पा लिल्हारे,निर्मला बनोटे,पूर्णिमा पिछोड़े, श्रीमती कृष्णा दमाहे,श्रीमती तारा नगपुरे, आशालता रनगिरे, नदनी पिछोड़े सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कृषि भूमि पट्टे की मांग करते करते बीत गए कई साल, हाथ लगा सिर्फ आश्वासन

मलाजखंड- मोहगांव के पालडोगरी बैगाटोला से आए ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन, वन्य कर्मियों पर लगाया कृषि भूमि से बेदखल करने का आरोप, आवासीय व कृषि पट्टा सहित सड़क, बिजली, पानी देने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले कई दशकों से वन भूमि पर कब्जा कर खेती कर रहे लोगो को जहा एक ओर शासन द्वारा वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टे आवंटित किए जाने का दावा किया जा रहा है ,तो वही दूसरी ओर शासन के इस दावे की हकीकत कुछ और ही है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निवास करने वाले अब भी ऐसे कई लोग हैं जो कई वर्षों से वन भूमि पर कब्जा कर उसमें खेती कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं, लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें शासन द्वारा पट्टे आवंटित नहीं किए गए हैं जिसके चलते वे लोग पिछले कई वर्षों से कृषि भूमि का पट्टा प्रदान किए जाने की मांग कर रहे हैं बावजूद इसके भी उन्हें अब तक कब्जे वाली भूमि का शासन द्वारा पट्टा आवंटित नहीं किया गया है इसी कड़ी में कृषि व अवासीय कब्जे वाली भूमि का पट्टा दिए जाने की मांग को लेकर मलाजखंड- मोहगांव के पालडोगरी बैगाटोला से आए करीब 1 दर्जन ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जिसमें उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत उन्हें जल्द से जल्द कृषि व अवासीय भूमि के पट्टे प्रदान किए जाने की मांग की साथ ही उन्होंने वन विभाग पर,कब्जे वाली भूमि में लगी फसलों को नष्ट करने, उन्हें खेती ना करने देने और उक्त भूमि से उन्हें बेदखल करने के आदेश देने आरोप लगाया है जिन्होंने इस मामले को लेकर ज्ञापन सौपते हुए बैगा आदिवासियों को उक्त कृषि भूमि से बेदखल न करने,उक्त कृषि भूमि व आवास का पट्टा देने,और वहां सड़क बिजली पानी की मूलभूत सुविधाएं प्रदान किए जाने की गुहार लगाई है।

शासन से कृषि करने के लिए मिली थी जमीन

ज्ञापन सौपने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे बैगा आदिवासी ग्रामीणों ने बताया कि वे कई पीढियो से वन भूमि पर कृषि करते आ रहे हैं वहीं उनका मकान भी वहीं पर बना है जिसमें वह रहते हैं वह जमीन शासन द्वारा हमें कृषि के लिए प्रदान की गई थी लेकिन अब इस भूमि से वन

विभाग द्वारा हमें बेदखल किया जा रहा है, हमारी फसलों को नष्ट किया जा रहा है। वन विभाग के अधिकारी कह रहे हैं कि कहीं और जाओ यहां खेती मत करो जबकि हम पिछले कई वर्षों से वन भूमि पर कब्जा कर उसमें खेती करते आ रहे है लेकिन वर्तमान में वन विभाग उनकी जमीन से उन्हें बेदखल कर रहा है। वही कब्जा भूमि का पट्टा दिखाने बोल रहा है उन्होंने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से जहा तहा आवेदन कर अपनी फरियाद कर रहे है लेकिन उनकी कोई सुनवाई नही हो रही है। वहीं उन्हें पट्टे के नाम पर केवल और केवल आश्वासन दिया जा रहा है। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द हमें उक्त भूमि का पट्टा प्रदान किया जाए।

जब पट्टा दिया ही नही तो कागज कहा से दिखाए- देवलाल

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान बैगा आदिवासी देवलाल मरावी सहित अन्य ग्रामीणो ने बताया कि हम जमीन पर हल चलाने जाते हैं तो वन विभाग वाले हमें रोक देते हैं बोलते हैं की जगह के कागज दिखाओ जबकि हमे अभी तक विभाग ने पट्टा नहीं दिया है तो हम उन्हें कहा से कागज दिखाए। उस जमीन पर हमारी कई पीढ़ी खेती करते गुजर गई है हम भी उसी भूमि पर खेती कर रहे हैं लेकिन हमें सरकार द्वारा भूमि का पट्टा अब तक नहीं दिया गया है जिसके चलते विभाग वाले उस भूमि से हमें बेदखल कर रहे हैं हमारी मांग है कि हमें जल्द से जल्द उक्त भूमि का पट्टा दिया जाए ताकि हम परेशानियों से बच सके।कई बार आवेदन करने के बाद भी आज तक कुछ नही हुआ इसलिए अब हम कलेक्टर कार्यालय आए है। हमारी मांग है कि उक्त कृषि भूमि और मकान वाली भूमि का हमें पट्टा दिया जाए,वहीं सड़क बिजली पानी की व्यवस्था की जाए, ताकि हम अपनी जिंदगी सुकून से गुजार सके।वन विभाग हमे खेती करने नहीं दे रहा हैं, हमें बेदखल करने की बात कह रहे हैं, जिसकी फरियाद लगाने हम कलेक्ट आए हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0023/ड-154/वर्ष 2026-27
साकिन:- सुसवा प.ह.नं. 32
रा.नि.म. माटे तहसील किरनापुर

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन पिता गुलाब जाति मरार निवासी ग्राम सुसवा द्वारा अपनी माताजी लक्ष्मीबाई पति गुलाब गडपाल की मृत्यु दिनांक 03/09/1985 को ग्राम सुसवा में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 08/07/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 01/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर रक्तदान, वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान

सेवानिवृत्त चिकित्सकों का सम्मान, नवनियुक्त डॉक्टरों का हुआ स्वागत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार, 1 जुलाई 2026 को शहीद भगत सिंह जिला चिकित्सालय एवं नर्सिंग छात्रावास परिसर में शासकीय चिकित्सकों द्वारा विविध जनहित एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर तथा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कर समाज को स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और रक्तदान के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। चिकित्सकों ने इस अवसर पर संकल्प लिया कि वे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त चिकित्सकों का सम्मान किया गया, जबकि नवनियुक्त चिकित्सकों का स्वागत कर उन्हें संवेदनशील एवं उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया। वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए नई पीढ़ी के डॉक्टरों को सेवा भावना और समर्पण के साथ कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलाप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, आईएमए के राज्य अध्यक्ष डॉ. बी. एम. शरणागत, डॉ. जेड. भरमल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3 डॉ. ऋत्विक पटेल, डॉ. अंकित राणा, जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रियव्रत सोनकर, आरएमओ डॉ. सुषमा गोयल, एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. गौरव करवाते सहित जिले के अनेक शासकीय चिकित्सक उपस्थित रहे। इस दौरान शासकीय चिकित्सक संगठन के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई। संगठन का उद्देश्य शासकीय चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, उनकी व्यावसायिक एवं सामाजिक सहभागिता को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए सामूहिक प्रयास करना है।

बस स्टैंड पर रास्ता मांगने पर ड्राइवर से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम सलघट बस स्टैंड में मामूली बात पर दो लोगों ने एक व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट की और दांत से काटकर घायल कर दिया। घटना दुकान के सामने रास्ते से हटने कहने को लेकर हुई। पुलिस ने दोनों आरोपी संदीप उरांव और राकेश उराव के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सलघट निवासी 42 वर्षीय रजऊ सिंह धुर्वे खेती किसानी के साथ ड्राइवरी का काम करते हैं। 30 जून को दोपहर करीब 2:30 बजे वह बिरसा जाने के लिए सलघट चौक बस स्टैंड पहुंचे थे। बस का इंतजार करते हुए वे पास के पान ठेले पर गए। जहां पहले से संदीप उरांव, 40 वर्ष ग्राम सलघट और राकेश उरांव 35 वर्ष ग्राम चैनाटोला निवासी खड़े थे। रजऊ सिंह ने दोनों से रास्ते से हटने को कहा। इसी बात पर दोनों आवेश में आ गए और रजऊ सिंह को अश्लील गालियां देते हुए हाथ-मुक्कों से पीटने लगे। जब रजऊ ने गाली देने से मना किया तो राकेश ने उनके कंधे के नीचे दांत से काट लिया, जिससे खून बहने लगा। शोर सुनकर मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। इसके बाद दोनों आरोपी दोबारा ऐसा करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।घटना के बाद रजऊ सिंह अपने बेटे गुलशन धुर्वे के साथ बिरसा थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने रजऊ का मेडिकल परीक्षण करवाया। शिकायत के आधार पर संदीप उरांव और राकेश उरांव के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहतअपराध दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

हरदौली घाट से रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

एक नाबालिग समेत दो चालक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के तिरोड़ी थाना पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बावनथड़ी नदी के हरदौली घाट से अवैध रूप से रेत लेकर जा रहे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त किए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग सहित दोनों चालकों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। तिरोड़ी पुलिस के अनुसार 30 जून की शाम सूचना प्राप्त हुई थी कि बावनथड़ी नदी के हरदौली घाट से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध

रूप से रेत भरकर बोथवा की ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही तिरोड़ी पुलिस ने बोथवा और सोने गांव के जंगल क्षेत्र में घेराबंदी कर दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोक लिया जांच के दौरान दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत से भरी मिलीं। पूछताछ में एक चालक नाबालिग पाया गया। जबकि दूसरे चालक ने अपना नाम श्याम उर्फ शाम पिता हरिराम कोंडवते (26 वर्ष) मलनटोला ढूटेरा, थाना गोबरवाही, जिला भंडारा (महाराष्ट्र) निवासी बताया पुलिस ने मौके पर पंचनामा तैयार कर दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली और चालकों को तिरोड़ी थाना लाया। पूछताछ में चालकों ने बताया कि ट्रैक्टर मालिक के कहने पर रेत भरकर मजदूरी के लिए उसका परिवहन किया जा रहा था। हालांकि, रेत के उत्खनन और परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। जांच में सामने आया कि हरदौली घाट से अवैध रूप से रेत निकालकर बोथवा ले जाई जा रही थी।इस मामले में पुलिस ने दोनों चालकों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 303(2) एवं 317(5), मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम, 1996 की धारा 53(1) तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत धारा 4/21 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया है।पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लगभग 9 लाख रुपये मूल्य के दो ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा करीब 6 हजार रुपये कीमत की रेत जप्त की है।इस पूरी कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार, सहायक उप निरीक्षक सरिता वैध, आरक्षक लक्ष्मी प्रसाद बघेल एवं आरक्षक जितेंद्र शरणागत की सराहनीय भूमिका रही।

डेढ़ घंटे के ब्लॉकेज से थमी शहर की रफ्तार, रेलवे फाटकों पर लगा लंबा जाम

पटरियां गिराने के लिए रेलवे इंजीनियरिंग विभाग ने लिया था ब्लॉकेज, बैहर, भटेरा व बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग पर राहगीर रहे परेशान, नगरपालिका और यातायात विभाग को सूचना नहीं

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रेलवे इंजीनियरिंग विभाग द्वारा रेलवे ट्रैक के उन्नयन कार्य के तहत कुछ पुरानी पटरियों को हटाने व नई पटरियां लगाने के लिए बुधवार को करीब डेढ़ घंटे का ब्लॉकेज लिया गया था। इस दौरान नगर के बैहर, भटेरा और बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के फाटक बंद रहे,जिससे नगर और रेलवे फाटक के आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था चरमरा गई। फाटकों के दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं और लोगों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा।हैरत की बात तो यह रही कि इस ब्लॉकेज की जानकारी रेलवे विभाग द्वारा ना तो नगर पालिका को दी गई और ना ही यातायात विभाग को सूचित किया गया जिससे स्थिति कुछ देर के लिए डगमगा गई और राहगिरो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भरी बारिश में रेलवे फाटक पर परेशान होते रहे यात्री

उधर रेलवे क्रासिंग फाटक पर ब्लॉकेज के दौरान दोपहिया, चारपहिया वाहन, यात्री बसें, मालवाहक वाहन तथा एम्बुलेंस सहित कई जरूरी वाहन जाम में फंसे रहे जो फाटक खुलने का इंतजार करते रहे।बारिश के बीच छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग समय पर अपने कार्यस्थल, स्कूल, कॉलेज और अस्पताल तक नहीं पहुंच सके।

लोगो को आई ओवरब्रिज की याद

जाम में फंसे लोगों का कहना था कि यदि यहां रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण हो चुका होता तो इस तरह की स्थिति पैदा नहीं होती। हर बार रेलवे ब्लॉकेज के दौरान लोगों को घंटों परेशान होना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने एक बार फिर शहर में शीघ्र रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की मांग दोहराई।

इसलिए बदली जा रही पटरी

बताया गया कि, भटेरा रेलवे क्रासिंग पर पटरी और मार्ग का लेवल एक होने से, कई बार पटरी से इंजन गुजरते समय, ट्रेन चालक ने परेशानी महसूस की है, महिनों पहले, इंजन के सामने लगे पिंजरे के पटरी से सटी जगह में फंस जाने के कारण, घंटो तक ट्रेन फंसी रही थी। जिसे देखते हुए रेलवे विभाग यह काम कर रहा है। चूंकि यह लाईन के दोनो ओर नाली के गड्ढा खोदने और कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं होने से लोग आवागमन को लेकर परेशान होते रहे।

समय से पूर्व पूर्ण कर लिया काम

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ब्लॉकेज ट्रैक के आधुनिकीकरण और नई पटरियां बिछाने की प्रक्रिया के तहत लिया गया था। पहले चरण में पुरानी पटरियों को हटाने व नई पटरियों को लगाने के लिए जगह जगह पटरियां गिराई गई है। जिसके कारण सभी संबंधित रेलवे फाटकों को निर्धारित समय तक बंद रखना पड़ा।हालांकि डेढ़ घण्टे का ब्लॉकेज लिया गया था लेकिन काम तय समय से पहले ही पूरा कर लिया गया।

दोबारा ब्लॉकेज लेकर बदली जाएंगी पटरियां

रेलवे विभाग सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक सुधार कार्य अभी जारी रहेगा। पुरानी कुछ जगहों पर पटरियां हटाने के बाद नई पटरियां बिछाने और अन्य तकनीकी कार्यों के लिए आगामी दिनों में पुनः ब्लॉकेज लिया जाएगा। विभाग ने नागरिकों से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि यह कार्य रेल सुरक्षा और बेहतर संचालन के लिए आवश्यक है।विभाग अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक आधुनिकीकरण पूरा होने के बाद ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित और सुचारु होगा। हालांकि तब तक समय-समय पर लिए जाने वाले ब्लॉकेज के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

मन मर्जी से चल रहा विभाग का काम-ओमप्रकाश

औपचारिक चर्चा के दौरान राहगीर ओमप्रकाश ने बताया कि शहर में बिना मर्जी के काम हो रहा है, जिससे शहर में आवागमन करने में लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है लेकिन कोई देखने वाला नहीं है। ऐसा लगता है कि जिम्मेदारों ने अपनी आंख बंद कर ली और वह तमाशबीन बने, शहर के लोगों की परेशानी का तमाशा देख रहे है।

रेलवे विभाग ने नहीं दी कोई जानकारी- त्रिपाठी

वही दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान नगरपालिका में विभागीय प्रभारी वाचस्पति त्रिपाठी ने बताया कि भटेरा रेलवे क्रासिंग पर ट्रेक का काम होने की कोई जानकारी रेलवे विभाग ने नगरपालिका को नही दी।

मुख्य बिंदु

- **लंबे समय तक बंद रहे बैहर, भटेरा और बूढ़ी रेलवे फाटक।**
- **तीनों क्रॉसिंग पर वाहनों की लंबी कतारें, यातायात व्यवस्था प्रभावित।**
- **स्कूली बच्चे, मरीज, नौकरीपेशा लोग और व्यापारी सबसे अधिक हुए परेशान।**
- **रेलवे ट्रैक उन्नयन के तहत पुरानी पटरियां हटाने का कार्य।**
- **नई पटरियां बिछाने के लिए जल्द फिर लिया जाएगा ब्लॉकेज।**
- **जाम के बीच लोगों ने रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की मांग दोहराई।**

रेलवे को लिखा जाएगा पत्र- राहंगडाले

यातायात प्रभारी वीना राहंगडाले ने बताया कि रेलवे विभाग से कोई जानकारी हमें भी नहीं मिली थी, लेकिन काम के दौरान, जब आवागमन को लेकर जाम जैसे हालत पैदा हुए थे, विभागीय कर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए यातायात को व्यवस्थित कराया। उन्होंने बताया कि बिना यातायात विभाग को सूचना दिए, रेलवे विभाग के किए जा रहे कार्यो को लेकर उन्हें पत्र लिखा जाएगा और भविष्य में शहर के यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए सूचना देने की बात कही जाएगी। ताकि लोगों को परेशान ना होना पड़े।

ट्रेक बिछाने का चल रहा काम- चौधरी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान स्टेशन प्रबंधक कृष्ण मोहन चौधरी ने बताया कि लाईन पर नया ट्रेक बिछाने का काम हो रहा है। जिसके चलते इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ब्लॉकेज लिया गया था हालांकि समय से पहले ही वह कार्य पूर्ण कर लिया गया वहीं लोगों के आवागमन को देखते हुए बीच-बीच में फाटक खोलकर आवागमन भी शुरू किया जा रहा था।

स्कूल खुलते ही एक्शन में यातायात पुलिस, निजी स्कूल बसों की सुरक्षा जांच शुरू

सीसीटीवी, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी गेट और वाहन दस्तावेजों की हुई जांच, कमियां मिलने पर होगी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही एक बार फिर स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस सक्रिय हो गई है। स्कूलों में विद्यार्थियों की नियमित आवाजाही शुरू होने के बाद यातायात विभाग ने निजी एवं शासकीय विद्यालयों में संचालित स्कूल बसों, ई-रिक्शा, ऑटो और अन्य परिवहन वाहनों की विशेष जांच अभियान शुरू कर दिया है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाले सभी वाहन निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें और किसी प्रकार की लापरवाही के कारण कोई अप्रिय घटना घटित न हो। 1 जुलाई को यातायात पुलिस ने शहर के विभिन्न निजी विद्यालयों में पहुंचकर स्कूल बसों का निरीक्षण किया। इस दौरान बसों में उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों, दस्तावेजों और तकनीकी व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की गई। यातायात पुलिस ने यह भी देखा कि बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चे तो नहीं बैठाए जा रहे हैं और वाहन पूरी तरह सुरक्षित स्थिति में संचालित हो रहे हैं या नहीं। यातायात थाना प्रभारी सुबेदार यीना राहांगडाले ने बताया कि प्रत्येक वर्ष नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में स्कूल वाहनों का विशेष निरीक्षण किया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और वाहन संचालकों को नियमों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि

छोटी-सी लापरवाही भी बड़े सड़क हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए यातायात पुलिस किसी भी प्रकार की अनदेखी नहीं होने देगी। निरीक्षण के दौरान स्कूल बसों में सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी गेट, सीटों की स्थिति, वाहन की फिटनेस, आवश्यक दस्तावेज, स्पीड गवर्नर सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। जिन वाहनों में सुरक्षा संबंधी कमियां पाई जाएंगी, उनके संचालकों को पहले सुधार के निर्देश दिए जाएंगे और गंभीर अनियमितता मिलने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। यातायात थाना प्रभारी ने बताया कि पहले दिन लगातार हो रही बारिश के कारण सीमित संख्या में ही स्कूल बसों की जांच की जा सकी। हालांकि यह केवल अभियान की शुरुआत है और आने वाले दिनों में शहर के सभी निजी एवं शासकीय विद्यालयों में संचालित बसों, ऑटो, वैन और अन्य स्कूली वाहनों की क्रमबद्ध तरीके से जांच की जाएगी। उन्होंने वाहन संचालकों और स्कूल प्रबंधन से भी अपील की कि वे बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सभी सुरक्षा उपकरण हमेशा कार्यशील स्थिति में रखें, वाहनों का समय-समय पर रखरखाव कराएं तथा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए ही वाहनों का संचालन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी स्कूल वाहन में गंभीर खामी पाई जाती है या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है तो संबंधित वाहन के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। यातायात विभाग का मानना है कि स्कूल वाहनों का नियमित निरीक्षण न केवल दुर्घटनाओं की आशंका को कम करेगा, बल्कि स्कूल प्रबंधन और वाहन संचालकों में भी सुरक्षा नियमों के पालन के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करेगा। ऐसे में आगामी दिनों में यह अभियान और व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, ताकि जिले में संचालित प्रत्येक स्कूली वाहन पूरी तरह सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हो सके।

बारिश के पानी निकासी की समस्या लेकर ग्रामीण पहुंचे एसडीएम के दरबार, पट्टा निरस्त कर अतिक्रमण हटाने की उठाई मांग

तिवड़ी खुर्द के वार्ड क्रमांक-14 का मामला, ग्रामीणों का आरोप, आवागमन हुआ मुश्किल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले में मानसून सक्रिय होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी व्यवस्थाओं की पोल खुलने लगी है। कई गांवों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर भर रहा है, जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत तिवड़ी खुर्द के वार्ड क्रमांक-14 से सामने आया है, जहां जल निकासी बाधित होने और शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण किए जाने से नाराज लगभग दो दर्जन ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने

बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने, संबंधित पट्टा निरस्त करने तथा अतिक्रमण हटाकर नाली और पक्की सड़क का निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में वर्षों से पक्की सड़क और व्यवस्थित नाली का निर्माण नहीं हो सका है। हर वर्ष बारिश के मौसम में वार्ड का पूरा पानी सड़कों पर बहने लगता है, जिससे लोगों को घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। इस बार भी लगातार हो रही बारिश के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है तथा पूरे वार्ड में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है।

ज्ञापन देने पहुंचे ग्रामीण इलाज सिंह और शुभम उइके ने बताया कि वार्ड क्रमांक-14 से निकलने वाला बारिश और नाली का पानी वर्षों से एक निर्धारित मार्ग से नहरबंदी की ओर जाता था, लेकिन कुछ लोगों ने कच्ची नाली को मिट्टी डालकर समतल कर दिया और उस स्थान पर कब्जा कर लिया। इससे पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है और अब बारिश का पूरा पानी सड़क से होकर गुजर रहा है। परिणामस्वरूप सड़क कीचड़ और जलभराव में तब्दील हो गई है तथा राहगीरों, स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिस स्थान पर अतिक्रमण किया गया है, वहां ग्राम तिवड़ी खुर्द में उसी व्यक्ति के नाम दुकान का भी पट्टा प्रदान कर दिया गया। उनका कहना है कि जिस भूमि पर पट्टा दिया गया है, वह सार्वजनिक मार्ग और जल निकासी के लिए महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में वहां निर्माण और अतिक्रमण होने से पूरे वार्ड को जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित व्यक्ति से अतिक्रमण हटाने का आग्रह किया गया, लेकिन उसने साफ तौर पर हटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रशासन का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया।उनका आरोप है कि यदि समय रहते इस अतिक्रमण को नहीं हटाया गया तो आने वाले दिनों में भारी बारिश के दौरान पूरे वार्ड में गंभीर जलभराव की स्थिति बन सकती है, जिससे मकानों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित भूमि की जांच कर यदि सार्वजनिक मार्ग अथवा नाली की भूमि पर पट्टा जारी किया गया है तो उसे तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही अतिक्रमण हटाकर जल निकासी के लिए पक्की नाली का निर्माण कराया जाए और वार्ड में पक्की सड़क बनाई जाए, ताकि बारिश के मौसम में लोगों को राहत मिल सके।ग्रामीणों ने प्रशासन को यह भी बताया कि वर्तमान में सड़क के एक ओर नाली का निर्माण नहीं होने के कारण पूरा वर्षा जल सीधे सड़क पर बहता है। इससे सड़क खराब होने के साथ-साथ पैदल चलने वाले लोगों, बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोग फिसलकर गिर भी चुके हैं।एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के दौरान ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बारिश के पूरे मौसम में वार्डवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अब ग्रामीणों की निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर इस शिकायत पर कितनी जल्दी अमल होता है और उन्हें जलभराव की समस्या से राहत मिल पाती है या नहीं।

खेत की फेंसिंग हटाते समय किसान करंट की चपेट में आया- जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के परसवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोंडी में खेत की फेंसिंग हटाते समय एक किसान विद्युत करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किसान रूपेश पिता दिल्लूराम पांचे 34 वर्ष ग्राम पोंडी निवासी को परसवाड़ा से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पोंडी निवासी रूपेश पांचे अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करते हैं। जिनके खेत पड़ोसी प्रशांत सराठे ने अपने खेत में फेंसिंग तार लगाये हुई है। 1 जुलाई को रुपेश अपने खेत में धान बुवाई करने के लिए गए थे। खेत में धान की बुवाई का कार्य करने के बाद वह दोपहर करीब 12:30 बजे घर लौट रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी किसान प्रशांत सराठे के खेत में ट्रैक्टर प्रवेश कर रहा था। बताया गया कि ट्रैक्टर चालक ने रूपेश से रास्ते में लगी फेंसिंग का तार हटाने के लिये बोला था जैसे ही रूपेश ने फेंसिंग के तार को हाथ लगाया वह अचानक विद्युत करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। घटना को देख आसपास मौजूद ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्हें परसवाड़ा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। वर्तमान में उनका उपचार जारी है। घटना के बाद यह सवाल उठ रहा है कि फेंसिंग के तार में विद्युत प्रवाह कैसे आया। फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। किंतु इस क्षेत्र में कई स्थानों पर जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए खेतों की फेंसिंग में अवैध रूप से बिजली प्रवाहित किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। यदि ऐसा पाया जाता है तो यह न केवल वन्यजीवों बल्कि आम नागरिकों के लिए भी गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

खाद की कीमतों में भारी वृध्दि के खिलाफ भड़का आक्रोश

किसान गर्जना संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बढ़ते दामों को तत्काल वापस न लेने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी, किसानों ने कहा- खेती अब घाटे का सौदा बनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र के किसानों के हितों की रक्षा और उनके शोषण के खिलाफ मुखर रहने वाले प्रमुख संगठन किसान गर्जना की एक अति-आवश्यक बैठक बुधवार को नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में आयोजित की गई। इस बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान और संगठन के पदाधिकारी सम्मिलित हुए, जहां सरकार द्वारा हाल ही में खाद के दामों में की गई बेतहाशा वृध्दि पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। जिसके बाद सभी पदाधिकारी वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति कार्यालय पहुंचे जहां मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम को ज्ञापन सौंपकर तत्काल खाद के दामों में हुई वृध्दि को तत्काल वापस लेने की मांग की है। वहीं मांगे पूरी नही होने उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सरकार द्वारा खाद के दामों में की गई भारी वृध्दि ने पहले से ही विभिन्न आर्थिक संकटों से जूझ रहे अन्नदाता की कमर तोड़कर रख दी है। एक तरफ सरकार मंचों से किसानों की आय दोगुनी करने के बड़े-बड़े दावे और घोषणाएं करती है। वहीं दूसरी तरफ खाद, बीज,

डीजल, बिजली और कृषि उपकरणों की लगातार बढ़ती कीमतों ने व्यावहारिक रूप से खेती को पूरी तरह घाटे का सौदा बना दिया है। किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आज देश और प्रदेश का किसान पूरी तरह कर्ज के दलदल में डूबा हुआ है। लगातार बढ़ रही कृषि लागत के अनुपात में किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य नहीं मिल पा रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में खाद के दाम बढ़ाकर सरकार ने किसानों पर अतिरिक्त और असहनीय आर्थिक बोझ डालने का जनविरोधी कार्य किया है। संगठन ने इस निर्णय को सीधे तौर पर किसान विरोधी और किसानों के अधिकारों के साथ एक बड़ा अन्याय करार दिया है।

सरकार से की गई प्रमुख मांगे

किसान गर्जना संगठन के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर खाद के बढ़े हुए दामों को बिना किसी विलंब के तत्काल प्रभाव से वापस लिये जाने, आगामी सीजन को देखते हुए किसानों

को पर्याप्त मात्रा में पुराने दामों पर ही खाद उपलब्ध करवाने, बाजार में खाद की कालाबाजारी और कृत्रिम किल्लत पैदा करने वाले बिचौलियों व दोषियों के विरूध्द सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही करने, कृषि लागत को कम करने के उद्देश्य से सरकार किसानों के लिए एक विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा करने, भविष्य में किसानों से जुड़े किसी भी प्रकार के नीतिगत निर्णय लेने से पूर्व किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक चर्चा अनिवार्य रूप से करने की मांग की है। साथ ही संगठन ने सरकार और प्रशासन को स्पष्ट शब्दों में आगाह करते हुए चेतावनी दी है कि यदि किसानों की इन न्यायोचित और आवश्यक मांगों पर शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो किसान गर्जना संगठन पूरे मध्यप्रदेश में चरणबध्द व व्यापक जनांदोलन शुरू करने को बाध्य होगा। जिसके अंतर्गत तहसील व जिला मुख्यालयों, सहकारी समितियों और खाद वितरण केंद्रों पर धरना-प्रदर्शन, घेराव और चक्काजाम किये जायेंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। इस अवसर पर किसान गर्जना संगठन के प्रदेश पदाधिकारी अरविंद चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष रामचन्द्र सिहोरे, नारायणप्रसाद यादव, गुरूप्रसाद बिसेन, बसंत शर्मा, मनीराम भोयर, दुर्गाप्रसाद आश्वले सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन - अरविंद

किसान गर्जना संगठन के प्रदेश पदाधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि मध्यप्रदेश में खाद के बढ़े हुए दामों को लेकर हमारा संगठन तहसीलों में घूम-घूम कर किसानों को जागरूक कर शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर खाद के दाम करने की मांग कर रहे है क्योंकि जो बोरी पहले 1350 रूपये में किसानों को मिलती थी। वह वर्तमान में 2100 रूपये में मिल रही है। 1450 रूपये की खाद की बोरी अब 2450 रूपये में मिल रही है। प्रत्येक बोरी पर 7 सौं से 1 हजार रूपये की बढ़ोत्तरी की गई है। श्री चौधरी ने बताया कि सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये करने का वादा किया गया था परन्तु समर्थन मूल्य नहीं बढ़ाया गया है और आय दुगुनी करने की बात कही गई थी परन्तु वह भी पूरा नहीं किया गया है। महंगाई बढ़ने से किसानों की हालत बहुत खराब हो रही है, वह कर्ज में ही जी रहा है और कर्ज में ही मर रहा है और खाद के रेट बढ़ाकर सरकार किसानों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर दिया है। यदि खाद के दाम कम नहीं किये गये तो किस गर्जना संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

विधायक प्रतिनिधि सोमेंद्रसिंह पटले बने मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारतीय राष्ट्रीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपालसिंह खैरा, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार तथा मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह चौहान की सहमति एवं अनुमोदन से मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस की नई प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की गई है। नवगठित कार्यसमिति में बालाघाट जिले के पूर्व किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष, युवा नेतृत्व पाथरी सरपंच प्रतिनिधि एवं विधायक प्रतिनिधि सोमेंद्रसिंह पटले को प्रदेश उपाध्यक्ष का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। वहीं सोमेंद्रसिंह पटले की नियुक्ति से जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं, किसान नेताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। वहीं बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने इसे बालाघाट जिले के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता एवं जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रहते हुए किसानों के हित में किये गये आंदोलन, उनके अधिकारों की लड़ाई में सतत् योगदान के लिए आज भारतीय राष्ट्रीय किसान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने सोमेन्द्रसिंह पटले को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर सुशोभित कर जो सम्मान दिया है यह बालाघाट कांग्रेस के लिए संजीवनी से कम नहीं है। आगे कहा कि श्री पटले लंबे समय से कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों, युवाओं एवं ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। श्री पटले लालबर्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पाथरी से लगभग 10 वर्षों से ग्राम के प्रतिनिधि के रूप में अपनी निरन्तर सेवाएं दे रहे है। साथ ही संगठनात्मक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका तथा जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में सोमेंद्रसिंह पटले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा को प्रदेश के प्रत्येक गांव और किसान तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। साथ ही किसानों के अधिकार, सम्मान, उचित समर्थन मूल्य, सिंचाई, खाद-बीज की उपलब्धता, फसल बीमा, ऋण संबंधी समस्याओं एवं अन्य किसान हितों के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए संगठन को नई दिशा प्रदान करेंगे। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने समस्त कांग्रेस परिवार की ओर से नवनियुक्त किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर श्री पटले को शुभकामनाएं दी है।

महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रथम दिवस के अवसर पर 1 जुलाई को नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ सहप्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात नवप्रवेशित विद्यार्थियों को तिलक लगाकर हार्दिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने विद्यार्थियों के स्वागत भाषण के दौरान विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. सुमन बरवा ने विद्यार्थियों से कहा की महाविद्यालय को अपना दूसरा घर समझें। यहां के शिक्षक आपके मार्गदर्शक है, जो आपको जीवन में आगे बढ़ने की सही दिशा देगें। मन लगाकर पढ़ाई करे, नियमित महाविद्यालय आयें, प्रश्न पूछने में संकोच न करे। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियां, गतिविधियाँ एवं नियमों एवं सुविधाओं की जानकारियाँ तथा अनुशासन समय प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। इसी क्रम में स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे के द्वारा विद्यार्थियों को करियर निर्माण में प्रतियोगिता परीक्षा के संबंध में जानकारी दी एवं संकाय और कर्मचारियों का परिचय, विभिन्न छात्रवृति एवं योजनाओं की जानकारी से अवगत करवाया। क्रीडा अधिकारी डॉ. हषिकेश पटेल ने अपने व्याख्यान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत विषय चयन, क्रेडिट सिस्टम एवं परीक्षा योजना से परिचित करवाने एवं मध्यप्रदेश शासन की विद्यार्थियों के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती अनिभा शरणागते के द्वारा किया गया। दीक्षारंभ कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या परते, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, लकेश गेड़ाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मीनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अधिवक्ता संघ ने सांसद भारती पारधी को सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा में सिविल कोर्ट खोलने की मांग की, जनता को हो रही परेशानी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिले की एक बड़ी और महत्वपूर्ण तहसील लालबर्रा में सिविल जज वर्ग - 2 न्यायालय की स्थापना को लेकर अधिवक्ता संघ लालबर्रा एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने बुधवार की शाम में विश्राम गृह में सांसद श्रीमती भारती पारधी को ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा में सिविल कोर्ट खोलने की मांग की है। वहीं ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ताओं एवं क्षेत्रीयजनों ने सांसद श्रीमती पारधी को बताया कि वर्तमान में लालबर्रा में सिविल न्यायालय न होने के कारण क्षेत्र की आम जनता और गरीब ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही लालबर्रा तहसील मुख्यालय से जिला न्यायालय बालाघाट की दूरी लगभग 25 किमी. और सत्रन्यायालय वारासिवनी की दूरी करीब 21 किमी. है। ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों से आने वाले गरीब पक्षकारों को कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने के लिए प्रतिदिन 100 से 150 रूपये तक का अतिरिक्त किराया खर्च करना पड़ता है। इसके साथ ही उनका पूरा दिन सफर में बीत जाता है जिससे उनकी उस दिन की मजदूरी भी मारी जाती है। ऐसी स्थिति में सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि लंबे समय से लालबर्रा में सिविल कोर्ट खोलने की मांग की जा रही है। लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है और क्षेत्रीयजन परेशान है।

हजारों मामले हैं लंबित, बड़ी आबादी प्रभावित

आपको बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र की आबादी और मुकदमों की स्थिति को देखते हुए यहां कोर्ट की सख्त आवश्यकता महसूस की जा रही है। वहीं जनसंख्या और इस तहसील के अंतर्गत लगभग 1 लाख 70 हजार 960 की आबादी आती है। जिसमें 77 ग्राम पंचायतें और 105 राजस्व ग्राम शामिल हैं। वहीं लंबित मामलों का अंबार है, वर्तमान में इस क्षेत्र के सिविल के 700 से अधिक, आपराधिक मामलों के 1000 से अधिक, राजस्व के 1000 से अधिक तथा सैकड़ों पारिवारिक विवाद से जुड़े मामले लंबित हैं। जिनका निराकरण समय पर नही हो पा रहा है। अगर लालबर्रा मुख्यालय में सिविल कोर्ट खुल जाता है तो समय पर सभी प्रकरणों का निराकरण हो जायेगा और क्षेत्रीयजनों को परेशानियों का भी सामना नही करना पड़ेगा। वहीं जागरूक नागरिकों एवं अधिवक्ताओं का कहना है कि बालाघाट जिले की अन्य तहसीलों जैसे कटंगी, वारासिवनी,

बैहर और लांजी में आम जनता की सुविधा के लिए पहले से ही सिविल कोर्ट संचालित हैं, लेकिन लालबर्रा के 105 गांवों के लोग आज भी इस बुनियादी न्यायिक सुविधा से वंचित हैं।

सर्वे में सभी मापदंड पाये गये पूरे

वहीं लालबर्रा मुख्यालय में सिविल कोर्ट खोलने की मांग पूर्व में भी की गई है और सर्वे में सभी मापदंड पूरे पाये गये है। लेकिन शासन-प्रशासन स्तर से ही विलंब किया जा रहा है जिससे क्षेत्रीयजनों में आक्रोश व्याप्त है। सांसद श्रीमती पारधी को सौंपे गये ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि सरकार की न्याय आपके द्वार नीति के तहत लालबर्रा में कोर्ट खुलना अत्यंत आवश्यक है। पिछले महीनों ही जिला न्यायाधीश के निर्देशन में लालबर्रा में व्यवहार न्यायालय (सिविल कोर्ट) खोलने को लेकर एक अधिकारिक सर्वे भी किया जा चुका है। इस सर्वे में न्यायालय स्थापना के लिए जरूरी सभी मापदंड और शर्तें पूरी पाई गई हैं। वहीं क्षेत्रीय जनता ने मध्यप्रदेश के अन्य जिलों का उदाहरण देते हुए मांग की है कि नियमों में ढील देकर लालबर्रा में जल्द से जल्द सिविल कोर्ट शुरू किया जाये। मध्यप्रदेश के अनेक सिविल न्यायालय है जहां पर कम दूरी होने के बावजूद नियमों को शिथिल कर आम जनता के हित में वहां कोर्ट की स्थापना की जा सकती है। तो लालबर्रा जैसी बड़ी और दूरस्थ तहसील को इस अधिकार से वंचित क्यों रखा जा रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने सांसद भारती पारधी से पुरजोर मांग की है कि वे इस जनहित के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर पैरवी करें ताकि लालबर्रा के गरीब और जरूरतमंद लोगों को स्थानीय स्तर पर ही सुलभ और सस्ता न्याय मिल सके। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ अध्यक्ष बाबूलाल सराठे, उपाध्यक्ष अधि. संदेश इंदुरकर, सहसचिव अधि. के पी रजवाड़े, कोषाध्यक्ष अधि. मुकेश नगपुरे, ग्रंथपाल अधि. केवल उके, वरिष्ठ अधि. अनिल शर्मा, भेजेंद्र राहंगडाले, अजय कौशल, अधिवक्ता संघ सदस्य अमित अग्रवाल, विधान सराठे, निलेश मेश्राम, नीतेश श्रीवास व अतुल भारद्वाज सहित अन्य उपस्थित रहे।

सिविल कोर्ट खुलने से आमजनों को होगी सुविधा - बाबूलाल

अधिवक्ता संघ लालबर्रा अध्यक्ष बाबूलाल सराठे ने बताया कि लालबर्रा में व्यवहार न्यायालय वर्ग-2 की स्थापना के लिए अधिवक्ता संघ सभी जनप्रतिनिधियों से अनुशंसा की मांग कर रहा है ताकि लालबर्रा में व्यवहार न्यायालय (सिविल कोर्ट) खुल सके और लोगों को सुविधा हो सके। इस संबंध में सांसद महोदया को बुधवार को ज्ञापन सौंपा गया है और उनकी अनुशंसा की मांग की गई ताकि हम सभी अधिवक्ता उन सभी जनप्रतिनिधियों का अनुशंसा पत्र एवं अपना मांग पत्र माननीय उं च न्यायालय एवं मुख्यमंत्री को दे सके और हमारे व्यवहार न्यायालय की मांग पूरी हो सके। श्री सराठे ने बताया कि लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायत एवं 105 राजस्व गांव के लोगों को 30 से 40 किमी की दूरी तय करके वारासिवनी व्यवहार न्यायालय में जाना पड़ता है। जिससे उन्हें आर्थिक समस्या से जूझना पड़ता है और मजदूरी के साथ ही उनका समय भी खराब होता है। साथ ही यह भी बताया कि बालाघाट से वारासिवनी की दूरी मात्र 17 किमी है और माननीय उं च न्यायालय मध्यप्रदेश शासन के द्वारा वारासिवनी में सिविल न्यायालय खोला गया है और इसी तरह से मध्यप्रदेश के अन्य बहुत से व्यवहार न्यायालय हैं जो कि जिला न्यायालय से बेहद कम दूरियों पर सुविधा की दृष्टि से खोले गये है। जबकि लालबर्रा से जिला न्यायालय की दूरी लगभग 25 किमी है और इसके अनुसार सुविधा की दृष्टि से लालबर्रा में व्यवहार न्यायालय खोला जाना अत्यंत आवश्यक है। इसी मांग को लेकर सांसद श्रीमती पारधी को ज्ञापन सौंपा गया है और उनसे अनुशंसा पत्र की मांग की गई है।

प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ा कोथुरना-पिपरिया पुलिया निर्माण

१साल बाद भी काम अधूरा, बारिश शुरू होते ही ग्रामीणों और छात्रों की बढ़ी मुश्किलें

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलाँजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कोथुरना और पिपरिया के बीच पड़ने वाला मुख्य मार्ग इस वर्षाकाल में एक बार फिर ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बनने जा रहा है। पिछले वर्ष हुई मूसलाधार बारिश और भीषण बाढ़ के कारण ढह चुके पुलिया का निर्माण कार्य एक साल बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है। ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों की सुस्ती का आलम यह है कि सालभर में पुलिया के नाम पर सिर्फ ऊपरी छत ही डाली जा सकी है जबकि धरातल पर काम आज भी अधूरा पड़ा हुआ है।

रामपायली मुख्यालय से संपर्क टूटने का खतरा

यह मार्ग क्षेत्र का एक बेहद महत्वपूर्ण और मुख्य मार्ग है जो सीधे रामपायली मुख्यालय को जोड़ता है। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण किसान मजदूर और क्षेत्र के बालक बालिकाएं अपनी दैनिक जरूरतों और शिक्षा के लिए आना जाना करते हैं। वर्तमान में बारिश का मौसम प्रारंभ हो चुका है और नाले में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों को डर है कि यदि पिछले साल की तरह इस बार भी बाढ़ आई तो आधा अधूरा बना यह ढांचा पूरी तरह बह जाएगा और कोथुरना का रामपायली से सीधा संपर्क पूरी तरह कट जाएगा।

मिट्टी बनी मुसीबत स्लिप हो रही गाड़ियां

प्रशासन के द्वारा पूर्व में आवागमन को सुचारू रखने के बहाने नाले के साइड में मिट्टी डालकर एक वैकल्पिक रास्ता तैयार किया गया था। लेकिन अब शुरुआती बारिश ने ही इस रास्ते को सड़क से दलदल में तब्दील कर दिया है। मिट्टी पूरी तरह कीचड़ का रूप धारण कर चुकी है जिससे आए दिन साइकिल और मोटरसाइकिलें स्लिप हो रही हैं। राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं और उनके कपड़े खराब हो रहे हैं। जान जोखिम में डालकर लोग इस कीचड़ भरे रास्ते को पार करने पर मजबूर हैं। इस प्रशासनिक निष्क्रियता का सबसे बड़ा खामियाजा स्कूली छात्र छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है और स्कूल खुल गए हैं। कीचड़ के कारण बच्चों को स्कूल पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। यदि नाले में पानी का स्तर जरा भी बढ़ा तो बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो जाएगी। क्योंकि उनके पास स्कूल आने जाने का कोई दूसरा सुरक्षित साधन या मार्ग उपलब्ध नहीं है।

सुखे समय में सोता रहा प्रशासन ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर तीखा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जब पूरी ठंड और गर्मी का सुखा समय था तब जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। यदि निर्माण कार्य को गंभीरता से और तीव्र गति से किया जाता तो आज यह स्थिति निर्मित नहीं होती। यह हमारा मुख्य मार्ग है पिछले साल पुलिया बहने के बाद उम्मीद थी कि इस बारिश से पहले नया पुल मिल जाएगा। लेकिन प्रशासनिक निष्क्रियता के कारण आज भी रास्ता अधूरा है। साइड की मिट्टी में गाड़ियां फंस रही हैं। अगर तेज बाढ़ आई तो हमारा संपर्क कट जाएगा किसान मजदूर और छात्र सभी परेशान हैं।

इनका कहना है

कोथुरना से पिपरिया के बीच जो पुलिया बन रहा है मेरे द्वारा ठेकेदार और उच्च अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई है। कि बारिश के पहले पुलिया का निर्माण कार्य पूर्ण किया जायें। लेकिन ठेकेदार की लेटलतिफि के कारण आवागमन करने में ग्रामीणों सहित राहगीरो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण आये दिन पानी भरने से दुर्घटना भी घटित हो सकती है। हम चाहते है कि पुलिया का कार्य और तीव्रगति से प्रारंभ कर कार्य पूर्ण किया जायें। ठेकेदार और उच्च अधिकारियों ने आश्वासन दिया है की पुलिया का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पुरा किया जायेगा।

योगेश सोनटक्के
सरपंच ग्राम पंचायत कोथुरना

खैरलांजी महाविद्यालय में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम प्रारंभ

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ आत्मीय स्वागत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार वीरांगना रानी अवंतीबाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय दीक्षारंभ २०२६ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० अनुशासन नैतिक मूल्यों व्यक्तित्व विकास तथा महाविद्यालयीन वातावरण से परिचित कराते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात नवप्रवेशित विद्यार्थियों का पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य नीरज सिंह ठाकुर ने कहा कि महाविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का केंद्र नहीं बल्कि संस्कार ज्ञान व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन नियमित अध्ययन सकारात्मक सोच तथा महाविद्यालय की प्रत्येक शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधि में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का जिम्मेदार नागरिक और राष्ट्र का भविष्य है। कार्यक्रम के अंतर्गत नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की कार्यप्रणाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० परीक्षा प्रणाली एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें महाविद्यालय के नियमों अनुशासन अध्ययन पद्धति तथा उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों से अवगत कराते हुए उच्च शिक्षा के प्रति सकारात्मक एवं जागरूक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खैरलांजी से डॉ.आदित्य पाटीदार ने मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। विद्यार्थियों को तनाव चिंता एवं अवसाद जैसी समस्याओं से दूर रहने के लिए नियमित योग ध्यान व्यायाम संतुलित आहार एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने विशेष रूप से मोबाइल फोन एवं सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचने का संदेश देते हुए कहा कि अनावश्यक मोबाइल का उपयोग विद्यार्थियों की एकाग्रता स्मरण शक्ति अध्ययन क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। मोबाइल आपका सहायक होना चाहिए जीवन का संचालक नहीं। इस अवसर पर विवेक कुमार खरगाल, मनीष कुमार डोंगरे,शोक कुमार टेंभुर्णे,वीरेन्द्र कुमार पटेल,रोहित कुमार पाण्डेय,श्रीमती शालिनी मेश्राम,विक्रांत रंधावा,वैभव लांजेवर,सुश्री पल्लवी ठाकुर,सुश्री शिखा डहरवार,राजेन्द्र कुमार सय्याम,अतुल गोकुलपुरे,अजय सोनेकर, श्रीमती आरती बहेटवार,दिनेश बनोटे,श्रीमती वृंदा डहरवार,श्रीमती उषा राऊत,पंकज लिल्हारे , आकाश लिल्हारे सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण अधिकारी कर्मचारी एवं नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

१२ वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम कोपे निवासी १२ वर्षीय बालक की १ जुलाई की रात करीब ९ बजे संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब पीयूष मेश्राम घर में खेल रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोपे निवासी दिनेश मेश्राम अपने पूरे परिवार के साथ ग्राम में निवास करते हैं। जो प्रतिदिन की तरह अपने कार्य पर गए हुए थे। घर पर पत्नी एवं दोनों बेटे थे उनका छोटा बेटा पियूष पिता दिनेश मेश्राम उम्र १२ वर्ष स्कूल गया था जहां से वापस वह अपने घर आया और खेलकूद कर रहा था। तभी अचानक बेहोश हो गया जिसे परिजनों के द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल लाया गया जहां पर डॉक्टर के द्वारा परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि मौत का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा घटना की जानकारी अस्पताल तहरीर के माध्यम से पुलिस को दे दी गई है। शव का पोस्टमार्टम २ जुलाई को सुबह १० बजे किया जायेगा।

मृत व्यक्ति के खाते में डाल दी प्रधानमंत्री आवास की राशि पीड़ित लगा रहा कार्यालय के चक्कर

पीड़ित ने जनपद सीईओ को शिकायत कर राशि लौटाने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सावरी में प्रधानमंत्री आवास योजना प्लस में एक बेहद चौंकाने वाला और गंभीर अनियमित्ता का मामला सामने आया है। यहाँ एक जीवित पात्र हितग्राही की आवास की पहली किस्त की राशि गाँव के ही एक ऐसे व्यक्ति के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी गई जिसकी मृत्यु लगभग दो वर्ष पहले ही हो चुकी है। पीड़ित हितग्राही ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खैरलांजी को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

यह है पूरा मामला

शिकायत में उल्लेखित हैं की राजू दमाहे पिता रूपलाल दमाहे ग्राम पंचायत सावरी जनपद पंचायत खैरलांजी का निवासी है। तथा अनावेदक राजू लिल्हारे पिता रूपराम लिल्हारे भी ग्राम के वार्ड नं.१९ का निवासी है जिसकी मृत्यु आज से लगभग २ वर्ष पूर्व हो चुकी है । मेरे द्वारा प्रधानमंत्री आवास प्लस में आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके आधार पर प्रतिक्षा सूची तैयार की गयी थी। जिसके अनुसार पीएमआईडीएमपी/४५५२६९१४ तथा वरीयता क्रमांक ९० है। मेरे द्वारा किये गये फार्म के साथ सभी दस्तावेज जिसमें बैंक खाता संख्या, आधार कार्ड तथा अन्य दस्तावेजों एवं फार्म के आधार पर राशि खाते में आती है। फिर भी ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक राजकुमार लिल्हारे ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा मिली भगत कर मेरे खाते में आने वाली राशि २५००० रूपयें अनावेदक के खाते में १४/७/२०२५ को जमा कर दी गयी। जबकि वह व्यक्ति को इसके पूर्व प्रधानमंत्री आवास की पूर्व किस्त प्राप्त हो चुकी थी और उसकी मृत्यु दिनांक १४/७/२०२५ के पहले ही मृत्यु हो चुकी थी और उसके खाते में जमा राशि २०/०८/२०२५ निकाली जा चुकी है। इस संबंध में जनपद पंचायत के बाबू बोरकर के द्वारा जानकारी दी गयी। ऐसी स्थिति में मेरे खाते में राशि प्राप्त नही हुई और रोजगार सहायक और सचिव की लापरवाही पूर्वक षडयंत्र के कारण राशि अनावेदक के खाते में डाली गयी है। उपरोक्त परिस्थितियों को देखते हुए राशि को दुसरे खाते में जमा किये जाने एवं तुरंत आहरित करने की परिस्थिति को देखते हुए उचित जांच कर दोषी पर कठोर कार्यवाही कर मुझे मेरी प्रधानमंत्री आवास प्लस की उक्त किस्त की राशि प्रदान करे।

रोजगार सहायक एवं सचिव राजकुमार लिल्हारे की लापरवाही के कारण नही मिली राशि- रुपलाल दमाहे

पिड़ित रुपलाल दमाहे ने बताया की मैं सावरी खैरलांजी रहता हूं मेरे बेटे के नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था जो राजू पिता रूपलाल दमाहे वार्ड नंबर ५ के नाम से था। यह मकान सूची वर्ष २०१७-१८ की थी जो वर्ष २०२४-२५ में स्वीकृत हुआ। जुलाई में मुझे सूचना लगी थी राशि आने वाली है फिर ग्राम में पता चला कि आपका आवास की राशि इधर उधर हो गई है। इस संबंध में रोजगार सहायक के पास गया तो वह आ जाएगा कहता है सूची को लेकर मैं जनपद पंचायत में बोरकर बाबू के भी पास गया उन्होंने बताया कि आपके बेटे की राशि राजू

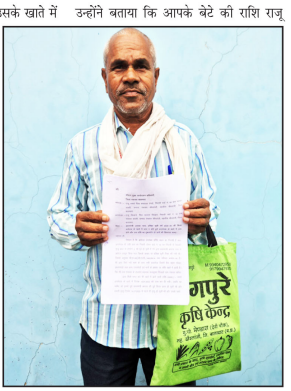

लिल्हारे वार्ड नंबर १९ सावरी टोला निवासी के खाते में जा चुकी है। जबकि उक्त व्यक्ति की मृत्यु वर्ष २०२४ में हो चुकी थी हमने तीन बार खाता आईडी सभी प्रकार के दस्तावेज दिए फिर भी ऐसा कैसे हो गया। ८ दिन में निराकरण की बात कही गई थी टालमटोल करते हुए आज एक वर्ष हो गया है इस दौरान भी इन्होंने दस्तावेज मांगे हमने दिए फिर मैं तेंदुपत्ता सीजन गया तो हो जाएगा कहा था आज भी कुछ नहीं हुआ। जिला पंचायत भी हम इसके लिए प्रभारी के पास गए थे तो उन्होंने बोरकर बाबू से बात की थी। इस प्रकार ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत के चक्कर लगाकर मैं प्रताड़ित हो चुका हूं ।मेरा मकान जर्जर है पिछले ४ वर्ष से तीन तिरपाल डालकर रह रहा हूं दीवार गिर गई है। मृत व्यक्ति के खाते में १४ जुलाई २०२५ को राशि डाली गई थी जो उसके छोटे भाई मंगेश लिल्हारे ने निकाल ली। उससे बात की गई तो उसने कहा कि हमारे भाई की कोई राशि आई होगी तो हमने निकाल लिए। इस पूरे मामले में रोजगार सहायक एवं तत्कालीन सचिव राजकुमार लिल्हारे की लापरवाही है और बोरकर बाबू की भी लापरवाही लग रही है । रोजगार सहायक को जनपद पंचायत में अटैच कर दिया गया है। इस मामले में हमने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खैरलांजी को शिकायत की है हम यही चाहते हैं कि हमें हमारी राशि वापस करे।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि यह जो प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि गलत खाते में जाने का मामला है वह मेरे संज्ञान में कल ही आया है। इस संबंध में मेरे द्वारा जांच करवायी जा रही है की कैसे पात्र हितग्राही के प्रकरण में दूसरे व्यक्ति का खाता फीड हो गया है और किसके द्वारा यह कार्य किया गया हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उस आधार पर संबंधित व्यक्ति को दोषी मानते हुए कार्यवाही की जायेगी। वहीं आगामी समय के लिए पात्र हितग्राही का खाता उसके प्रकरण में लगाया जा रहा है ताकि अगली प्रधानमंत्री की किस्त उसके खाते में प्राप्त हो सके।

गायत्री कुमार सारथी
मुख्य कार्यपालन अधिकारी खैरलांजी

सेवानिवृत्त शिक्षकों का विधायक विवेक पटेल ने किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुदबुदा में एक बिदाई समारोह का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल शामिल हुए। जहाँ विधायक विवेक पटेल ने सेवानिवृत्त हुए शिक्षक राकेश वर्मा और प्रेमलाल गौतम का शाल श्रीफल भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य के लिए सम्मानित किया। वहीं शिक्षकों ने भी अपने सेवाकाल के अनुभव को साझा किया। शिक्षकों को बिदाई देना उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र दिए गए योगदान और अमूल्य समर्पण को सम्मान देने का अवसर रहता है। यह कार्यक्रम उनके दीर्घायु,अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल भविष्य की कामना करने के लिए आयोजित किया जाता है। इस भावुक अवसर पर स्कूल स्टाफ ,छात्र,छात्राओं,स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने शिक्षकों के लंबे और उत्कृष्ट कार्यकाल की सराहना की। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि एक शिक्षक का काम केवल ज्ञान देना ही नहीं,बल्कि भावी पीढ़ी का चरित्र निर्माण करना भी होता है। शिक्षक सेवा से भले ही सेवानिवृत्त हो जाते है लेकिन समाज को दिशा देने और शिक्षित करने में उनका योगदान जीवन भर अमूल्य रहता है शिक्षकों की कभी छुट्टी नहीं रहती है। सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनकी जवाबदारी और बढ़ जाती है। स्कूल के लिए किए गए उनके कार्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। विद्यालय के बच्चे उन्हें सदैव याद करते रहेंगे सेवानिवृत होना एक औपचारिक पड़ाव है। शिक्षक स्कूल से सेवानिवृत हो सकता है मगर अंतिम सांस तक बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करता है। शिक्षक किसी एक विद्यालय की नहीं,बल्कि पूरे समाज की धरोहर होते है। शिक्षक ने अपने सेवाकाल में बच्चों को केवल शिक्षित ही नहीं किया बल्कि उन्हें संस्कार अनुशासन और जीवन के मूल्य भी प्रदान किए है।

सड़क दुर्घटना में मिनेश परते गंभीर घायल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मंगेझरी के मलहमटोला में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एक ऑटो को रास्ता देने के प्रयास में मोटरसाइकिल फि सलने से ३४ वर्षीय एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहाँ उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मलहमटोला मंगेझरी निवासी मिनेश पिता दामसिंह परते उम्र ३४ वर्ष अपने गांव के ही एक टोले की तरफ किसी काम से गए हुए थे। जब वह वहाँ से वापस लौट रहे थे तभी मंगेझरी से महाराजपुर की ओर सवारियों से भरा एक ऑटो आ रहा था। सड़क संकरी होने के कारण मिनेश ने सूझबूझ दिखाते हुए अपनी मोटरसाइकिल को सड़क से नीचे साइड शोल्डर कच्ची सड़क पर उतार दिया ताकि ऑटो आसानी से गुजर सके। लेकिन जैसे ही ऑटो आगे निकला और मिनेश ने अपनी मोटरसाइकिल को वापस पक्की सड़क पर चढ़ाने का प्रयास किया तभी अचानक संतुलन बिगड़ गया। मोटरसाइकिल पुरी तरह स्लिप हो गई और मिनेश सड़क पर दूर जा गिरे। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मिनेश मौके पर ही लहूलुहान होकर बेहोश हो गए। घटना को देख आस पास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। निवासियों ने तुरंत इस हादसे की सूचना घायल

के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और संजीवनी १०८ एम्बुलेंस को कॉल किया गया। एम्बुलेंस की मदद से घायल मिनेश को तुरंत सिविल अस्पताल वारासिवनी लाकर भर्ती कराया गया। इस सड़क हादसे में मिनेश को सिर हाथ और पैरों में अंदरूनी बाहरी चोट आई हैं। फिलहाल घायल युवक का उपचार सिविल अस्पताल में जारी हैं।

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक जिस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दु:ख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश,आसाम,राजस्थान,मध्यप्रदेश,बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोस करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नजासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गज़ट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाड़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी जिस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं।

नशे के विरुद्ध निर्णायक युद्ध-विजन 2026- 2029 -ड्रग्स माफियाओं पर बड़ा प्रहार

वैश्विक स्तरपर जिस प्रकार भारत ने वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध समयबद्ध रणनीति अपनाकर विजन 2026 के माध्यम से नक्सलवाद को निर्णायक रूप से समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया, उसी प्रकार अब केंद्र सरकार ने मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध भी एक स्पष्ट, बहुस्तरीय और समयबद्ध अभियान प्रारंभ किया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 26 जून 2026 को नार्को- कोऑर्डिनेशन सेंटर (नाकॉर्ड) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक में जारी नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026- 2029 केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और संगठित अंतरराष्ट्रीय अपराध के विरुद्ध घोषितरणनीतिक युद्ध का रोडमैप है।गृह मंत्री द्वारा प्रस्तुत 3डी रणनीति- डिटेक्ट, डिसट्रपट और डिस्ट्रॉय,इस नई नीति का संचालन सिद्धांत है। डिटेक्ट का अर्थ है अत्याधुनिक तकनीक, खुफिया सूचनाओं और डेटा विश्लेषण के माध्यम से नेटवर्क की प्रारंभिक पहचान करना।डिसट्रपट का उद्देश्य अपराधी नेटवर्क की गतिविधियों को बीच में ही रोक देना है ताकि वे अपनी आपूर्ति श्रृंखला संचालित न कर सकें। डिस्ट्रॉय का आशय है अपराधियों के आर्थिक स्रोत, अवैध संपत्तियों, उत्पादन केंद्रों और पूरे नेटवर्क को स्थायी रूप से समाप्त करना। यह रणनीति केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं बल्कि अपराध की संरचना को ध्वस्त करने पर आधारित है।सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आने वाले तीन वर्ष यह तय करेंगे कि भारत नशे के वैश्विक नेटवर्क के सामने झुकेगा या उसे निर्णायक रूप से परास्त करेगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज मादक पदार्थों की तस्करी पारंपरिक अपराध की सीमा से बहुत आगे निकल चुकी है।यह आतंकवाद, हथियारों की तस्करी, हवाला,मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर अपराध और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से गहराई से जुड़ चुकी है। दुनियाँ के अनेक सुरक्षा विशेषज्ञ यह मानते हैं कि ड्रग्स का पैसा अक्सर आतंकवादी संगठनों, उग्रवादी नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट की वित्तीय जीवनरेखा बनता है। इसी कारण भारत सरकार ने पहली बार स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया है कि ड्रग्स केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर प्रश्न है।यह दृष्टिकोण भारत की एंटी- नारकोटिक्स नीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत देता है। साथियों नाकॉर्ड की 10वीं बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि आने वाले तीन वर्ष यह निर्धारित करेंगे कि नशा भारत पर हावी होगा या भारत नशे पर विजय प्राप्त करेगा। यह केवल राजनीतिक वक्तव्य नहीं बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का सार्वजनिक संकल्प है। इस बैठक में केंद्र सरकार, राज्यों, केंद्रीय जांच एजेंसियों, सुरक्षा बलों और विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सरकार इस चुनौती को पूरे शासन तंत्र की सामूहिक जिम्मेदारी मान रही है। नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026- 2029 की सबसे बड़ी विशेषता इसका त्रिस्तरीय दृष्टिकोण है।पहला लक्ष्य है डिमांड रिडक्शन,अर्थात समाज विशेषकर युवाओं में नशीले पदार्थों की मांग को कम करना। दूसरा लक्ष्य है सप्लाई रिडक्शन,अर्थात तस्करी की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को ध्वस्त करना। तीसरा लक्ष्य है हार्म रिडक्शन एवं पुनर्वास,अर्थात नशे के शिकार व्यक्तियों को अपराधी नहीं बल्कि उपचार और पुनर्वास के पात्र नागरिक मानते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना। यही संतुलित दृष्टिकोण आधुनिक वैश्विक ड्रग नीति का भी आधार माना जाता है। साथियों, इस विजन डॉक्यूमेंट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह केवल ड्रग्स पकड़ने की नीति नहीं है बल्कि पूरे अपराधी नेटवर्क को नष्ट करने की रणनीति प्रस्तुत करता है। पहले जहां कार्रवाई का मुख्य केंद्र ड्रग्स की बरामदगी और छोटे तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित रहता था, वहीं अब लक्ष्य पूरे अंतरराष्ट्रीय कार्टेल, उनके वित्तीय स्रोत, हवाला नेटवर्क, मनी लॉन्ड्रिंग चैनल, डार्कनेट प्लेटफॉर्म और विदेशी संचालकों तक पहुंचना है। यह नेटवर्क-आधारित प्रवर्तन भारत की जांच प्रणाली को अधिक प्रभावी बना सकता है।बीते कुछ वर्षों में ड्रग्स तस्करी का स्वरूप तेजी से बदला है। अफीम, चरस और गांजा जैसे पारंपरिक मादक पदार्थों के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स जैसे मेथमफेटामाइन, एमडीएमए और अन्य रासायनिक नशीले पदार्थ,तेजी से फैल रहे हैं। इनकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इन्हें छोटे-छोटे गुप्त प्रयोगशालाओं में तैयार किया जा सकता है, इन्हें छिपाना अपेक्षाकृत आसान होता है और इनका अंतरराष्ट्रीय व्यापार डिजिटल माध्यमों से संचालित होता है। यही कारण है कि विजन डॉक्यूमेंट में सिंथेटिक ड्रग्स को विशेष खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। साथियों, डिजिटल युग ने ड्रग तस्करी को नई दिशा दी है। डार्कनेट, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और क्रिप्टोकरेंसी ने अपराधियों को ऐसी गुमनामी प्रदान की है जिससे पारंपरिक पुलिस व्यवस्था के लिए उन्हें पकड़ना कठिन हो गया है। आज कई अंतरराष्ट्रीय ड्रग सौदे बिना किसी प्रत्यक्ष संपर्क के ऑनलाइन तय होते हैं और भुगतान डिजिटल माध्यमों से होता है। भारत की नई नीति इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए साइबर फॉरेंसिक,डिजिटल निगरानी, डेटा इंटेलिजेंस और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर विशेष बल देती है। साथियों, भारत सरकार ने इस अभियान में वित्तीय कार्रवाई को भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया है।आधुनिक संगठित अपराध का सबसे बड़ा आधार उसका आर्थिक संसाधन होता है। यदि तस्करों की संपत्ति, बैंक खाते, हवाला नेटवर्क और निवेश जब्त कर दिए जाएं तो उनका अपराध लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इसी सोच के तहत संबंधित कानूनों के माध्यम से अवैध संपत्तियों की कुर्की, मनी लॉन्ड्रिंग की जांच तथा आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करने की रणनीति को मजबूत किया जा रहा है।राज्यों में गठित एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स इस अभियान की जमीनी शक्ति होगी। प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में यह टास्क फोर्स नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी। इसका उद्देश्य केवल पुलिस कार्रवाई करना नहीं बल्कि विभिन्न विभागों, खुफिया एजेंसियों, सीमा सुरक्षा बलों, राजस्व विभाग और अन्य संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करना है। इससे सूचना साझा करने और संयुक्त कार्रवाई की क्षमता बढ़ने की संभावना है। साथियों नाकॉर्ड की चार-स्तरीय संरचना,राष्ट्रीय, राज्य, जिला और उप-जिला स्तर,भारत जैसे विशाल और संघीय देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ड्रग्स नेटवर्क स्थानीय स्तर पर सक्रिय होते हैं लेकिन उनके तार अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़े हो सकते हैं। इसलिए स्थानीय पुलिस से लेकर केंद्रीय एजेंसियों तक एकीकृत समन्वय ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान प्रदान कर सकता है।बैठक के दौरान देशभर में लगभग 2,09,500 किलोग्राम अवैध नशीले पदार्थों का विनाश किया गया जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 6,000 करोड़ रूपए बताई गई। यह केवल प्रतीकात्मक कार्रवाई नहीं बल्कि यह संदेश है कि जब्त किए गए मादक पदार्थ पुन: अवैध बाजार में नहीं लौटेंगे। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वित कार्रवाई के परिणाम अब अधिक व्यापक रूप में सामने आ रहे हैं। भारत सरकार ने जम्मू और गुवाहाटी में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के नए क्षेत्रीय कार्यालय प्रारंभ कर सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी संस्थागत क्षमता भी मजबूत की है। भारत की पश्चिमी और पूर्वोत्तर सीमाएं लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स मार्गों से प्रभावित रही हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में संस्थागत उपस्थिति बढ़ाना रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। साथियों, इस पूरी नीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू होल - ऑफ-गवर्नमेंट एप्रोच है। इसका अर्थ है कि ड्रग्स के विरुद्ध संघर्ष केवल गृह मंत्रालय या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं रहेगा बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, वित्त, सीमा प्रबंधन, विदेश नीति, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अन्य मंत्रालयों सहित पूरे शासन तंत्र की साझा जिम्मेदारी होगी। जब 44 केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और विभिन्न एजेंसियां एक साझा लक्ष्य के साथ कार्य करेंगी, तभी व्यापक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल दमनात्मक कार्रवाई से नहीं जीती जा सकती। यदि समाज में जागरूकता, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में नशा विरोधी अभियान,परिवारों की सहभागिता मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पुनर्वास केंद्रों की प्रभावशीलता नहीं बढ़ेगी तो केवल गिरफ्तारी से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। इसलिए विजन डॉक्यूमेंट में मांग कम करने और पुनर्वास को समान महत्व दिया गया है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ड्रग्स के विरुद्ध संघर्ष में सहयोग अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि ड्रग्स उत्पादन, तस्करी, वित्तपोषण और वितरण अक्सर कई देशों में फैला होता है। इसलिए प्रत्यर्पण,साझाखुफिया जानकारी, सीमा-पार जांच और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग भारत की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है।हालांकि किसी भी विजन डॉक्यूमेंट की सफलता उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। यदि राज्यों के बीच समन्वय मजबूत नहीं होगा,जांच समयबद्ध नहीं होगी, न्यायालयों में मामलों का शीघ्र निपटारा नहीं होगा और पुनर्वास व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, तो लक्ष्य प्राप्त करना कठिन हो सकता है। इसलिए आने वाले तीन वर्षों में वास्तविक परीक्षा केवल नीति की नहीं बल्कि उसके प्रभावी कार्यान्वयन की होगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 भारत की एंटी-ड्रग नीति में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव का संकेत देता है। यह स्पष्ट करता है कि देश अब केवल ड्रग्स की बरामदगी तक सीमित नहीं रहना चाहता,बल्कि पूरे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, उसके वित्तीय स्रोतों, डिजिटल तंत्र और अपराधी संरचना को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गुजरात पुलिस की बड़ी कामयाबी अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी पर करारा प्रहार युवाओं के भविष्य को बचाने का मजबूत संकल्प

-कांतिलाल मांडोत

नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर देता है। जब किसी देश का युवा वर्ग मादक पदार्थों की गिरफ्त में आने लगता है तो उसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता बल्कि शिक्षा, परिवार, सामाजिक व्यवस्था, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है। यही कारण है कि पूरी दुनिया में मादक पदार्थों की तस्करी को सबसे गंभीर संगठित अपराधों में गिना जाता है। भारत भी लंबे समय से इस चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे समय में गुजरात पुलिस, डीआरआई और आरपीएफ द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर करोड़ों रुपए की कोकीन और प्रतिबंधित ट्रामाडोल टैबलेट की खेप पकड़ना केवल एक पुलिस कार्रवाई नहीं बल्कि देश के युवाओं और समाज को सुरक्षित रखने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। सूरत रेलवे स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस से लगभग दो किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद होना इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट लगातार नए रास्तों और नए माध्यमों से भारत में अपनी जड़ें मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। यह कोकीन मुंबई के हाई प्रोफाइल क्लबों और रेव पार्टियों तक पहुंचाई जानी थी जहां इसका इस्तेमाल युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने के लिए किया जाता। यदि यह खेप अपने गंतव्य तक पहुंच जाती तो न केवल करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार होता बल्कि अनेक युवाओं का जीवन भी बर्बाद हो सकता था। समय रहते की गई कार्रवाई ने इस पूरे नेटवर्क की एक महत्वपूर्ण कड़ी को तोड़ दिया। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि डीआरआई और आरपीएफ ने पूरी गोपनीयता और सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त ऑपरेशन को सफल बनाया। ट्रेन के सूरत पहुंचते ही टीम ने बिना किसी हड़बड़ी के आरोपी को हिरासत में लिया और उसके ट्रॉली बैग से छिपाकर रखे गए कोकीन के पैकेट बरामद किए। यह दर्शाता है कि सुरक्षा एजेंसियां केवल सतर्क ही नहीं बल्कि आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र के माध्यम से संगठित अपराधों पर प्रभावी निगरानी भी रख रही हैं। पूछताछ में सामने आया कि इस तस्करी के तार विदेशी ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े हुए हैं और एक नाइजीरियाई नागरिक के माध्यम से पूरे नेटवर्क का संचालन किया जा रहा था। इससे स्पष्ट होता है कि मादक पदार्थों की तस्करी अब केवल स्थानीय अपराध नहीं रह गई है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट का हिस्सा बन चुकी है। ऐसे गिरोह युवाओं की कमजोरी और नशे की बढ़ती मांग का फायदा उठाकर करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार करते हैं। इनका उद्देश्य केवल पैसा कमाना नहीं बल्कि समाज में अपराध और अस्थिरता फैलाना भी होता है। इसी प्रकार गुजरात एटीएस द्वारा आठ करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित ट्रामाडोल टैबलेट जब्त करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ट्रामाडोल एक नियंत्रित दवा है जिसका उपयोग चिकित्सकीय आवश्यकता में सीमित मात्रा में किया जाता है लेकिन इसकी अवैध तस्करी इसे नशे के रूप में इस्तेमाल करने वालों तक पहुंचाती है। लाखों प्रतिबंधित गोलियों की बरामदगी से यह स्पष्ट हो गया कि अपराधी सामान्य दवाओं की आड़ लेकर बड़े पैमाने पर अवैध कारोबार चला रहे थे। यदि यह खेप बाजार तक पहुंच जाती तो हजारों युवाओं के जीवन पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते थे। गुजरात पुलिस और एटीएस ने जिस प्रकार सूचना एकत्र की आरोपी पर लगातार नजर रखी बस को ट्रैक किया और दूसरे राज्य तक पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया वह पेशेवर जांच और मजबूत समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे यह संदेश भी गया है कि अपराधी चाहे किसी भी राज्य में छिप जाएं कानून की पहुंच से बच नहीं सकते। आज ड्रग्स की तस्करी केवल कानून व्यवस्था की समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौती भी बन चुकी है। अनेक अंतरराष्ट्रीय अपराधी संगठन नशे के कारोबार से प्राप्त धन का उपयोग अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में भी करते हैं। इसलिए जब सुरक्षा एजेंसियां ऐसी खेप पकड़ती हैं तो वे केवल नशीले पदार्थ जब्त नहीं करतीं बल्कि अपराध की पूरी आर्थिक श्रृंखला को भी कमजोर करती हैं। यह देश की सुरक्षा और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। युवाओं को नशे की ओर धकेलने की सबसे बड़ी कोशिश आधुनिक जीवन शैली के नाम पर आयोजित होने वाली कुछ रेव पार्टियों और हाई प्रोफाइल क्लबों के माध्यम से भी होती है जहां नशे को फैशन और स्टेटस सिंबल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। धीरे धीरे यह आदत लत में बदल जाती है और फिर व्यक्ति अपराध आर्थिक बर्बादी मानसिक तनाव और पारिवारिक विघटन का शिकार हो जाता है। इसलिए ऐसी पार्टियों और इनके पीछे सक्रिय ड्रग्स नेटवर्क पर कठोर कार्रवाई समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान को तभी वास्तविक सफलता मिलेगी जब पुलिस प्रशासन समाज शिक्षण संस्थानों अभिभावकों और युवाओं के बीच मजबूत साझेदारी बने। केवल गिरफ्तारी से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है बल्कि जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। युवाओं को यह समझाना होगा कि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं बल्कि जीवन की सबसे बड़ी बर्बादी का रास्ता है। गुजरात लंबे समय से तटीय राज्य होने के कारण तस्करों के निशाने पर रहा है लेकिन राज्य की सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त कर यह साबित किया है कि उनके सामने अपराधियों की कोई चाल सफल नहीं होगी। हाल के वर्षों में करोड़ों रुपए के नशीले पदार्थों की बरामदगी यह दर्शाती है कि पुलिस का खुफिया तंत्र लगातार मजबूत हुआ है और अंतरराज्यीय तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। यह सफलता उन सभी अधिकारियों और जवानों के समर्पण का परिणाम है जिन्होंने दिन रात मेहनत कर इस पूरे अभियान को अंजाम दिया।

उनकी सतर्कता और साहस ने न केवल करोड़ों रुपए के अवैध कारोबार को रोका बल्कि हजारों युवाओं को नशे के दलदल में फंसने से भी बचाया। समाज को भी ऐसे अभियानों में पुलिस का सहयोग करना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देनी चाहिए। नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। जब तक युवा जागरूक नहीं होंगे परिवार सतर्क नहीं होंगे और समाज नशे के प्रति शून्य सहिष्णुता का दृष्टिकोण नहीं अपनाएगा तब तक इस समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं होगा। गुजरात पुलिस डीआरआई आरपीएफ और एटीएस की यह बड़ी सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि मजबूत इच्छाशक्ति आधुनिक जांच प्रणाली और प्रभावी समन्वय के साथ कार्रवाई की जाए तो अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के सबसे बड़े षड्यंत्र भी विफल किए जा सकते हैं। यह अभियान केवल करोड़ों रुपए की कोकीन और प्रतिबंधित दवाओं की बरामदगी की कहानी नहीं बल्कि भारत के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की रक्षा करने और अपराधियों को स्पष्ट संदेश देने वाली ऐतिहासिक सफलता है।

संतुलित कूटनीति से उभरता भारत का वैश्विक नेतृत्व

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित, स्वतंत्र और दूरदर्शी सोच रही है। विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य, महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय संघर्षों और वैश्विक अस्थिरताओं के दौर में भारत ने जिस परिपक्वता और विवेक का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व मंच पर एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन के उपरांत उनके अंतिम संस्कार में भारत की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने का निर्णय भी इसी संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति का परिचायक है। यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, सभ्यतागत एवं रणनीतिक संबंधों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा तथा बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का तेहरान जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भी देखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे, किंतु भारत की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने यह संदेश अवश्य दिया कि भारत अपने मित्र देशों के सुख-दु:ख में सहभागी बनने की परंपरा का निर्वाह करता है।

वास्तव में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की रही है। आज भारत के अमेरिका, रूस, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोप, जापान और आसियान देशों के साथ मजबूत रणनीतिक एवं आर्थिक संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान के साथ भी उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ अत्यधिक निकटता दूसरे पक्ष के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। किंतु भारत ने सदैव यह सिद्ध किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करता है। ईरान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया भी अत्यंत संतुलित रही। भारत ने ईरानी दूतावास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की, किंतु किसी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप में स्वयं को शामिल नहीं किया। भारत ने न तो अमेरिका की आलोचना की और न ही इजरायल के विरुद्ध कोई आक्रामक टिप्पणी की। यह वही कूटनीतिक परिपक्वता है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति में एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' रहा है। इसी कारण भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। साथ ही भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत बनाए रखा। यह संतुलन साधना आसान नहीं था, किंतु भारत ने इसे सफलतापूर्वक निभाया। यही कारण है कि आज भारत को किसी गुट विशेष का सदस्य नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैशिक शक्ति के रूप में देखा जाता है। भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई, साहित्यिक और व्यापारिक संबंधों का समृद्ध इतिहास रहा है। फारसी भाषा और संस्कृति का भारतीय सभ्यता पर गहरा प्रभाव रहा है। मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान निरंतर चलता रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ईरान भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारत लंबे समय तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति ईरान से करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत को कुछ समय के लिए ईरान से तेल आयात रोकना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के संबंधों में कोई स्थायी कटुता नहीं आई।

चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत और ईरान के रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह परियोजना भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करती है तथा पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराती है। ऐसे समय में जब चीन 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, चाबहार भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग विकसित किया है। इजरायल के साथ कृषि, रक्षा और नवाचार के क्षेत्र में नई साझेदारियां स्थापित हुई हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भारत के आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। रूस के साथ परंपरागत मित्रता को भी भारत ने मजबूती प्रदान की है। यही नहीं, यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भी भारत ने अपने संबंधों को नई दिशा दी है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस कुशलता और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया, उसने विश्व समुदाय को प्रभावित किया। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को मुखर किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की भूमिका ऐतिहासिक रही। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत केवल अपने हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसकी पड़ोसी नीति भी है। भारत ने सदैव 'पड़ोसी प्रथम' की नीति को अपनाया है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन आने के बाद भी भारत ने वहां की जनता को मानवीय सहायता उपलब्ध कराई। भारत ने अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर यह संदेश दिया कि उसका संबंध केवल सरकारों से नहीं, बल्कि वहां की जनता से भी है। कोविड-19 महामारी के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराए। श्रीलंका जब आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने उसे खाद्यान्न, ईंधन, दवाइयां और आर्थिक सहायता प्रदान की। नेपाल, भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को भी भारत ने समय-समय पर हरसंभव सहयोग दिया है। यही कारण है कि भारत आज क्षेत्रीय स्थिरता और विकास का प्रमुख आधार बनकर उभरा है।

इसके विपरीत, पाकिस्तान लंबे समय से भारत विरोधी दुष्प्रचार और षड्यंत्रों की नीति अपनाता रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावों तथा हिंसक घटनाओं के लिए भी पाकिस्तान समय-समय पर भारत को दोषी ठहराने का प्रयास करता रहा है। यह उसकी पुरानी रणनीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वह अपने आंतरिक संकटों और असफलताओं से ध्यान हटाना चाहता है। वास्तविकता यह है कि भारत ने सदैव क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास का समर्थन किया है। भारत ने कभी भी किसी पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की नीति नहीं अपनाई। इसके विपरीत, उसने मानवीय सहायता, विकास परियोजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को ब ?ावा देने का प्रयास किया है। पाकिस्तान के निराधार आरोपों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत को एक जिम्मेदार और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में देखता है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की स्पष्ट नीति और शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ने उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। यही कारण है कि आज विश्व के अधिकांश देश भारत को स्थिरता, विकास और सहयोग के एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्वीकार कर रहे हैं।

आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति, जनसांख्यिकीय क्षमता और कूटनीतिक सक्रियता ने भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में ला खड़ा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सक्रिय विदेश यात्राओं और विश्व नेताओं के साथ निरंतर संवाद ने भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुदृढ़ किया है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह शक्ति और संवेदना, दोनों को साथ लेकर चल रहा है। वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए मानवता, सहयोग और वैशिक कल्याण की भावना को भी महत्व देता है। ईरान के साथ संबंधों को संतुलित ढंग से आगे बढ़ाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। आज की जटिल विश्व व्यवस्था में वही राष्ट्र सफल हो सकता है, जो संवाद, संतुलन, सह-अस्तित्व और दूरदर्शिता का परिचय दे। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि विश्व शांति, स्थिरता और सहयोग का भी एक विश्वसनीय वाहक बन सकता है। निस्संदेह भारत की संतुलित विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए कूटनीतिक प्रयास आने वाले वर्षों में भारत को एक सशक्त, प्रभावशाली और नैतिक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

-ललित गर्ग

1 जुलाई से वीबी-जी राम जी कानून लागू, अब 125 दिन मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। एजेंसी। 1 जुलाई से पूरे देश में वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू हो गया है, जिसके तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। सरकार ने रोजगार के दिनों में 25 दिन की बढ़ोतरी के साथ मजदूरी दर भी बढ़ाई है। नए नियम के मुताबिक अब किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 रुपए से कम नहीं होगी और औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है। ये कदम विकसित भारत के तहत केंद्र सरकार के द्वारा उठाया गया है। इससे लाखों ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ने के साथ-साथ असमानता भी कम होगी। सरकार द्वारा दी कई जानकारी के मुताबिक पूरे देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ये मजदूरी बढ़ोतरी की गई है। पहले कई जगहों पर 241 रुपए ही मजदूरी मिलती थी, लेकिन अब हर जगह 300 रुपए तक की मजदूरी दी जाएगी। ये इंटरिम बेस रेट लागू किया गया है। साथ ही नेशनल ऐवरेज मजदूरी पहले 298.8 रुपए प्रतिदिन थी जोकि बढ़कर अब 327.4 रुपए हो गई है यानी ऐवरेज देखें तो 28.6 रुपए की बढ़त की गई है। यह बड़ा बदलाव मनरेगा से वीबी-जी राम जी कानून में आने के बाद हुआ है। इससे ग्रामीण मजदूरों की इनकम को सुरक्षा, मजबूती और पुराने नियम जिनसे मजदूरों को फायदा नहीं मिलता था, वह परेशानी भी दूर होगी। रिपोर्ट के मुताबिक कई राज्य जहां पर कम मजदूरी दी जाती थी, उन्हें नियम में बदलाव होने से बड़ा फायदा होगा। यह राज्य हैं उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश में 15 से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में करीब 24.5 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है जोकि सबसे ज्यादा है। वहीं, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। गोवा में 406 रुपए, हरियाणा में 409 रुपए की बढ़त और केरल में 401 रुपए की बढ़त की गई है। सिक्किम में हाई एल्टीट्यूड वाले इलाकों में 450 रुपए तक की मजदूरी तय की गई है। चार जगहों पर 400 रुपए की दरें लागू हुई हैं। नई मजदूरी दरें तय करते समय सरकार ने महंगाई और मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखा है। इसका मकसद सभी राज्यों के मजदूरों को बेहतर और ज्यादा समान मजदूरी सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें अपने काम का सही भुगतान मिल सके। सरकार के मुताबिक 125 दिन की रोजगार गारंटी और बढ़ी हुई मजदूरी से ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ेगी और गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, रोजगार के ज्यादा मौके बनेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में भी तेजी आने की उम्मीद है।

एएमएफआई की नई कंपनियों की सूची जल्द हो सकती है जारी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए अहम मानी जाने वाली एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की नई लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों की सूची जल्द जारी हो सकती है। 30 जून को श्रेणी निर्धारण की कट-ऑफ तिथि पूरी होने के बाद अब बाजार की निगाहें नई सूची हैं। इस सूची के आधार पर म्यूचुअल फंड हाउस अपनी निवेश रणनीति तैयार करते हैं और कई फंड मैनेजर पोर्टफोलियो में जरुरी बदलाव करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि नई कैटेगरी एक अगस्त 2026 से प्रभावी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी कंपनी का लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप श्रेणी में शामिल होना या उससे बाहर होना इस बात की गारंटी नहीं है कि उसमें तुरंत निवेश बढ़ जाएगा या बिकवाली शुरू हो जाएगी। फिर भी फंड मैनेजर निवेश संबंधी फैसलों में इस सूची को अ हम आधार मानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसई, वोडाफोन आइडिया, हिताची एनर्जी इंडिया, जिंदल स्टील, इंडियन बैंक, इंडस टावर्स, बिलियनब्रेन्स गैरेज वेंचर्स, बीएचईएल और वेदांता एल्युमिनियम के लार्जकैप श्रेणी में शामिल होने की संभावना है। दूसरी ओर लोढ़ा डेवलपर्स, इंडियन होटल्स, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, मैक्स हेल्थकेयर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, हीरो मोटोकॉर्प, सीमेंस एनर्जी इंडिया और बॉश के लार्जकैप से मिडकैप श्रेणी में आने का अनुमान लगाया है। मिडकैप श्रेणी में हिंदुस्तान कॉपर, एनएलसी इंडिया, एआईए इंजीनियरिंग, अजंता फार्मा, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसीजन फोर्जिंग्स, नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल और डेल्हीवरी को जगह मिल सकती है। वहीं केनेस टेक्नोलॉजी, एसजेवीएन, चोलामंडलम फाइनेंशियल होल्डिंग्स, फिजिक्सवाला, ग्लोबल हेल्थ, क्रिसिल, जुबिलेंट फूडवर्क्स, केपीआर मिल और हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज के मिडकैप से स्मॉलकैप में जाने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में भारत कोकिंग कोल, वेदांता पावर, फ्रैक्टल एनालिटिक्स, सेंट्रल माइन प्लानिंग, वेदांता ऑयल एंड गैस, क्लीन मैक्स एनवायरो, वेदांता आयरन एंड स्टील, शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज, सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स, अमागी मीडिया लैब्स, क्वालिटी वॉल्स, पावरिका, सीएमआर ग्रीन टेक, वनईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस, टर्टलमिंट फिनटेक, एआई फाइनेंस, साई पैरेंट्रल, जीएसपी क्रॉप साइंस, पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी, राजपूताना स्टेनलेस, हेक्सागन न्यूट्रिशन, ओम पावर ट्रांसमिशन और श्री राम ट्विस्ट सहित कई कंपनियों के स्मॉलकैप श्रेणी में शामिल होने का अनुमान भी लगाया गया है। मार्केट कैप सीमा में भी मामूली बदलाव की संभावना है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट

मुम्बई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 67 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 95.23 पर बंद हुआ। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बढ़ती अनिश्चितता और घरेलू मोर्चे पर चुनौतियों का स्पष्ट संकेत दे रही है, जिसका सीधा असर देश की आयात लागत और महंगाई दर पर पड़ने की आशंका है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने रुपये की इस तेज गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारकों का हवाला दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना एक बड़ा कारण रहा है, क्योंकि वैश्विक निवेशक अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। इसके साथ ही, भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी रुपये पर भारी दबाव डाला है। विदेशी संस्थागत निवेशक लाभ बुकिंग और वैश्विक जोखिमों के चलते भारतीय इक्विटी और ऋण बाजारों से अपना निवेश निकाल रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ रही है और रुपया कमजोर हो रहा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर में मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443.97 अंक बढ़कर 76,922.64 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.10 अंक बढ़कर 24,005.85 पर बंद हुआ। आज रियल्टी, एफएमसीजी और मीडिया शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी रही जिससे भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान करीब 158 शेयरों में तेजी रही जबकि 1935 शेयरों में गिरावट आई। वहीं 165 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, एचयूएल और एशियन पेंट्स शामिल थे जबकि सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील का स्टॉक

शामिल है। बाजार में अगर सेक्टर के हिसाब से देखें तो रियल्टी इंडेक्स में 3 बढ़त देखने को मिली। वहीं एफएमसीजी और मीडिया इंडेक्स में 2-2 फीसदी की बढ़त रही। ऑटो और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 1-1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। आईटी इंडेक्स में 2 फीसदी की गिरावट आई, मेटल इंडेक्स 1फीसदी और फार्मा इंडेक्स में 0.5फीसदी की गिरावट रही।इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ शुरु हुआ। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 129.93 अंक उछलकर 76,608.60 पर कामकाज करता दिखा जबकि निफ्टी 46.40 अंक बढ़कर 23,912.15 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला रुख रहा। जापान का निक्केई 225 करीब 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.31 फीसदी तक नीचे आया। आज जापान की मुद्रा येन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 40 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। वहीं निवेशकों की नजरे अब अमेरिकी रोजगार आंकड़ों पर है। इसके आधार पर ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली मौद्रिक नीति को लेकर संकेत मिल सकते हैं।

1 जुलाई से कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो कार खरीदना हुआ महंगा

नई दिल्ली। एजेंसी। 1 जुलाई यानी बुधवार से देश में आम आदमी की जेब, रसोई और सफर से जुड़े 6 बड़े नियम बदल गए हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो पासपोर्ट बनवाना महंगा हो गया है। ट्रेन में बिना टिकट सफर करने पर दोगुना जुर्माना लगेगा। तेल कंपनियों ने 1 जुलाई से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में औसतन 180 तक की बड़ी कटौती कर दी है। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में अब नया दाम 2930.00 हो गया है जो पहले 3113.50 था यानी 183.50 रुपए की कमी आई है। कोलकाता में नई कीमत 3081.50 है जो पहले 3255.50 थी यानी 174 रुपए की कमी, मुंबई में पुराना दाम 3067.50 था जो अब घटकर 2885.50 रुपए रह गया है यानी 182.00 की कमी और चेन्नई में पहले इसकी कीमत 3283.00 थी जो अब कम होकर 3106 रुपए हो गई है यानी 177 की कमी। इसके घटने से रेस्टोरेंट, होटल और शादियों में कैटरिंग का खर्च कम होगा, जिससे आम जनता के लिए भी बाहर खाना और नाश्ता सस्ता हो सकता है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च घटेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली सस्ते कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी सस्ती हो सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को देखते हुए 11 जून को एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की जो सीमा लगाई थी, उसे अब उसे खत्म कर दिया गया है। वहीं अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है।

जून में जीएसटी संग्रह ने छुआ नया रिकॉर्ड, 1.95 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। एजेंसी। जून 2026 में देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.95 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर को छू गया है। बुधवार 1 जुलाई को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा बीते साल इसी महीने की तुलना में 13.9 प्रतिशत अधिक है। पिछली बार जून 2025 में यह संग्रह 1.71 लाख करोड़ रुपये था, जिससे मौजूदा वृद्धि वित्तीय स्थिरता में सकारात्मक रुझान का संकेत देती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू लेनदेन से प्राप्त सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से राजस्व में 34.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई, जो 60,038 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सिर्फ सकल राजस्व ही नहीं, बल्कि रिफंड चुकाने के बाद केंद्र सरकार की शुद्ध कमाई भी शानदार रही है। शुद्ध आधार पर, भारत सरकार के खाते में 1,62,377 करोड़ रुपये आए हैं, जो बीते साल के मुकाबले 11.2 प्रतिशत ज्यादा है। इस महीने कुल 32,436 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो पिछले साल के 25,121 करोड़ रुपये की तुलना में 29.1 फीसदी अधिक है। वहीं जीएसटी टैक्स के अलग-अलग हिस्सों में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 8 फीसदी बढ़कर 37,376 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 45,116 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू लेनदेन से होने वाला इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) भी 7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं राज्यों के जीएसटी कलेक्शन में महाराष्ट्र ने फिर अपना दबदबा कायम रखा, जिसका संग्रह 9 प्रतिशत बढ़कर 30,714 करोड़ रुपये हो गया। वृद्धि दर के मामले में उत्तर प्रदेश 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सबसे आगे रहा और कुल संग्रह 9,165 करोड़ रुपये दर्ज किया। गुजरात (12 प्रतिशत बढ़कर 11,743 करोड़), कर्नाटक (10 प्रतिशत बढ़कर 12,937 करोड़) और हरियाणा (9 प्रतिशत बढ़कर 10,065 करोड़) जैसे प्रमुख राज्यों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

मेष- आज का दिन आपके लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है। भाग्य आपके पक्ष में खड़ा दिखाई दे रहा है और किसी नई जिम्मेदारी या पद की प्राप्ति आपके आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। व्यापार में छोटी-छोटी सफलताएं भी बड़े लाभ का रूप ले सकती हैं। विद्यार्थियों को आज अपने लक्ष्य पर पूरी तरह केंद्रित रहना होगा, क्योंकि उनकी मेहनत ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

वृषभ- आज आपके व्यक्तित्व का आकर्षण लोगों को सहज ही अपनी ओर खींच सकता है। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार आपको सामाजिक क्षेत्र में सम्मान दिला सकते हैं। प्रतिस्पर्धा की भावना आज आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। किसी लंबी यात्रा की योजना बन सकती है, जो आपके लिए नए अनुभव और अवसर लेकर आएगी। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा से जुड़े शुभ संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन- आज का दिन आपको धैर्य और विवेक का महत्व समझाएगा। जल्दबाजी में लिया गया कोई निर्णय बाद में परेशानी का कारण बन सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं। कारोबार में जोखिम उठाने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना जरूरी रहेगा। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं का लाभ मिलने की संभावना है। यदि कामकाज में कोई रुकावट चल रही थी, तो अब उसमें धीरे-धीरे सुधार दिखाई देगा।

कर्क- आज आपके भीतर नेतृत्व करने की क्षमता पहले से अधिक मजबूत दिखाई देगी। कार्यक्षेत्र में टीम के साथ मिलकर किए गए प्रयास शानदार परिणाम दे सकते हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। छोटे बच्चों की मुस्कान आपके दिन को और भी सुंदर बना सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और धन लाभ से मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह- आज सफलता आपकी ओर तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। नौकरीपेशा लोगों को अपने मनपसंद कार्य में अवसर मिल सकता है और उनकी मेहनत रंग ला सकती है। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। विरोधियों की बातों में आने से बचें और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें।

कन्या- आज का दिन आपकी किसी पुरानी इच्छा को पूरा कर सकता है। प्रेम, सहयोग और अपनापन आपके व्यवहार में झलकेगा, जिससे रिश्ते और मजबूत होंगे। परिवार में किसी शुभ कार्य की तैयारियां शुरू हो सकती हैं और घर का माहौल उत्साह से भर सकता है। कोई पुराना लेन-देन निपटाने की स्थिति भी बन सकती है, इसलिए आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। मनोकामना पूरी होने से आपका आत्मविश्वास और खुशी दोनों बढ़ेंगे।

तुला- आज करियर और आर्थिक मामलों में राहत भरे संकेत मिल रहे हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने से मन का बोझ हल्का हो सकता है। आपकी कोई महत्वपूर्ण इच्छा भी पूरी होती दिखाई दे रही है। कार्यों को प्राथमिकता के अनुसार व्यवस्थित करना आपको सफलता की ओर ले जाएगा।

वृश्चिक- आज आपके आसपास सकारात्मकता का वातावरण बना रहेगा। आप लोगों को साथ लेकर चलने में सफल रहेंगे और सहयोगियों का साथ भी समय पर मिलेगा। हालांकि किसी की सलाह पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि कोई पुरानी समस्या दोबारा ध्यान मांग सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए तरक्की और नई जिम्मेदारियों का संकेत लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपकी पहचान और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। आय में वृद्धि के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। हालांकि किसी मित्र की वजह से थोड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है, इसलिए सतर्क रहें। किसी बड़े कार्य की शुरुआत करने का विचार मन में आ सकता है और भाई-बहनों की सलाह आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

मकर- आज रचनात्मकता और आत्मविश्वास आपके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान बन सकते हैं। आप किसी जरूरतमंद की सहायता कर मन को संतोष का अनुभव करेंगे। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान और प्रशंसा मिल सकती है। अतीत की गलतियों से मिली सीख आज आपको बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगी।

कुंभ- आज आपको आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी। खर्चों पर नियंत्रण रखना और किसी अनजान व्यक्ति की सलाह पर निवेश करने से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है, जो आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है।

मीन- आज का दिन उपलब्धियों और सम्मान का संदेश लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई महत्वपूर्ण अवसर मिल सकता है, जिससे आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा और कार्य समय पर पूरे होंगे। हालांकि अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा, क्योंकि छोटी-सी बात भी बड़ा असर छोड़ सकती है।

शब्दजाल - 8307

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल में दस 'स्वतंत्रता सेनानियों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

मंगलपांडे, भगतसिंह, तात्या टोपे, महात्मा गांधी,लक्ष्मीबाई,सुभाषचंद्र बोस,अशफाक, चन्द्रशेखर आजाद, उधमसिंह,सरदार पटेल

शब्दजाल - 8306 का हल

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा
न	ल	क	प	इं	डे	श	शि	या	इ	मो
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.26 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	08.42 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.54 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.05 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.19 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.35 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.40 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.27 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.00 बजे से
राहुकाल		मेष	00.30 बजे से
1.30 से 3.00		वृष	02.10 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.08 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 183 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 09.38 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 09.28 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 16.40 बजे को समाप्त।
करण गर 09.38 बजे तदनन्तर वणिज 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872758
जूलियन दिन 2461223.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: ममता का खिंचाव

नेपोलियन बोनापार्ट के आदेशानुसार फ्रांसीसी तट पर सभी अंग्रेजी जहाजों को पकड़ रखा था. उन्हीं में १७ वर्ष का एक नाविक लेनार्ड भी था. दूसरे दिन इंग्लैण्ड से आया एक और लड़का पकड़ा गया. जब उसे लेनार्ड वाले कटघरे में बंद किया गया तब उसने एक पत्र लेनार्ड को दिया जिसमें लिखा था-'मां बहुत बीमार है. शायद ही बच सकेगी. उसकी आखरी तमन्ना लेनार्ड को देखने की है.' लेनार्ड तड़प उठा. उसी रात वह जेल की सींखचे चौड़े कर भाग निकला पर थोड़ी दूर जा पाया था कि पकड़ा गया. अबकी बार उसके साथ और सख्ती की गई. पांवों में बेड़ियां डाल दी गईं. लेनार्ड को अपनी मां की याद बहुत सताने लगी. उसने इस बार भी अथक परिश्रम करके धीरे-धीरे बेड़ियां काट डालीं. वह फिर भागा और फिर पकड़ा गया. हिम्मत करके लेनार्ड तीसरे बार भी भागा, पर दुर्भाग्यवश पकड़ा गया. अगले ही दिन दौरे पर नेपोलियन आया. जेल अधिकारी ने नेपोलियन से लेनार्ड के भागने का जिक्र किया. नेपोलियन में उत्सुकता जागी. लेनार्ड को पेश किया गया. नेपोलियन ने पूछा-लड़के ऐसी कौन-सी वजह है, जो तुझे बार-बार भागने की हिम्मत बंधाती है....?' लेनार्ड आंखों में आंसू भरकर बोला, 'श्रीमान! मेरी मां मर रही है, मरने से पहले वह मुझे देखना चाहती है...... .'नेपोलियन ने अपनी जेब से सोने का सिक्का निकाल कर लेनार्ड को दिया और फिर जेल के अफसर से बोला-'इसे जाने दो, इसको मां की ममता खींच रही है, मेरे जैसे सौ नेपोलियन भी इसे रोक नहीं पाएंगे.'

फिल्म वर्ग पहेली- 7251

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगू' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7250

य	हू	दी		अ	नु	रा	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		श्रा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7560

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7559 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 8775

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8774 का हल

अ	प	ना	प	न		प	क	ना
रा	ल		त		ख	स	म	
ज		का	न	न			जो	श
क	ह	र		क	र	ता	र	
ता		ग		छे		र		फ
	ब	र	ग	द		ता	मी	र
द	गा			न	ज	र		मा
	ब	त	न		ह		पा	ई
फ	त	ह		स	र	फ	रो	श

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बैंक के सामने सड़कों पर की जा रही पार्किंग

पार्किंग स्थल पर व्यवसायिक प्रतिष्ठान खड़े कर कमाया जा रहा मोटा किराया

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी भिलाई मार्ग पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा लांजी के पार्किंग स्थल को लेकर लगातार शिकायतों का दौर प्रारंभ है। उपभोक्ताओं की बढ़ती भीड़ और सड़को पर वाहनो का जाम लगना अब आम बात हो गई है क्योंकि बैंक के सामने पार्किंग को लेकर कोई व्यवस्था नही है। सवाल यह उठता है कि वर्तमान में जिस स्थान पर एसबीआई शाखा संचालित है वह भवन पूर्ण रूप से कमर्शियल व्यवसायिक उपयोग में नजर आता है। सबसे महत्वपूर्ण भारतीय स्टेट बैंक लांजी शाखा संचालित है। भारतीय डाक घर संचालित है। भवन के उपरी भाग में अन्यत्र कार्यालय एवं निवास स्थित है। वहीं यह भी माना जा रहा है कि भवन की अनुमति के समय जिस स्थान पर पार्किंग दर्शाई गई है वहां भवन मालिक के द्वारा व्यवसायिक प्रतिष्ठान बनाये गये है जिनका भी मोटा किराया वसूला जाता है। सिर्फ उपभोक्ताओं के पार्किंग के लिये कोई व्यवस्था इस स्थल पर नही है।

बैंक प्रबंधन ने सूचना बोर्ड टांग कर क्या अपना पलड़ा झाड़ लिया

नगर परिषद ने बैरिकेड लगा दिए.....बैंक प्रबंधन ने सड़क किनारे एक सूचना बोर्ड टांग दिया कि वाहन रोड पर खड़े न करें' लेकिन सवाल यह है कि जब पार्किंग की व्यवस्था ही नहीं है तो वाहन आखिर खड़े कहां हों? यही वह सवाल है जो वर्षों से लांजी के नागरिक पूछ रहे हैं, मगर जवाब देने की बजाय जिम्मेदारों में मानो जिम्मेदारी से बचने की होड़ में लगी हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लांजी शाखा के सामने आज भी सड़क पार्किंग स्थल' बनी हुई है और नगर परिषद की कार्रवाई बैरिकेड, नोटिस और चालान से आगे नहीं बढ़ पा रही। लांजी-भिलाई मुख्य मार्ग पर स्थित यह बैंक नगर के सबसे व्यस्तम क्षेत्र में है। इसी मार्ग पर बस स्टैंड, विद्यालय, व्यापारिक प्रतिष्ठान और दिनभर भारी यातायात रहता है। इसके बावजूद बैंक के सामने सड़क तक फैली दोपहिया और चारपहिया वाहनों की कतारें रोज दुर्घटना को न्योता देती दिखाई देती हैं। तस्वीरें स्वयं गवाही दे रही हैं कि हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। सबसे गंभीर सवाल उस भवन को लेकर उठ रहे हैं जिसमें बैंक संचालित हो रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि भवन मालिक ने बैंक को भवन किराए पर देते समय प्रस्तुत नक्शे में पार्किंग के लिए स्थान दर्शाया था, लेकिन बाद में उसी स्थान पर एटीएम और अन्य व्यावसायिक उपयोग के लिए कमरे विकसित कर दिए गए। यदि यह तथ्य अभिलेखों से सही सिद्ध होता है तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय भी बन जाता है। गौरतलब है कि सेंट्रल बैंक और महाराष्ट्र बैंक के सामने भी पार्किंग व्यवस्था को लेकर कमोबेश ऐसी ही स्थिति बनी हुई है, लेकिन स्टेट बैंक के सामने का दृश्य सबसे अधिक चिंताजनक है क्योंकि यहां ग्राहकों की संख्या और यातायात का दबाव दोनों सबसे अधिक हैं। जानकारी अनुसार इस संबंध में समय-समय पर नगर परिषद को शिकायतें दी गईं, लेकिन परिषद ने केवल नोटिस जारी कर और चालान काटकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली। जबकि यदि सार्वजनिक भूमि या स्वीकृ त पार्किंग क्षेत्र पर अतिक्रमण हुआ है, तो नियमानुसार उसे हटाना भी संबंधित निकाय का दायित्व है। यही वह बिंदु है जिस पर नगर परिषद की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। बैंक प्रबंधन की भूमिका भी कम सवालों के घेरे में नहीं है। बैंक परिसर के बाहर लगा बोर्ड यह जरूर कहता है कि सड़क पर वाहन खड़े न करें, लेकिन ग्राहकों के लिए वैकल्पिक पार्किंग की व्यवस्था आखिर किसने करनी थी? क्या केवल सूचना बोर्ड लगा देने से बैंक की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? यदि बैंक प्रतिदिन सैकड़ों ग्राहकों को सेवा दे रहा है, तो उनके वाहनों के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना भी व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए। वहीं बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड भी केवल बैंक के प्रवेश द्वार तक सीमित दिखाई देते हैं। सड़क पर फैलती अव्यवस्था और अनियंत्रित पार्किंग को लेकर किसी प्रकार का समन्वय या व्यवस्था नजर नहीं आती।

मोटरसाइकिल चोर को ग्रामीणों ने पकड़कर वाहन सहित किया पुलिस के हवाले

पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध किया मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। थाना लांजी क्षेत्र के ग्राम लाड़सा में 30 जून की रात्रि हुई मोटरसाइकिल चोरी की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर जहां बाइक मालिक और ग्रामीण युवकों की सतर्कता से चोरी गई बाइक कुछ ही घंटों में बरामद कर ली गई तथा बाइक के साथ दो युवक भी पकड़ लिए गए, वहीं दूसरी ओर अगले दिन पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध वाहन चोरी का मामला दर्ज कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खरेंगांव मटकाटोला निवासी विलास पिता खीलचंद सहारे (26 वर्ष) के बड़े भाई के नाम से पंजीकृत मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमयू 3555 को 30 जून की रात ग्राम लाड़सा स्थित बलराम मर्सकोले के होटल के सामने खड़ा किया गया था। कुछ देर बाद लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। बाइक गायब होने की सूचना मिलते ही वाहन मालिक, उसके मित्रों तथा मटकाटोला, केरेगांव और पवारीटोला के युवकों ने तत्काल आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन शुरू कर दी। काफी तलाश के बाद बाइक केरेगांव टोले में बरामद हुई, जहां दो युवक उसके साथ मौजूद मिले। बताया जाता है कि आरोपित युवकों ने बाइक की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसका नंबर प्लेट भी निकाल दिया था। ग्रामीणों ने मौके पर दोनों युवकों का वीडियो भी बनाया तथा किसी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए तत्काल 112 डायल पर सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों युवकों तथा बरामद मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लिया। बताया जाता है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए बाइक मालिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उसी रात लगभग 12 बजे थाना लांजी पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी। हालांकि, उन्हें यह कहते हुए वापस भेज दिया गया कि सुबह आकर रिपोर्ट दर्ज कराई जाए। इसके बाद 1 जुलाई को फरियादी द्वारा थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई, लेकिन आश्चर्य की बात यह रही कि पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा वाहन चोरी का अपराध दर्ज किया, जबकि ग्रामीणों का दावा है कि चोरी के संदेह में पकड़े गए दोनों युवक, बरामद मोटरसाइकिल सहित, रात में ही पुलिस के सुपुर्द कर दिए गए थे। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है। लोगों का कहना है कि जब बाइक बरामद हो चुकी थी और संदेह के आधार पर युवक भी पुलिस के कब्जे में थे, तब अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए जाने के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। ग्रामीणों ने बाइक की बरामदगी में मटकाटोला, केरेगांव और पवारीटोला के युवकों की सक्रियता और साहस की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते सभी ने मिलकर तलाश नहीं की होती तो वाहन का पता लगाना कठिन हो सकता था।

लेडी हेल्थ विजिटर प्रमिला गौतम सेवानिवृत्त, भव्य स्वागत रैली से दी भावभीनी विदाई

परिवार, स्वास्थ्य विभाग, नगरवासियों और पूर्व सैनिक कल्याण संगठन ने किया सम्मान, नगर भ्रमण बना आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वास्थ्य विभाग में सेवा, समर्पण और ईमानदारी की मिसाल रहीं श्रीमती प्रमिला मुन्नालाल गौतम (लेडी हेल्थ विजिटर) 30 जून 2026 को 42 वर्षों की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गईं। उनकी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में 1 जुलाई को परिवारजनों, स्वास्थ्य विभाग लांजी के अधिकारियों-कर्मचारियों, नगरवासियों एवं पूर्व सैनिक कल्याण संगठन द्वारा भव्य सम्मान समारोह एवं स्वागत रैली का आयोजन किया गया। नगर भ्रमण के दौरान अनेक स्थानों पर उनका पुष्पवर्षा और माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया। श्रीमती गौतम ने 12 मार्च 1984 को स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं प्रारंभ की थीं। चार दशक से अधिक के सेवाकाल में उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार कल्याण तथा जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में उल्लेखनीय योगदान दिया। वे अपनी कार्यकुशलता, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशील कार्यशैली के लिए पूरे विभाग में सम्मानित रहीं। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली को नई मजबूती मिली। सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कहा कि श्रीमती प्रमिला गौतम ने अपने पूरे सेवाकाल में जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अपने उत्कृष्ट कार्यों से विभाग की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने कभी अपने कर्तव्यों से समझौता नहीं किया और अपने सरल, सौम्य एवं सहयोगी स्वभाव से सहकर्मियों और आमजन के बीच विशेष पहचान बनाई। नई पीढ़ी के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए उनका सेवाभाव और कार्यसंस्कृति सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने श्रीमती गौतम के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उनके 42 वर्षों के अमूल्य योगदान को स्वास्थ्य विभाग की गौरवशाली धरोहर बताया।

44 वर्षों की समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए ज्ञानीराम गोटाफोड़े

सहयोगियों ने सम्मान और शुभकामनाओं के साथ दी भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन विभाग की सेवा में पूरे 44 वर्षों तक ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का परिचय देने वाले परिक्षेत्र सहायक ज्ञानीराम गोटाफोड़े 30 जून को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह आत्मीयता, सम्मान और भावनाओं से सराबोर रहा। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, इष्ट-मित्रों, रिश्तेदारों और परिजनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर श्री गोटाफोड़े के दीर्घ सेवाकाल को यादगार बनाया। समारोह के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने श्री गोटाफोड़े का पुष्पगुच्छ, स्मृति-चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई, जहां सभी ने उनके साथ बिताए वर्षों की यादों को साझा करते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की। ज्ञानीराम गोटाफोड़े का वन विभाग का सफर वर्ष 1984 में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में शुरू हुआ। लगभग 17 वर्षों तक उन्होंने इसी रूप में अपनी सेवाएं दीं। उनकी लगन, मेहनत और कार्यकुशलता को देखते हुए 10 मई 1999 को उन्हें नियमित रूप से वनरक्षक पद पर नियुक्ति मिली। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपनी कार्यशैली से विभाग में एक अलग पहचान बनाई। उनकी पहली नियमित पदस्थापना उत्तर सामान्य वन परिक्षेत्र बैहर में हुई। इसके बाद उन्होंने दक्षिण सामान्य लौगुर बीट, पूर्व सामान्य वन परिक्षेत्र लांजी सहित विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 2014 में उन्हें वनपाल पद पर पदोन्नत किया गया। वर्ष 2021 में उनका स्थानांतरण सामान्य वन परिक्षेत्र कटंगी के गोरेघाट परिक्षेत्र सहायक के रूप में हुआ। वर्ष 2025 में वे पुनः पूर्व सामान्य वन परिक्षेत्र लांजी लौटे और 30 जून 2026 तक अपनी सेवाएं देते हुए सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए। करीब साढ़े चार दशक के सेवाकाल में श्री गोटाफोड़े ने वन संरक्षण, विभागीय अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की ऐसी मिसाल पेश की, जिसे विभाग लंबे समय तक याद रखेगा। उनके शांत, सरल और सहयोगी स्वभाव के कारण वे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समान रूप से लोकप्रिय रहे। अपने संबोधन में श्री ज्ञानीराम गोटाफोड़े ने कहा कि वन विभाग उनके लिए केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि परिवार रहा है। यहां मिले सहयोग, स्नेह और विश्वास को वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि सेवा से भले ही आज विदा ले रहे हैं, लेकिन वन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमेशा बनी रहेगी तथा वे विभाग की निरंतर प्रगति और उन्नति की कामना करते रहेंगे। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें स्वस्थ, सुखद और आनंदमय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं देते हुए भावभीनी विदाई दी।

43 वर्ष 6 माह की गौरवपूर्ण सेवा के बाद सेवा निवृत्त हुए प्रधानपाठक ए.के. दुरूगकर को दी गई भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। शिक्षा के क्षेत्र में चार दशक से अधिक समय तक समर्पण, अनुशासन और ईमानदारी के साथ सेवाएं देने वाले एकीकृत माध्यमिक शाला चिलोरा के प्रधानपाठक ए.के. दुरूगकर 43 वर्ष 6 माह की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण कर 30 जून 2026 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देकर उनके उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया। विद्यालय परिसर में आयोजित विदाई समारोह में छात्र-छात्राओं ने अपने प्रिय प्रधानपाठक के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम का वातावरण भावुकता और आत्मीयता से सराबोर रहा। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, रसोइया तथा भूतपूर्व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षक टी.सी. नारनौरे, विवेक खोंगल, मनोज मोरघड़े, श्रीमती दीपिका पटले, श्रीमती जशोदा लिल्हारे सहित रसोईया श्रीमती सीमा बाई, रमोलाबाई, कांताबाई एवं सोनाबाई उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय संचालन शिक्षक विवेक खोंगल ने किया। अपने विदाई उद्बोधन में श्री दुरूगकर ने कहा कि उन्होंने 24 जनवरी 1983 को प्राथमिक शाला छपला से अपनी शासकीय सेवा का शुभारंभ किया था। इसके बाद उन्होंने हायर सेकेंडरी चिलोरा में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि अपने पूरे सेवाकाल में उन्होंने सदैव कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी। शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया, जिसका परिणाम यह रहा कि उनके मार्गदर्शन में पढ़ने वाले अनेक विद्यार्थी शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर आज विभिन्न शासकीय सेवाओं में अपनी सफल भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाकर आगे बढ़ने का संदेश भी दिया। समारोह में उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने श्री दुरूगकर के सरल व्यक्तित्व, अनुशासित कार्यशैली और विद्यार्थियों के प्रति उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार की मुक्त कंठ से सराहना की। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामनाएं करते हुए कहा कि शिक्षा जगत में उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

स्कूल मंडई, माध्यमिक शाला पिपरिया, खेल परिसर बैहर, हायर सेकेंडरी बैहर, प्राथमिक शाला मंजीटोला (कान्हा रेंज), तुमड़ीभाट बैहर तथा अंततः एकीकृत माध्यमिक शाला

वीरांगना रानी अवंतीबाई स्कूल में बच्चों को तिलक लगाकर मनाया गया नवीन सत्र का प्रवेशोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्थानीय शाला वीरांगना रानी अवंतीबाई पब्लिक स्कूल, लाँजी में 1 जुलाई 2026 को नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर प्रवेशोत्सव का भव्य कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाला के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात, विद्यालय की परंपरा के अनुसार नन्हे-मुन्ने बच्चों का स्वागत मुख्य द्वार पर रिबन काटकर, कुमकुम एवं का तिलक लगाकर किया गया। प्रथम बार विद्यालय आए बच्चों के चेहरों पर इस आत्मीय स्वागत से अनूठी मुस्कान बिखर गई। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि नया शैक्षणिक सत्र विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का एक स्वर्णिम अवसर है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन को गढ़ने का माध्यम है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नियमित अध्ययन करने, कड़े अनुशासन का पालन करने और अटूट आत्मविश्वास के साथ जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों का मुँह मीठा कराने के लिए मिठाई वितरित की गई। इस गरिमामयी कार्यक्रम को सफल और स्मरणीय बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं—कुमारी पूनम नेवारे, श्रीमती दमयंती राणे, कुमारी दीक्षा कुशले, इनकार कुशले, कुमारी रिया भोण्डेकर, श्रीमती कांजल सातपुते, श्रीमती आँचल किरमे एवं श्रीमती सरिता नेवारे आदि का सराहनीय एवं विशेष योगदान रहा।

पुत्र मोह में पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे दिग्विजय

कांग्रेस की प्रदेश महासचिव निधि चतुर्वेदी ने फेसबुक पर लंबी पोस्ट लिखकर पूर्व सीएम पर साधा निशाना

भोपाल । उज्जैन में वीर भारत न्यास को एक रुपए में करीब 500 करोड़ रुपए की जमीन देने के आरोपों को लेकर कांग्रेस के भीतर शुरू हुआ विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आरोपों के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उज्जैन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पीसी में पटवारी के दावों को खारिज करने पर कांग्रेस की प्रदेश महासचिव निधि सत्यव्रत चतुर्वेदी ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने फेसबुक पर लंबी पोस्ट लिखकर दिग्विजय सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग तक कर डाली। निधि चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह का यह व्यवहार उनके पुत्र-मोह का परिणाम है। उन्होंने लिखा कि अपने बेटे जयवर्धन सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की महत्वाकांक्षा में दिग्विजय सिंह पार्टी अनुशासन भूल चुके हैं।

निधि चतुर्वेदी पूर्व सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा दिग्विजय का नागपाश, कांग्रेस पर प्रहार। उन्होंने लिखा कि उज्जैन भूमि विवाद में कौन सही है और कौन गलत, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्हें कटघरे में खड़ा करना किसी भी वरिष्ठ नेता को शोभा नहीं देता।उन्होंने कहा कि यदि जीतू पटवारी से कोई गलती हुई थी तो दिग्विजय सिंह उन्हें फोन पर, आमने-सामने या पार्टी के आंतरिक मंचों पर अपनी बात बता सकते थे। इसके बजाय उज्जैन जाकर मीडिया के सामने प्रदेश अध्यक्ष के बयान को खारिज करना और उनके लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना पार्टी अनुशासन के खिलाफ है।

भाजपा को ऑक्सीजन दे रहे

पोस्ट में उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा और संघ की विचारधारा के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं, तब पार्टी के वरिष्ठ नेता द्वारा अपने ही प्रदेश अध्यक्ष को सार्वजनिक रूप से कमजोर करना विपक्ष को राजनीतिक फायदा पहुंचाने जैसा है। उन्होंने इसे कार्यकर्ताओं के आत्मसम्मान पर चोट बताया।

2020 से लेकर राज्यसभा चुनाव तक का जिक्र

निधि ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और अंदरूनी खींचतान के कारण 2020 में कांग्रेस सरकार गिरी, 2023 और 2024 के चुनावों में पार्टी को हार मिली और हालिया राज्यसभा चुनाव में भी नुकसान हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी राजनीति संगठन को लगातार कमजोर कर रही है। पोस्ट के अंत में उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से दिग्विजय सिंह के खिलाफ तत्काल कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि पार्टी की साख और कार्यकर्ताओं का मनोबल बचाने के लिए अब हाईकमान को हस्तक्षेप करना चाहिए।

जीतू को घेरने दिग्विजय उमंग ने मिलाया हाथ

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में पिछले कई दिनों से दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी के बीच चल रहा शीत युद्ध अब खुलकर सामने आ रहा है। जहां जीतू ने जमीन के मामलें में मुख्यमंत्री को घेंरने के लिए बिसात बिछाई थी लेंकिन दिगर्विजय सिंह द्वारा उज्जैन की पत्रकार वार्ता में उसकी हवा निकालने के बाद राजनीतिक गलियारों में यह साफ हो गया था कि दिग्विजय-जीतू को पटखनी देने का कोई मौका अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहते फिर चाहे जीतू आलाकमान से दबाब ढलवा कर साथ में राजधानी में पत्रकार वार्ता करें लेकिन इस पत्रकार वार्ता में दिग्विजय के हाव भाव बता देते है कि वह किस उधेड-बुन में लगे है।

इस उधेड-बुन की प्रक्रिया के बीच बुधवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का दिग्विजय सिंह के निवास पर मुलाकात करने पहुंचने से सियासी हलचल बढ गई है। भले ही इसे सौजन्य भेंट बताया जा रहा हो, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके दूरगामी राजनीतिक संकेत तलाशे जा रहे हैं। पार्टी के भीतर यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी हो सकती है। कुछ राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि यदि नेतृत्व बदलाव का फैसला होता है, तो प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जीतू पटवारी की भूमिका पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक संकेत या पुष्टि नहीं की गई है।

यानी फिलहाल सवाल यही है—क्या यह केवल शिष्टाचार मुलाकात थी, या मध्यप्रदेश कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की नई पटकथा लिखी जा रही है? आने वाले दिनों में पार्टी की गतिविधियां इस चर्चा की दिशा तय करेंगी।

कटे हाथ के ठाकुर बने विजयवर्गीय

- पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने मंत्री कैलाश के पत्र पर कटाक्ष करते हुए कहा

- भाजपा में पर्ची की बोली लगती है, मंत्री सिर्फ कुर्सी ढोते हैं

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि भागीरथपुरा में मानव मल-मूत्र से दूषित पानी पीने के कारण 36 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, तब भी मैंने कहा था कि कैलाश विजयवर्गीय भाजपा सरकार में हाथ कटे ठाकुर बनकर रह गए हैं। न निर्णय का अधिकार है, न सम्मान, न सुनवाई। ऐसी स्थिति में मंत्री पद पर बने रहने का औचित्य क्या है?

उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल पर भी तंज कसते हुए कहा कि भाजपा अनुशासन की बड़ी-बड़ी बातें करती है। अब जब भाजपा के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर असहयोग, उपेक्षा और विरोध की पीड़ा बता रहे हैं, तो बताइए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पार्टी कब तलब करेगी? या अनुशासन सिर्फ विपक्ष के लिए ही है? उन्होंने कहा कि कैलाश विजयवर्गीय अकेले नहीं हैं। प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, विश्वास सारंग, भूपेंद्र सिंह सहित कई वरिष्ठ मंत्रियों की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। भाजपा सरकार में मंत्री सिर्फ नाम के रह गए हैं, फैसले कहीं और हो रहे हैं।

कैलाश विजयवर्गीय को नसीहत और पितृ पर्वत का जिक्र

सज्जन सिंह वर्मा ने कैलाश विजयवर्गीय को सलाह देते हुए कहा कि उनकी सक्रिय राजनीति का अंतिम दौर चल रहा है। अब उन्हें स्वाभिमान के साथ मंत्री पद से इस्तीफा देकर सार्वजनिक जीवन से सम्मानपूर्वक विदा ले लेनी चाहिए और पितृ पर्वत पर प्रभु आराधना में समय देना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि भाजपा उन्हें मार्गदर्शक मंडल में भेजकर सार्वजनिक रूप से और बड़ा अपमान कर दे। हां, बस एक बात का ध्यान रखिएगा... पितृ पर्वत पर भी चंदे की सुरक्षा पुख्ता रहे, कहीं वहाँ भी चंदा चोरी की खबर न आ जाए।

संविदा नीति पर विभागों की चुप्पी

निगम-मंडल अब तक नहीं बता पाए कितने संविदाकर्मी और किन नियमों पर हो रही नियुक्तियां

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार की संविदा नीति-2023 के क्रियान्वयन की वास्तविक तस्वीर खुद सरकार के पास नहीं है। कारण यह है कि प्रदेश के कई विभाग, निगम, मंडल, परियोजनाएं और स्वायत्त संस्थाएं पिछले चार महीने से सामान्य प्रशासन विभाग के लगातार भेजे जा रहे पत्रों के बावजूद जानकारी उपलब्ध नहीं करा रही हैं। स्थिति यह है कि त्रैष्ठ को मार्च से जून के बीच पांच बार अनुस्मारक (रिमाइंडर) जारी करने पड़े, लेकिन कई विभाग अब भी जवाब देने से बच रहे हैं।

यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप संविदा नीति के क्रियान्वयन की समीक्षा इसी जानकारी के आधार पर होनी है। विभागों से पूछा गया है कि संविदा नीति-2023 के कौन-कौन से प्रावधान लागू किए

गए हैं, कितने संविदाकर्मी कार्यरत हैं और यदि कोई प्रावधान लागू नहीं किया गया है तो उसका कारण क्या है।

सरकार के पास नहीं है पूरा डाटा

जानकारी के अभाव में सरकार यह भी नहीं जान पा रही है कि प्रदेश में विभिन्न निगमों, मंडलों, योजनाओं और परियोजनाओं में कुल कितने संविदा अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं और उन्हें नीति के अनुरूप सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। इससे संविदा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

हर प्रावधान का मांगा गया हिसाब

जीएडी ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे बिंदुवार जानकारी दें। प्रत्येक प्रावधान के सामने स्पष्ट करना होगा कि उसे लागू किया गया है या नहीं। यदि लागू नहीं किया गया है तो उसका कारण भी लिखित रूप में बताना होगा।

मार्च से लगातार भेजे जा रहे पत्र

सामान्य प्रशासन विभाग ने 18 मार्च, 14 अप्रैल, 2 मई, 8 जून और 29 जून को लगातार पत्र जारी किए। इसके बावजूद कई विभागों से अपेक्षित जानकारी नहीं मिली है। अब विभागों को तत्काल रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं ताकि मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा की जा सके।

68 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

- बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में दूर होगी शिक्षकों की कमी

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में लंबे समय से खाली पड़े शिक्षकों के पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालय को रिक्त पदों पर नियुक्तियां करने की अनुमति दे दी है। इससे शिक्षकों की कमी दूर होने और शैक्षणिक गतिविधियों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, उच्च शिक्षा विभाग ने पहले विश्वविद्यालय के लिए 105 शैक्षणिक पद स्वीकृत किए थे। समय-समय पर इन पदों पर नियुक्तियों के संबंध में आदेश भी जारी हुए, लेकिन सभी पदों पर भर्ती नहीं हो सकी। अब तक 105 में से केवल 37 पदों पर नियुक्तियां हुई हैं, जबकि 68 पद अभी भी रिक्त हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बढ़ी रफ्तार

सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2026 में देशभर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में खाली शैक्षणिक पदों को चार माह के भीतर भरने के निर्देश दिए थे। इसी आदेश के तहत उच्च शिक्षा विभाग ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रस्ताव पर विचार करते हुए शेष रिक्त पदों पर नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। विभाग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि स्वीकृत पदों पर नियुक्तियां नियमों के अनुसार की जा सकती हैं, लेकिन इसके लिए राज्य सरकार की ओर से कोई अतिरिक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। विश्वविद्यालय को उपलब्ध संसाधनों और अपने बजट के भीतर ही भर्ती प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से शिक्षकों की कमी के कारण कई विभागों में पढ़ाई, शोध और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं। 68 रिक्त पदों पर नियुक्तियां होने के बाद छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

अब 25 हजार की धोखाधड़ी पर भी दर्ज होगी ई-जीरो एफआईआर

- दिल्ली के बाद मध्य प्रदेश दूसरा राज्य जहां साइबर ठगी पीड़ितों को बड़ी राहत...

- पहले एक लाख रुपये थी सीमा, कम राशि वाले पीड़ितों को मिलेगा फायदा

भोपाल। साइबर ठगी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने बड़ा कदम उठाया है। यह पीड़ितों के लिए मददगार साबित होगा। अब 25 हजार रुपये या इससे अधिक रकम की ठगी में भी पीड़ित साइबर हेल्पलाइन 1930 के जरिये शिकायत कर ई-जीरो एफआईआर दर्ज करा सकेंगे। अब तक यह सीमा एक लाख रुपये थी। एक लाख रुपये से कम की साइबर ठगी पर ई-जीरो एफआईआर दर्ज नहीं की जाती थी। यह निर्णय ई-जीरो एफआईआर व्यवस्था के सकारात्मक परिणाम सामने आने पर किया गया है। साइबर ठगी के मामले में ई-जीरो एफआईआर व्यवस्था लागू करने वाला मध्य प्रदेश दिल्ली के बाद दूसरा राज्य है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा सबसे पहले दिल्ली में इसे लागू किया गया था। यहां बता दें कि 25 दिसंबर 2025 को ग्वालियर से पूरे प्रदेश में साइबर ठगी के मामले में ई-जीरो एफआईआर की व्यवस्था केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लागू की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने इसे लॉन्च किया था। इसके बाद एक लाख रुपये या इससे अधिक की ठगी के मामले में जैसे ही पीड़ित द्वारा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल किया जाता था, तो ई-जीरो एफआईआर स्वत- दर्ज हो जाती थी। अब इसकी सीमा घटाकर 25 हजार रुपये कर दी गई है, क्योंकि एक लाख रुपये से कम की राशि की ठगी के मामलों की संख्या ज्यादा है। अब इससे उन पीड़ितों को मदद मिलेगी, जिनके साथ 25 हजार रुपये या इससे अधिक की ठगी हुई है। 25 हजार रुपये से कम की साइबर ठगी होगी तो इस मामले में साइबर क्राइम विंग या संबंधित थाने पहुंचकर ही शिकायत करनी होगी। हालांकि साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत कर खाता फ्रीज कराया जा सकता है, लेकिन ई-जीरो एफआईआर नहीं होगी। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल या 1930 पर कॉल कर फरियादी अपनी शिकायत दर्ज कराएं। अपने आप पोर्टल द्वारा ई-जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले को संबंधित थाने भेज दिया जाएगा।

कैलाश का पत्र भाजपा सरकार की विफलता और अंदरूनी कलह का सार्वजनिक प्रमाण, मुख्यमंत्री और मंत्री दोनों जनता को जवाब दें - जीतू

भोपाल । प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लिखे गए पत्र को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार की विफलता, प्रशासनिक अराजकता और बढ़ती अंदरूनी कलह का सार्वजनिक प्रमाण बताया है। पटवारी ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में शामिल कैलाश विजयवर्गीय को स्वयं यह लिखना पड़ रहा है कि उन्हें पिछले दो वर्षों से केवल असहयोग, उपेक्षा और विरोध मिला है, तो यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। इससे स्पष्ट है कि सरकार के भीतर न समन्वय है और न ही मुख्यमंत्री का अपने मंत्रियों एवं प्रशासन पर प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि इंदौर जैसे प्रदेश के सबसे बड़े औद्योगिक और व्यावसायिक शहर की लगातार उपेक्षा

की गई। मास्टर प्लान, मेट्रोपॉलिटन रीजन, एयरपोर्ट विस्तार, पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र, आरजीपीवी और सिंहस्थ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर स्वयं मंत्री ने सवाल उठाए हैं। इससे भाजपा सरकार के विकास के दावों की वास्तविकता सामने आ गई है। पटवारी ने कहा कि इंदौर में जहरीले पानी से 35 लोगों की मौत हुई यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि सरकार की संवेदनहीनता का उदाहरण है। ऐसे गंभीर मामलों में जवाबदेही तय होना आवश्यक था। उन्होंने कहा कैलाश विजयवर्गीय आप अपनी जवाबदेही से बचने की कोशिश न करें। सरकार की हर विफलता का ठीकरा केवल मुख्यमंत्री के सिर पर नहीं फोड़ सकते। आप स्वयं इंदौर से जनप्रतिनिधि हैं, प्रदेश सरकार में वरिष्ठ मंत्री हैं। इंदौर की जनता के प्रति आपकी भी समान जिम्मेदारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि यदि सरकार में आपकी बात नहीं सुनी जा रही थी, तो आप पिछले दो वर्षों तक मौन क्यों रहे? क्या आपने मंत्रिमंडल की बैठकों में इन मुद्दों को उठाया? यदि उठाया तो उसका क्या परिणाम निकला? और यदि नहीं उठाया, तो जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाई? उन्होंने कहा कि भाजपा के भीतर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व को लेकर लगातार असंतोष सामने आ रहा है। समय-समय पर भाजपा के विधायक, मंत्री और वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अपनी असहमति जता चुके हैं। अब कैलाश विजयवर्गीय का पत्र भी यह साबित करता है कि भाजपा में अंदरूनी कलह लगातार बढ़ रही है और सरकार के भीतर विश्वास का संकट गहरा चुका है।

कृषि संकट से निपटने की तैयारी करे सरकार- कमलनाथ

भोपाल। प्रदेश में अभी तक हुई बारिश और भविष्य में मौसम विभाग द्वारा अल्प बारिश का अंदेशा बजाने के बाद मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने गंभीर चिंता जताते हुए सरकार से किसानों की मदद के लिए क्या प्लान तैयार किया है को स्पष्ट करना चाहिए। नाथ ने कहा कि देश के कृषि क्षेत्र के सामने गंभीर चुनौतियां आ रही हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के आंकड़े बता रहे हैं कि अब तक हुई अल्प वर्षा के कारण खरीफ की बुवाई 23 पिछड़ गई है और धान का रकबा 25 घटा है। अन्य खरीफ फसलों का भी यही हाल है।

सोयाबीन, अरहर और मूँगफली का रकबा भी कम हुआ है।

मध्य प्रदेश के करोड़ों किसान इस संकट से प्रभावित हो रहे हैं। हम सब की प्रार्थना है कि अच्छी बारिश हो लेकिन मौसम के पूर्वानुमानों से आँख मूँद लेना भी उचित नहीं है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि संकट में किसानों की मदद के लिए उसके पास क्या प्लान है। ऐसा न हो कि सरकार की स्थिति आग लगने पर कुआँ खोदने वाली हो जाए।

कृषि ही मध्य प्रदेश की जीवन रेखा है।

किसान पहले ही सरकारी लापरवाही से समय समय पर खाद, बीज, एमएसपी, और फसल बीमा से जुड़े संकटों से जूझता रहता है।ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार तत्काल राहत योजना का खुलासा करें।

60 कोचिंग सेंटर, एकेडमी और लाइब्रेरी को नोटिस

भोपाल। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। भोपाल नगर निगम और फायर ब्रिगेड की टीमों ने शहर के कोचिंग हब, अकादमियों और लाइब्रेरियों में औचक जांच कर फायर ऑडिट किया। इस जांच में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाहियां सामने आई है, जिसके बाद नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए 60 से ज्यादा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। इन सभी को 7 दिन के भीतर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया गया है। छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर फायर विभाग की चार अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने भोपाल के प्रमुख कमर्शियल और कोचिंग एरिया जैसे एमपी नगर, इंद्रपुरी, पिपलानी, न्यू मार्केट, टीटी नगर और बैरागढ़ क्षेत्र में ताबड़तोड़ निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने भवनों में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम, अग्निशमन यंत्र, पानी के स्टोरेज, वेंटिलेशन व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्ण आपातकालीन निकासी मार्ग की बारीकी से जांच की। फायर ऑडिट की रिपोर्ट में जो खुलासे हुए हैं वे बेहद चौंकाने वाले हैं। जांच में पाया गया कि अधिकांश कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरियों के पास अनिवार्य फायर एनओसी तक नहीं थी। कई बड़े संस्थानों में बेसमेंट या ऊपरी मंजिलों पर जाने और बाहर निकलने के लिए केवल एक ही संकरा रास्ता मिला। किसी भी अनहोनी या आगजनी की स्थिति में ऐसे भवनों में भगदड़ मचने और बड़ा हादसा होने का 100 प्रतिशत खतरा पाया गया, जो कि सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन है।

अगस्त में होंगे ऑनलाइन टीईटी एग्जाम

- कर्मचारी चयन मंडल लेगा 1 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों की शिक्षक पात्रता परीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के स्तर को सुधारने और शिक्षकों की योग्यता परखने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा यानि टीईटी को लेकर प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। अधिकारियों की मानें तो मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आगामी अगस्त महीने में इस ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन संभावित है। वहीं इस बार परीक्षा के सफल संचालन के लिए मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी जिला कलेक्टरों को सौंपी जा रही है।

इस परीक्षा में स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग दोनों के मिलाकर लगभग 1 लाख से अधिक शिक्षकों के शामिल होने का अनुमान है। कर्मचारी चयन मंडल के जनसंपर्क अधिकारी विशाल जोशी के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत करीब 70 हजार और जनजातीय कार्य विभाग के तहत लगभग 35 हजार शिक्षक इस परीक्षा की पात्रता श्रेणी में आते हैं। कर्मचारी चयन मंडल वर्तमान में शिक्षा विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर परीक्षार्थियों की

वास्तविक संख्या का सटीक विश्लेषण कर रहा है। जैसे ही आंकड़ों का मिलान पूरा होगा, बोर्ड द्वारा आधिकारिक परीक्षा तिथियों की घोषणा के साथ ही ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी जाएगी।

नए जिलों के परीक्षार्थियों को जाना होगा पास के शहर

बता दें कि प्रदेश में कुल जिलों की संख्या 55 हो चुकी है, लेकिन कर्मचारी चयन मंडल ने केवल 50 जिलों में ही परीक्षा केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। बोर्ड का तर्क है कि हाल ही में गठित नए जिलों में अभी ऑनलाइन परीक्षा के लिए आवश्यक स्थायी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षित परीक्षा केंद्र उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सुरक्षा मानकों से समझौता न करते हुए केवल पुराने और सर्वसुविधायुक्त 50 जिलों में ही परीक्षा आयोजित होगी। नए जिलों के शिक्षकों को नजदीकी जिले के केंद्रों पर जाकर परीक्षा देनी होगी।

समर्थ पोर्टल से हाई-टेक हुई शिक्षकों की तैयारी

शिक्षकों को डिजिटल परीक्षा के नए पैटर्न से रूबरू कराने और उनके विषय ज्ञान को मजबूत करने के लिए शिक्षा विभाग ने अनूठी पहल की है। इसको लेकर समर्थ पोर्टल के माध्यम से सभी योग्य शिक्षकों के लिए विशेष ऑनलाइन स्टडी माड्यूल और वीडियो कक्षाएं शुरू की गई हैं।

नायरा पेट्रोल पंपों ने पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए

- अब सरकारी तेल कंपनियों के बराबर दाम, कीमतों में अतिरिक्त कटौती नहीं

भोपाल। भोपाल सहित प्रदेश में स्थित नायरा पेट्रोल पंपों ने पेट्रोल के दाम 2 रुपए और डीजल के 3 रुपए प्रति लीटर कम कर दिए हैं। अब इन पेट्रोल पंपों पर भी सरकारी तेल कंपनियों के पेट्रोल पंप के समान दाम पर पेट्रोल व डीजल मिलेगा। दरअसल, नायरा पेट्रोल पंपों पर अब तक सरकारी तेल कंपनियों की तुलना में 2 और 3 रुपए महंगा पेट्रोल और डीजल बिक रहा था।

नायरा मध्यप्रदेश पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राम सिंह ने बताया कि अब नायरा के सभी पेट्रोल पंपों पर संबंधित क्षेत्र के निकटतम सरकारी पेट्रोल पंप के बराबर ही पेट्रोल और डीजल के दाम तय किए जाएंगे। अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों में

परिवहन (ट्रांसपोर्टेशन) लागत के कारण रेट में अंतर हो सकता है, इसलिए प्रत्येक पंप का मूल्य उसके निकटतम सरकारी पंप के अनुरूप रहेगा।

अंतर समाप्त कर दिया गया

उन्होंने बताया कि पहले नायरा के पंपों पर पेट्रोल लगभग 2 प्रति लीटर और डीजल करीब 3 प्रति लीटर तक महंगा बिक रहा था। अब यह अंतर पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। भोपाल शहर के एक नायरा पेट्रोल पंप पर बुधवार को पेट्रोल का रेट 114.62 रुपये प्रति लीटर और डीजल 99.42 रुपए प्रति लीटर रहा, जो संबंधित सरकारी पेट्रोल पंप के बराबर है।

कीमतों में अतिरिक्त कटौती नहीं की

एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नायरा ने पेट्रोल-डीजल के दाम कम कर दिए हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि कीमतों में कोई अतिरिक्त कटौती नहीं की गई है, बल्कि पहले जो अंतर था, उसे समाप्त कर सरकारी कंपनियों के बराबर कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को अब निजी और सरकारी पंपों के बीच कीमत का अंतर नहीं झेलना पड़ेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर रिकार्ड आठवीं बार फाइनल में जगह बनाई

लंदन । बेथ मूनी और एश्ले गार्डनर की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को सेमीफाइनल मुकाबले में 8 विकेट से हराकर एक और उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम रिकॉर्ड आठवीं बार टी20 कप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। इस एकतरफा मुकाबले में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को 126 रनों का लक्ष्य दिया था जो ऑस्ट्रेलिया ने केवल 13 ओवर में ही हासिल कर लिया। अब फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। ये मुकाबला 5 जुलाई को लॉर्ड्स मैदान पर होगा।

इस मैच में पहले वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 125 रन बनाये। कप्तान

हेली मैथ्यूज ने 30 रन और किआना जोसेफ ने 16 रन बनाये। मैथ्यूज के आउट होने के बाद शेमेन कैंपबेल ने 22 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया पर असफल रही। टीम ने एक समय 15.3 ओवर में ही 83 रनों पर 6 विकेट खो दिये। इसके बाद, डिएंड्रा डॉटिन ने जनिलेया ग्लासगो (15 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 27 गेंदों में तेजी से 42 रन जोड़े और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। डॉटिन ने 16 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 26 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सोफी मोलिनक्स, एश्ले गार्डनर और जॉर्जिया वेयरहैम ने 2-2 विकेट लिए, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने एक विकेट लिया।

इस मैच में 126 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत सामान्य रही। जॉर्जिया वोल ने 11 गेंदों में 16 रन बनाये। जॉर्जिया ने बेथ मूनी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 29 रन बनाये। वोल के आउट होने के बाद फोएबे लिचफील्ड (4 रन) भी जल्दी पवेलियन लौट गईं, जिससे स्कोर 43 पर दो विकेट हो गया। इसके बाद, बेथ मूनी ने एलिस पेरी के साथ 21 रन की साझेदारी की, लेकिन पेरी (2 रन) रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गईं। फिर, मूनी को एश्ले गार्डनर का साथ मिला और दोनों ने मिलकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। इन दोनों ने केवल 36 गेंदों में 63 रनों की साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिला दी। बेथ मूनी ने 36 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से शानदार 61 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि एश्ले गार्डनर ने सिर्फ 20 गेंदों में 5 चौकों की मदद से ताबड़तोड़ 35 रन बनाकर टीम को 13 ओवर में ही जीत दिला दी। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से चिनेल हेनरी और हेली मैथ्यूज ने एक-एक विकेट लिया।

वैभव के लिए भी हमने रणनीति बनायी- हैरी ब्रुक

लंदन। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ पहले टी20 मैच में अगर वैभव सूर्यवंशी उतरते हैं तो उनसे मुकाबले के लिए हमारी टीम तैयार हैं। ब्रूक के अनुसार उन लोगों ने वैभव से निपटने की रणनीति बना ली है। अभी ये तय नहीं है कि भारतीय टीम वैभव को पहले टेस्ट में उतारती है या नहीं।

वहीं मेजबान टीम के कप्तान ने साफ कर दिया है कि इंग्लैंड दोनों ही हालातों के लिए तैयार है। ब्रूक ने कहा, हमन पर प्रकार से तैयारी की है। जिससे इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाया जा सके।

दूसरी ओर अपने डेब्यू का इंतजार कर रहे वैभव ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इससे पहले कोलंबो में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच हुई एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में इस बल्लेबाज ने केवल 29 गेंदों में ही 94 रन बना दिये थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा। वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनने में सफल रहे। अब देखना होगा कि पहले टी20 में उन्हें अवसर मिलता है या नहीं। वहीं अगर वह मैदान पर उतरते हैं, तो इंग्लैंड की टीम एक तय रणनीति के साथ उन्हें शुरुआत में ही आउट करने के प्रयास करेगी। वहीं वैभव को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी बल्लेबाजी का आंकलन करने का अवसर मिलेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए नितीश का फिट होना संदिग्ध

सूर्यांश या शिवम को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी का इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। इसका कारण ये है कि नितीश कुमार अभी तक अपनी चोट से उबर नहीं पाये हैं। इसी कारण वह अभी तक अपना रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम भी शुरू नहीं कर पाये हैं जबकि सीरीज शुरु होने में अभी केवल 15 दिन ही शेष हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने इस ऑलराउंडर को अभी आराम करने को कहा है जिससे वह फिटनेस हासिल कर सकें। गौरतलब है कि इस खिलाड़ी को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान बाएं पैर की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इस चोट के कारण ही वह दूसरे एकदिवसीय से बाहर रहे थे। तीसरे और

अंतिम मुकाबले में उन्होंने दर्द के बावजूद वापसी की थी जिससे उनकी चोट ओर बढ़ गयी। ऐस में दर्द बढ़ने के कारण उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर रहना पड़ा था। नितीश अगर फिट नहीं होते तो भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। उन्हें अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के फिट नहीं होने के कारण अवसर दिया गया था पर अब वह स्वयं चोटिल हो गये हैं। अगर वह तय समय तक फिट नहीं होते हैं तो युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में अवसर मिल सकता है। सूर्यांश ने हाल ही में श्रीलंका में खेली गई एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू में भी मौका पाया था, जहां उन्होंने दो ओवर में 25 रन देकर एक विकेट लिया था। लिस्ट-ए क्रिकेट में, शेडगे ने 15 मुकाबलों की 13 पारियों में 21.50 की औसत और 101.97 के स्ट्राइक रेट से 258 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में, उनके नाम 11 विकेट दर्ज हैं, जिसमें एक शानदार चार विकेट हॉल भी शामिल है।वहीं एक दूसरा विकल्प शिवम दुबे हो सकते हैं, जिन्होंने अपनी हालिया आयरलैंड टी20 सीरीज में गेंदबाजी में भी प्रभाव छोड़ा था, जहां उन्होंने तीन विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में बदलाव कर सकता है पाकिस्तान

शाहीन, नसीम की जगह पर खुर्रम और उबेद को मिल सकता है अवसर

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति ने आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में बदलाव के संकेत दिये हैं। इसी के तहत ही टीम से अनुभवी तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को बाहर किया जा सकता है। इनकी जगह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयन समिति सीनियर गेंदबाजों को टीम में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं। शाहीन के अलावा हसन अली और नोमान अली को भी टीम से बाहर किया जा सकता है। वहीं 27 साल के युवा खुर्रम शहजाद और अनकैप्ड खिलाड़ी उबैद शाह को टेस्ट सीरीज में अवसर मिल सकता है।

टीम चयन से जुड़े आकिब जावेद ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी को संभावित टीम के बारे में विस्तार से बताया है। नकवी ने टीम की भलाई के लिए कोई भी बड़ा फैसला लेने की पूरी इजाजत दे दी है, जिससे चयनकर्ताओं के पास कड़े फैसले लेने का अधिकार है। कि 36 साल के मुहम्मद अब्बास और 33 साल के मुहम्मद अली जैसे अनुभवी घरेलू गेंदबाजों के अलावा 27 साल के युवा खुर्रम शहजाद और अनकैप्ड खिलाड़ी उबैद शाह को टेस्ट सीरीज में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा, 29 साल के आमिर जमाल को तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर के तौर पर टीम में शामिल किया जाएगा।

वहीं शाहीन ने अब तक 34 टेस्ट मैचों में 28.13 की औसत से 126 विकेट लिए हैं। वह पाक टीम के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाजों में से एक हैं। वहीं, नसीम शाह ने 20 टेस्ट मैचों में 60 विकेट अपने नाम किए हैं। हालांकि ये दोनों ही प्रमुख गेंदबाजों पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने से टीम से बाहर हैं। इसके लगातार चोटिल होने से टीम को काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। यही कारण है कि अब चयनकर्ता एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने पर विचार कर रहे हैं। मुहम्मद अली और मुहम्मद अब्बास दोनों इस समय इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं और वेस्टइंडीज सीरीज शुरू होने से पहले टीम में शामिल हो जाएंगे। वेस्टइंडीज दौरे का पहला टेस्ट त्रिनिदाद के तारोबा में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 2 अगस्त से त्रिनिदाद के पोर्ट ऑफ स्पेन में आयोजित होगा।

माया ने वापसी कर रही सैरेना को पहले ही दौर में हराकर बाहर किया

लंदन । अमेरिका की 42 साल की अनुभवी महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स की वापसी असफल रही है। सेरेना को चार साल के बाद खेल में वापसी करते हुए अपने पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया की 20 साल की जॉइट ने तीन सेटों तक चले कड़े संघर्ष के बाद 6-3, 6-7(6), 6-3 से हरा दिया। इसी के साथ ही सात बार की खिताब विजेता सेरेना का सफर शुरुआत में ही समाप्त हो गया। यह मुकाबला संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। माया लगातार 11 टूर लेवल मैच हारने के बाद इस चैंपियनशिप में उतरी थीं, उन्होंने कोर्ट पर साहस का प्रदर्शन करते हुए पहले सेट में ही 6-3 से बढ़त बनाई पर सेरेना ने अपने अनुभव और जुझारूपन का परिचय देते हुए दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में पहला मैच अंक बचाया और 6-7(6) से सेट जीतकर मुकाबला निर्णायक सेट में ले गईं।

फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद नीदरलैंड के कोच कोमैन का इस्तीफा

टेक्सास । फीफा विश्व कप फुटबॉल में हार के बाद डच टीम नीदरलैंड्स के कोच रोनाल्ड कोमैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नीदरलैंड्स को इस मुकाबले में अपने से कमजोर टीम मोरक्को के हाथों अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश कोमैन के इस्तीफे के साथ ही टीम के साथ उनका दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया।

सोशल मीडिया पर टीम की हार के बाद कोमैन ने निराशा जताती। उन्होंने कहा, मैंने डच राष्ट्रीय टीम के कोच के तौर पर अपना कार्यकाल समाप्त करने का फैसला किया है। हम सभी ने एक ऐसे विश्व कप का सपना देखा था जिसमें हम इतिहास रचेंगे पर हम सफल नहीं हो पाए। इस बात से मुझसे ज्यादा निराशा किसी और को नहीं हो सकती। कोच के तौर पर, यह जिम्मेदारी आपकी होती है कि टीम जीते। मैंने हमेशा इसे महसूस किया है, और हमेशा करता रहूंगा। उन्होंने अपने इस्तीफे के पीछे व्यक्तिगत कारणों को भी जिम्मेदार बताया है।

उन्होंने कहा , पिछले कुछ

सालों में मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि फुटबॉल से ज्यादा जरूरी चीजें भी हैं। फुटबॉल मेरी जिंदगी रही है पर सेहत सबसे जरुरी है। उन्होंने साथ ही यह भी जोड़ा कि अब वह अपनी पत्नी, बच्चों और पोते-पोतियों के साथ अधिक समय बिताना चाहते हैं, जिसे उन्होंने सही और सबसे स्वाभाविक फैसला बताया।

गौरतलब है कि कोमैन का ऑरेंज के साथ यह दूसरा कार्यकाल था। उन्होंने पहली बार 2018 की शुरुआत में टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाली थी, जो 2020 के मध्य तक चला।

रॉयल डच फुटबॉल एसोसिएशन ने भी कहा है कि कोमैन ने फेडरेशन को अपने अनुबंध को आगे न बढ़ाने को कह दिया है। कोमैन ने अपने अलविदा संदेश में कहा, मैंने इतने लंबे समय तक इस कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के ग्रुप के साथ बहुत करीब से और पूरी लगन से काम किया है, इसलिए यह फैसला लेना आसान नहीं था। उन्होंने हेड कोच के तौर पर अपने दोनों कार्यकाल के दौरान टीम से जुड़े सभी लोगों की प्रशंसा की।

विश्वकप से बाहर होने से निराश उरुग्वे के मुख्य कोच बिएल्सा ने इस्तीफा दिया

मोंटेवीडियो । उरुग्वे के मुख्य कोच हुमासेंलो बिएल्सा ने फीफा विश्वकप फुटबॉल से टीम के बाहर होने पर निराशा जताते हुए अपना पद छोड़ दिया है। बिएल्सा के अनुसार जिस प्रकार टीम ग्रुप चरण से बाहर हुई है उससे वह निराश हैं। दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे ग्रुप एच में तीसरे स्थान पर रही, जिससे वह अगले दौर में नहीं पहुंच पायी। टीम का मुकाबला काबो वर्डे और सऊदी अरब के खिलाफ ड्रॉ रहा, जबकि स्पेन से उसे हार का सामना करना पड़ा।

बिएल्सा ने कहा कहा कि पद से इस्तीफा देते हुए वह दुखी हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह विदाई बेहद पीड़ादायक है, क्योंकि जब मैंने कोच की जिम्मेदारी संभाली थी तब मुझमें काफी उम्मीदें थीं। खिलाड़ियों ने जो प्रयास किए, उन्हें देखते हुए यह और भी दुखद है। बिएल्सा ने हार की पूरी जिम्मेदारी स्वयं लेते हुए माना है कि उपलब्ध खिलाड़ियों की गुणवत्ता के बावजूद वह उनके संसाधनों का सही ढंग से उपयोग नहीं कर सके। उन्होंने स्पष्ट किया, हम जिस स्थान पर रहे, उसके लिए मेरे पास कोई बहाना नहीं है।

मई 2023 में उरुग्वे के मुख्य कोच का पदभार संभालने के बाद से बिएल्सा के मार्गदर्शन में टीम ने कुल 36 मैच खेले, जिनमें 16 में जीत दर्ज की, 12 मुकाबले ड्रॉ रहे और 8 में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने मीडिया में आई उन अटकलों को भी खारिज किया, जिनमें खिलाड़ियों के साथ उनके खराब संबंधों का दावा किया गया था। बिएल्सा ने खिलाड़ियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा, खिलाड़ियों ने शानदार समर्पण दिखाया। मैं इस दौर से अच्छी या बुरी छवि के साथ बाहर निकलता हूं, यह पूरी तरह खिलाड़ियों के साथ मेरे रिश्ते पर निर्भर करता है।

मैंने स्टोक्स को संन्यास से रोकने का प्रयास किया था -मैकुलम

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मैकुलम ने खुलासा किया है कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को संन्यास से रोकने का उन्होंने पूरा प्रयास किया था पर वह पहले ही फैसला ले चुके थे। ऐसे में मेरे प्रयास विफल रहे। मैकुलम ने कहा, जब स्टोक्स ने मुझे अपने संन्यास के इरादे के बारे में बताया, तो मैंने उन्हें फैसला बदलने के लिए काफी मनाया पर वह अपनी बात पर अड़े रहे। कोच के अनुसार स्टोक्स के इस फैसले से उन्हें काफी निराशा हुई पर कोई विकल्प भी नहीं था।

मैकुलम ने कहा, उनके फैसले से मैं निश्चित रूप से दुखी हो गया था। पिछले चार सालों में हमने साथ मिलकर इंग्लैंड

क्रिकेट के लिए एक नया दौर शुरू किया है और यह एक शानदार सफर रहा है। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे उनके साथ इतने करीब से काम करने का मौका मिला। आज मैं उन्हें सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि अपना सच्चा दोस्त मानता हूं। उन्होंने स्टोक्स की कप्तानी और असाधारण नेतृत्व क्षमता की जमकर प्रशंसा की।

कोच के अनुसार स्टोक्स सिर्फ कप्तान नहीं, बल्कि एक ऐसे नेतृत्वकर्ता थे जिनका पूरी टीम पर गहरा प्रभाव था। वह एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं। मैदान हो, ड्रेसिंग रूम हो या टीम होटल, हर जगह खिलाड़ी उनका अनुसरण करते हैं। लोग उन पर भरोसा करते हैं क्योंकि वह अपने विचारों और फैसलों पर पूरा विश्वास रखते हैं।

मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट जैसे अनिश्चितताओं से भरे खेल में स्टोक्स टीम के लिए भरोसे और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा स्तंभ थे। क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, लेकिन बेन अपनी मौजूदगी से टीम को स्थिरता देते थे।

अब ऑस्ट्रेलिया की जगह पुर्तगाल से खेलेंगे हेनरिक्स

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स ने कहा है कि अब वह अपनी ऑस्ट्रेलिया छोड़कर अपने जन्मस्थान पुर्तगाल की ओर से खेलेंगे। हेनरिक्स का कहना है कि उनका लक्ष्य 2028 टी20 विश्वकप में पुर्तगाल को क्वालिफाई कराना है। हेनरिक्स के इस कदम से एसोसिएट टीम पुर्तगाल को काफी लाभ होगा। इससे उसके लिए वैश्विक मंच पर पहचान बनाना आसान होगा।

गौरतलब है कि हेनरिक्स का जन्म पुर्तगाल के मदीरा द्वीप पर हुआ था पर वह क्रिकेट करियर के लिए ऑस्ट्रेलिया आ गये थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों

प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। अगस्त 2021 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी पूर्वकालिक सदस्य देश से एसोसिएट राष्ट्र के लिए खेलने से पहले खिलाड़ी को तीन साल का अनिवार्य अंतराल पूरा करना होता है। यह अवधि अब पूरी हो चुकी है, जिसके बाद हेनरिक्स पुर्तगाल के लिए खेलने के योग्य हो गए हैं।

अब हेनरिक्स फिनलैंड में होने वाले यूरोप सब-रीजनल क्वालिफायर में पुर्तगाल की ओर से मैदान पर उतरेंगे। यह क्वालिफायर 2028 के टी20 विश्व कप के यूरोपीय क्वालिफिकेशन चरण में जगह बनाने के लिए जरुरी है। यूरोप से मौजूदा आईसीसी रैंकिंग के आधार पर पहले से मौजूद टीमों के अलावा दो नई टीमें अगले चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। हेनरिक्स को उम्मीद है कि वह अपने अनुभव और कौशल से पुर्तगाल को पहली बार टी20 विश्व कप तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।अपने करियर में अब तक 301 टी20 मुकाबले खेल चुके हेनरिक्स ने 5,746 रन बनाए हैं, जिसमें 27 अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में उन्होंने 120 विकेट भी झटके हैं। उनका यह विशाल अनुभव और ऑलराउंडर क्षमता अब पुर्तगाल क्रिकेट के लिए एक बड़ी संपत्ति साबित होगी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/1897,1898/लो.नि.वि./न.पा.प./2026 वारासिवनी,दिनांक 30-06-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मुल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	क्र. 2026_UAD_518556_1 दिनांक-02.07.2026	Construction Of Cricket Play Ground And Playing Equipments at in front of Indoor Stadium.	समयावधि- 6 माह (वर्षा ऋतु सहित) लागत- 45,80,574/-	नि.प्र.मूल्य-5,000/- EMD- 34,354/-	03.08.2026
02	क्र. 2026_UAD_518538_1 दिनांक-02.07.2026	Construction Of Teen Shed in Anjuman Marriage Hall at Ward No. 15 Waraseoni.	समयावधि- 01 माह लागत- 7,29,885/-	नि.प्र.मूल्य-2,000/- EMD:- 7,299/-	20.07.2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् वारासिवनी

ऐतिहासिक बावड़ी में हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

पद्मेश न्यूज़। हट्टा। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत हट्टा में मंगलवार को समापन कार्यक्रम उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हट्टा स्थित गोंडवाना साम्राज्य के राजाओं द्वारा निर्मित ऐतिहासिक बावड़ी परिसर में किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने जल संरक्षण का संदेश देते हुए पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष फूलचंद सहारे, तहसीलदार श्रीमती मंजूला महोबिया, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री ममता कुलस्ते, ग्राम पंचायत हट्टा

सरपंच श्री उमेश सोनेकर उपसरपंच श्री विरेंद्र बिसेन , पंच-प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा कन्या पूजन के साथ किया गया। इसके पश्चात सभी ने ऐतिहासिक बावड़ी की साफ-सफाई कर श्रमदान किया और लोगों को जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अतिथियों ने कहा कि बावड़ियां, कुएं और तालाब हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों का संरक्षण करना ही नहीं, बल्कि समाज में जल के प्रति संवेदनशीलता और जनभागीदारी को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का अधिकतम संचयन, पुराने जल स्रोतों का पुनर्जीवन तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग से ही आने वाले समय में जल संकट से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने जल संरक्षण की शपथ लेते हुए अपने गांव के कुओं, बावड़ियों, तालाबों और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई एवं संरक्षण में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबल योजना की अनुग्रह राशि का किया वितरण

बालाघाट जिले में 696 प्रकरणों में 14.87 करोड़ की राशि की गई वितरित

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 01 जुलाई बुधवार को सिवनी जिले में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से जिले के संबल योजना हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कलेक्ट्रेट बालाघाट के एनआईसी कक्ष में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के 696 प्रकरणों में 14 करोड़ 87 लाख रूपये का वितरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया। इसमें सामान्य मृत्यु के 647 प्रकरणों में 12 करोड़ 94 लाख रुपये, दुर्घटना मृत्यु के 48 प्रकरणों में 1 करोड़ 92 लाख रुपये तथा आंशिक अपंगता के एक प्रकरण में 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। कलेक्ट्रेड के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस लाइव प्रसारण के दौरान प्रभारी श्रम पदाधिकारी श्री आरके ठाकरे, श्रम निरीक्षक दीपक डहरवाल, आशुतोष दुबे, सुनील यादव एवं हितलाभ लेने वाले हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

जिले में 696 हितग्राहियों को 14.77 करोड़ रुपए की राशि का हुआ वितरण

कार्यक्रम में जिले की 16 स्थानीय निकायों के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जनपद पंचायत लालबर्रा में सबसे अधिक 79 प्रकरणों का निराकरण हुआ, जबकि कटंगी में 78, बालाघाट में 77, लांजी में 75 और किरनापुर में 67 हितग्राहियों को सहायता राशि दी गई। इसके अलावा बैहर जनपद में 44, खैरलांजी में 63, परसवाड़ा में 42, बिरसा में 56 और वारासिवनी जनपद में 51 प्रकरण शामिल रहे। नगरीय निकायों में नगर पालिका बालाघाट के 27, मलाजखंड व वारासिवनी के 11-11, नगर परिषद बैहर के 5, कटंगी के 4 और लांझी के 6 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि प्रदान की गई।

बावड़ी उत्सव आयोजित, जल संरक्षण का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत के नेतृत्व में बामन नाला तालाब स्थित रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्रोतों के संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद की प्रभारी अध्यक्ष धर्मकला कामराज देशमुख सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कुएं, बावड़ियां और तालाब हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने बताया कि अभियान के तहत पिछले तीन माह से बोरी बंधान, सोख्ता गड्ढों का निर्माण तथा गांव-गांव में चौपालों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने 55घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में55 रोकने का संदेश देते हुए जल बचाने को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथियों ने बामन नाला तालाब का पूजन कर जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इसके बाद नगर में जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं एवं नागरिक शामिल हुए।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश के सहयोग से नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत वाल्मी संस्था द्वारा जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षित वालंटियर्स के माध्यम से लोगों तक प्रभावी संदेश पहुंचाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक सराफ, जिला नशामुक्ति अभियान संगठन के अध्यक्ष धनेन्द्र हनवत, राज्य स्तरीय समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अतुल कुमार रायजादा तथा नीरज बंदेल की उपस्थिति में हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. अतुल कुमार रायजादा ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, उसके शारीरिक एवं मानसिक दुष्परिणामों तथा समाज और परिवार पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशामुक्त भारत का निर्माण समाज, परिवार, शिक्षण संस्थानों और स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। धनेन्द्र हनवत ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना 1933 टोल फ्री हेल्पलाइन अथवा मानस पोर्टल के माध्यम से देने की अपील करते हुए युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। ब्रह्मकुमारी संस्था की प्रतिनिधि एवं डॉ. रोशनी टेम्भरे ने भी नशामुक्त समाज के निर्माण में परिवार की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का भारत सरकार के नशामुक्त मित्र पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराया गया। प्रशिक्षण के समापन पर मास्टर वालंटियर्स को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं तथा विभाग से संबद्ध अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बारिश के मौसम में नदी-नालों, तालाबों और जलभराव वाले क्षेत्रों में प्रवेश पर प्रतिबंध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षा ऋतु के दौरान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बालाघाट के अनुविभागीय दण्डाधिकारी गोपाल सोनी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 1 जुलाई 2026 प्रातः 11 बजे से वर्षा ऋतु की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार, बालाघाट अनुविभाग की सीमा में किसी भी व्यक्ति के लिए नदी-नालों, बाढ़ या उफान वाले क्षेत्रों, गहरे गड्ढों, तालाबों तथा वर्षा जल से भरे स्थानों में स्नान करने अथवा किसी भी उद्देश्य से प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा। नदी-नालों में बाढ़ या उफान की स्थिति में ऐसे स्थानों से 100 मीटर की परिधि तक आमजन का प्रवेश भी पूरी तरह निषिद्ध रहेगा। साथ ही भारी वर्षा के दौरान भूस्खलन, लैंडस्लाइड या मलबा गिरने की आशंका वाले पहाड़ी क्षेत्रों में भी लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश पुलिस, सुरक्षा बलों, आपदा राहत एवं बचाव कार्यों में लगे अधिकारी-कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। आदेश का उद्देश्य वर्षा ऋतु में संभावित दुर्घटनाओं को रोकना तथा जन-जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी ने संबंधित विभागों, पुलिस, नगर पालिका, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 (पूर्व धारा 188) के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. बी. एम. शरणागत राष्ट्रीय सम्मान से होगें सम्मानित

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। चिकित्सा क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक, अन्य लोक सेवा एवं आईएमए के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए बालाघाट चिकित्सक डॉ. बी. एम. शरणागत (एम.डी. मेडिसिन) को चिकित्सक दिवस(डॉक्टर्स डे) के उपलक्ष में आईएमए दिल्ली (एक क्यू) द्वारा दिल्ली में सम्मानित किया जायेगा।यह गरिमामय सम्मान 18 जुलाई को कांस्टिट्यूशन क्लब ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली में आयोजित किया है।डॉ. बी.एम. शरणागत को यह सम्मान मरीजों के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं, सामाजिक क्षेत्र में असाधारण समर्पण,धार्मिक क्षेत्रों में अतुलनीय योगदान एवं आईएमए के क्षेत्र के उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. अनिल नायक (राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली), डॉ. दिलिप भानुशाली (हैदराबाद), डॉ. सर्वरी दत्ता कोलकाता, डॉ. अरविंद जैन, डॉ. सुब्बाराव, डॉ. कोठारी, श्रीमती भारती पारधी (सांसद),गौरीशंकर बिसेन (पूर्व कैबीनेट मंत्री), विक्की पटेल (विधायक), गौरव पारधी (विधायक), ने डॉ. बी. एम. शरणागत को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान ने केवल डॉ. बी. एम. शरणागत की उपलब्धि है, बल्कि पूरे बालाघाट शहर के लिए गर्व का विषय हैं।

देश का हर सनातनी राम मंदिर चंदा चोरी से दुःखी

लखनऊ । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकारों पर तीखा हमला बोला। केजरीवाल ने मामले को संभालने के योगी सरकार के तरीके पर सवाल उठाकर दावा किया कि जब तक सरकार नहीं बदलेगी, दान में हुई कथित गड़बड़ियों के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सज़ा नहीं मिलेगी। केजरीवाल का यह बयान तब आया है, जब राम मंदिर दान चोरी मामले की जांच जारी है और कई आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।आप नेता केजरीवाल ने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र और राज्य सरकारें चंदा चोरों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, अगर आप चाहते हैं कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, तब सरकार बदलनी होगी। मौजूदा केंद्र और राज्य सरकार सज़ा सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। भगवान राम का हर भक्त, जो चाहता है कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, उस अब सरकार बदल देनी चाहिए। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर राजनीति के लिए सनातन धर्म का उपयोग करने का आरोप लगाकर कहा कि भाजपा नेता भगवान राम को सच में भगवान नहीं मानते, वरना वे चोरी नहीं करते।

मानसून की धीमी रफ्तार ने बढ़ाई चिंता...

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून अब रफ्तार पकड़ने लगा है। पिछले कुछ दिनों में प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश हुई है और नदियों का जलस्तर भी बढ़ा है, लेकिन बड़े बांधों की तस्वीर अभी भी राहत देने वाली नहीं है। जल संसाधन विभाग की 30 जून 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के 54 प्रमुख जलाशयों में औसत जलभराव 33.61 प्रतिशत दर्ज किया गया है। पिछले साल 30 जून को यह 32.02 प्रतिशत था। यानी एक साल में जलभराव में सिर्फ 1.59 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, आंकड़ों का दूसरा पहलू चिंता बढ़ाने वाला है। प्रदेश के 54 में से 27 जलाशयों में आज भी पिछले साल की तुलना में कम पानी है। यही वजह है कि लगातार बारिश के बावजूद इस बार प्रदेश के किसी भी बड़े बांध का एक भी गेट नहीं खोला गया है, जबकि नदियों में जलस्तर बढ़ने लगा है।

प्रदेश के सबसे बड़े इंदिरा सागर बांध की स्थिति सबसे ज्यादा चिंता बढ़ा रही है। यहां वर्तमान में 14.72 प्रतिशत जलभराव है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह करीब 24.5 प्रतिशत था। यानी करीब 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह बरगी में 12.45 प्रतिशत, तवा में 9.03 प्रतिशत, केरवा में 8.13 प्रतिशत, दहीद में 7.50 प्रतिशत, संजय सागर में 3.42 प्रतिशत, बाणसागर में 46.87 प्रतिशत और बाईंगंगा (संजय सरोवर) में 9.21 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। इन प्रमुख जलाशयों में अभी भी पानी का स्तर सामान्य से काफी कम है। लगातार बारिश का असर कुछ जलाशयों में दिखाई देने लगा है। गांधीसागर (62.62 प्रतिशत), हरसी (53.96 प्रतिशत), कुटनी (55.66 प्रतिशत), मड़ीखेड़ा (64.77 प्रतिशत), राजघाट (79.75 प्रतिशत), ओंकारेश्वर (39.28 प्रतिशत) और पहसारी (34 प्रतिशत) जैसे जलाशयों में पिछले साल की तुलना में बेहतर जलभराव दर्ज हुआ है। इससे उम्मीद है कि जुलाई में अच्छी बारिश जारी रही तो अन्य जलाशयों की स्थिति भी सुधर सकती है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कई कैचमेंट क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। ओंकारेश्वर क्षेत्र में 179.40 मिमी, इंदिरा सागर में 146 मिमी, मोहनपुरा और कुंडलिया परियोजना क्षेत्र में 112.50-112.50 मिमी, पेंच डायवर्जन में 102.40 मिमी, तवा में 84.80 मिमी और बाईंगंगा (संजय सरोवर) क्षेत्र में 83.50 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस बारिश के बाद नर्मदा, चंबल, बेतवा, केन, पार्वती और तामस समेत प्रमुख नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

14,115 करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल के निर्माण को मंजूरी दी है। यह आठ किलोमीटर लंबी होगी और इस पर करीब 6,970 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने यूपी के कानपुर से कबराई के बीच एक चार लेन के राजमार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बुनियादी ढांचे को रफ्तार देने वाले बड़े कैबिनेट फैसलों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कुल 14,115 करोड़ रुपये की दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन फैसलों में दिल्ली के अंदर एक नई छह लेन की द्वारका टनल और उत्तर प्रदेश में कानपुर से कबराई तक चार लेन हाईवे का निर्माण शामिल है। यह कदम न सिर्फ ट्रैफिक जाम से निजात दिलाएगा, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे में एक बड़ा रणनीतिक निवेश भी है।

दिल्ली में वेस्ट से साउथ का सफर होगा आसान

देश की राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने एनएच-148एफ पर छह लेन के टनल के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। यह अहम प्रोजेक्ट द्वारका एक्सप्रेस-वे (एनएच-248 बीबी) पर मौजूद शिवमूर्ति इंटरचेंज को वसंत कुंज स्थित नेल्सन मंडेला मार्ग से सीधा जोड़ेगा। इस नई कनेक्टिविटी के स्थापित होने से पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के बीच आवाजाही काफी तेज हो जाएगी, जिससे रोजमर्रा के यात्रियों के समय की भारी बचत होगी।

इस पूरी द्वारका टनल परियोजना की कुल लंबाई 8.1 किलोमीटर होगी। इंजीनियरिंग और पर्यावरण के लिहाज से इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि कुल लंबाई में से 3.1 किलोमीटर का हिस्सा सदर्न रिज फॉरेस्ट के नीचे से होकर गुजरेगा। यह एक ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट है जिसे हाइब्रिड एन्यूटी मोड (एचएएम) के तहत विकसित किया जाएगा। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 6,970 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है और इसके निर्माण की समय सीमा 5 वर्ष तय की गई है।

उत्तर प्रदेश के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर क्या बड़ा फैसला हुआ है?

दिल्ली के साथ-साथ यूपी के लिए भी इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने कानपुर से कबराई तक एक नया चार लेन के एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाली इस बड़ी हाईवे परियोजना पर कुल 7,145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

कुल 14,115 करोड़ रुपये (दिल्ली के लिए 6,970 करोड़ रुपये और यूपी के लिए 7,145 करोड़ रुपये) के आउटले वाली ये दोनों परियोजनाएं सरकार के इंफ्रास्ट्रक्चर पुश का स्पष्ट संकेत हैं। हाइब्रिड एन्यूटी मोड का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करेगा कि प्रोजेक्ट का वित्तीय जोखिम संतुलित रहे और निर्माण कार्य तय समय में पूरा हो। आने वाले 5 वर्षों में इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा, जो अंततः आर्थिक गतिविधियों को तेज गति प्रदान करेगा।

वाराणसी दालमंडी में 5 मस्जिदें तोड़ी

वाराणसी। वाराणसी के दालमंडी में बुधवार को 5 मस्जिदें तोडने का काम शुरू हुआ। एक मस्जिद की करीब 20 फीट ऊंची दो मीनारों को गिरा दिया गया है। करीब 200 मजदूर हथौड़ों से मस्जिदें गिराने में जुटे हैं। प्रशासन ने दालमंडी जाने वाले रास्ते को टीन शेड लगाकर बंद कर दिया है। मौके पर सुरक्षा के लिए करीब 1860 जवान तैनात हैं। इनमें पीएसी की 7 कंपनियां, सीआरपीएफ की एक बटालियन, आरपीएफ की एक बटालियन और स्थानीय पुलिस फोर्स शामिल है। यह कार्रवाई दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत की जा रही है।

डीएमके का 100 करोड़ का मानहानि केस वापस- अन्नामलाई ने कहा, अपने हर आरोप पर कायम

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को अहम मोड़ आया, जब भाजपा के पूर्व नेता के. अन्नामलाई ने दावा किया कि डीएमके सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस लिया है। इस घटनाक्रम के बाद अन्नामलाई ने कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ लगाए गए अपने सभी भ्रष्टाचार के आरोपों पर आज पूरी तरह कायम हैं।

यह कानूनी विवाद अन्नामलाई के बहुचर्चित डीएमके फाइल्स कैंपेन से जुड़ा है, जिसके तहत उन्होंने सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं, विशेषकर टी.आर.बालू और उनके परिवार की कथित संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक किया था। अन्नामलाई ने हाल ही में बताया कि बालू ने डीएमके फाइल्स के माध्यम से उनके और उनके परिवार की संपत्ति व कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए यह मानहानि का केस दायर किया था।

अन्नामलाई ने बताया कि सुनवाई के दौरान उन्होंने खुद मामले में पैरवी की और व्यक्तिगत रूप से बालू से जिरह की। उन्होंने आरोप लगाया कि जिरह के दौरान बालू ने अदालत में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके जवाब में उन्हें डीएमके सांसद के खिलाफ एक अलग मामला दायर करना पड़ा था। अन्नामलाई ने कहा, आज, थिरु टी.आर. बालू ने अपनी मर्जी से मेरे खिलाफ दायर मानहानि का केस वापस लेने का फैसला किया। भाजपा के पूर्व नेता ने स्पष्ट किया कि केस वापस लेना बालू का अपना निर्णय था, लेकिन वे पिछली डीएमके सरकार और पार्टी के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई हर एक टिप्पणी पर अडिग हैं। उन्होंने अपनी कानूनी टीम और समर्थन देने वाले वकीलों को धन्यवाद देकर पोस्ट का समापन सत्य की हमेशा जीत होती है' के कथन के साथ किया। यह घटनाक्रम अन्नामलाई द्वारा हाल ही में घोषित वी द लीडर्स आंदोलन के राजनीतिक पार्टी में बदलने की तैयारी के बीच आया है, जिसका लक्ष्य जुलाई तक 50 लाख सदस्य जोड़कर तमिलनाडु में गवर्नेंस, भ्रष्टाचार और ड्रग्स की बढ़ती समस्या जैसे मुद्दों पर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प प्रदान करना है।

जून में जीएसटी कलेक्शन 1.94 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक खबर सामने आई है। जून 2026 में देश का ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन 13.9 फीसदी की जोरदार उछाल के साथ 1.94 लाख करोड़ रुपये (1,94,812 करोड़) के पार पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 1.71 लाख करोड़ रुपये था। एक आम इंसान के नजरिए से देखें तो टैक्स कलेक्शन में इस तरह की लगातार बढ़ोतरी यह साफ इशारा करती है कि बाजारों में मांग बनी हुई है, आर्थिक गतिविधियां तेज हैं। जब बाजार में सामान बिकता है, कारोबार बढ़ता है, तभी सरकार के खजाने में टैक्स का पैसा बढ़ता है। टैक्स का यह बढ़ता पैसा देश के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी विकास योजनाओं को गति देने का काम करता है।

रिफंड का बड़ा आंकड़ा, नेट कमाई भी शानदार

सिर्फ ग्रॉस रेवेन्यू ही नहीं, बल्कि रिफंड चुकाने के बाद की नेट कमाई (शुद्ध राजस्व) भी शानदार रही है। नेट आधार पर देखें तो सरकार के खाते में 1,62,377 करोड़ रुपये आए हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 11.2 प्रतिशत ज्यादा है। इस महीने सरकार ने रिफंड के तौर पर भी बड़ी रकम लौटाई है। कुल 32,436 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है। यह आंकड़ा पिछले साल के 25,121 करोड़ रुपये की तुलना में 29.1 फीसदी अधिक है।

अब अगर टैक्स के अलग-अलग हिस्सों पर नजर डालें तो सेंट्रल जीएसटी 37,376 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, स्टेट जीएसटी 4 फीसदी बढ़कर 45,116 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू लेनदेन से होने वाला इंटीग्रेटेड जीएसटी भी 7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

आयातित सामानों ने खजाना भरने में दिखाई ताकत

इस पूरे महीने के टैक्स कलेक्शन की सबसे बड़ी खासियत विदेशों से आने वाले सामानों पर लगने वाला टैक्स रहा। आयात पर लगने वाले आईजीएसटी में 34.6 फीसदी का जबरदस्त उछाल देखा गया। इसके जरिए खजाने में सीधे 60,038 करोड़ रुपये जमा हुए। इस भारी भरकम वृद्धि ने कुल जीएसटी कलेक्शन को एक बड़ा सहारा दिया। अगर हम सिर्फ घरेलू स्तर पर होने वाली कमाई की बात करें, तो उसमें 6.5 फीसदी की संतुलित ग्रोथ दर्ज की गई है। इस मद में कुल 1,34,774 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यह स्पष्ट करता है कि घरेलू बाजार में स्थिरता के साथ विदेशी व्यापार में काफी तेजी आई है।

महाराष्ट्र का दबदबा कायम, यूपी की रफ्तार ने चौंकाया

राज्यों के प्रदर्शन की बात करें तो टैक्स देने में महाराष्ट्र का दबदबा अब भी बरकरार है। इस राज्य ने 9 फीसदी की ग्रोथ के साथ सबसे ज्यादा 30,714 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। हालांकि, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली रफ्तार उत्तर प्रदेश ने दिखाई है। देश के प्रमुख राज्यों के बीच यूपी ने 19 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर दर्ज की है, जिसके जरिए 9,165 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ। अन्य राज्यों का प्रदर्शन भी उत्साहजनक रहा। गुजरात ने 12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,743 करोड़ रुपये, कर्नाटक ने 10 प्रतिशत बढ़कर 12,937 करोड़ रुपये, हरियाणा ने 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,065 करोड़ रुपये सरकारी खजाने में जोड़े हैं। दूसरी तरफ, बड़े राज्यों की सूची में सिर्फ तमिलनाडु ऐसा राज्य रहा जहां टैक्स कलेक्शन घटा है। वहां 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे कुल प्राप्ति 9,776 करोड़ रुपये रही।

बालाघाट
गुरुवार 02 जुलाई 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कान्दी खुर्द में धान के पैसे को लेकर विवाद
चचेरे भाई ने कड़े से सिर फोड़कर, दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कान्दी खुर्द में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। खेत में धान की बुवाई के लिए पैसे मांगने पर मां-बेटे के बीच हुए झगड़े में बीच में आए चचेरे भाई ने युवक पर लोहे के कड़े से हमला कर दिया। सिर फटने से युवक घायल हो गया। घायल युवक पंकज पिता अशोक तुरकर 34 वर्ष का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वही उसकी शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने आरोपी वीरेंद्र तुरकर पिता प्यारेलाल तुरकर के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कान्दी खुर्द निवासी पंकज तुरकर खेती-किसानी का काम करते हैं। पंकज के परिवार में मां, पत्नी और एक बच्चा है। करीब एक सप्ताह पहले पंकज ने खेत में धान की बुवाई के लिए बिजाई की धान खरीदने हेतु अपनी मां से पैसे मांगे थे। मां ने पैसे न होने की बात कही। जिस पर दोनों मां बेटे के बीच कहासुनी हो गई थी। बताया गया है कि 30 जून की शाम लगभग 5:30 बजे पंकज अपने घर में था। तभी उसका चचेरा भाई वीरेंद्र तुरकर वहां पहुंचा और बड़ी मां के साथ लड़ाई झगड़ा कर उसे परेशान करता है कहते हुए वह पंकज को अश्लील गालियां देने लगा। पंकज ने उसे अश्लील गालियां देने मना किया। तभी वीरेंद्र आगबूला हो गया और उसने पंकज को हाथ-मुक्कों से मारपीट करना शुरू कर दी। इसी दौरान वीरेंद्र ने अपने दाहिने हाथ में पहने लोहे के कड़े से पंकज के सिर पर वार कर दिया। हमले से पंकज का सिर फट गया और खून बहने लगा। जाते-जाते वीरेंद्र ने पंकज को आज के बाद बड़ी मां से ल?ाई झगड़ा करके परेशान करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी।शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद घायल पंकज सीधे किरनापुर थाना पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराई। किरनापुर पुलिस ने घायल पंकज का अस्पताल में मुलाहिजा करवाया। पंकज की शिकायत पर वीरेंद्र तुरकर के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में बड़ा हादसा, कच्चे मकान की दीवार ढही, मलबे में दबे तीन मजदूर, दो की हालत गंभीर

पुराना राम मंदिर गली में निर्माण कार्य के दौरान हुआ हादसा, पुलिस और स्थानीय लोगों ने चलाया रेस्क्यू, सुरक्षा इंतजामों पर भी उठे सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के वार्ड क्रमांक-22 स्थित पुराना राम मंदिर गली में बुधवार शाम एक निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब निर्माण कॉम्प्लेक्स से सटी एक कच्चे मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार का पूरा मलबा वहां काम कर रहे मजदूरों पर आ गिरा, जिससे तीन मजदूर उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तत्काल मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय नागरिकों, पुलिस और अन्य लोगों के संयुक्त प्रयास से मलबे में दबे तीनों मजदूरों को बाहर निकाला गया। इनमें दो मजदूरों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए निजी अस्पताल रेफर किया गया, जबकि एक घायल का उपचार जिला अस्पताल में जारी है।

जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक-22 स्थित पुराने राम मंदिर क्षेत्र में हर्षित पगारिया के निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में पिछले कई दिनों से भवन निर्माण का कार्य चल रहा है। फिलहाल बेसमेंट निर्माण का काम किया जा रहा था और बुधवार शाम करीब 5:30 बजे लगभग 14 मजदूर निर्माण कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान निर्माण स्थल से सटा एक पुराना कच्चा मकान, जिसे पहले ही खाली करा दिया गया था, अचानक ढह गया। देखते ही देखते दीवार का भारी मलबा तीन मजदूरों पर गिर पड़ा। हादसे में नीलेश पिता धनलाल नगपुरे (23 वर्ष), निवासी नवेगांव, चैतराम पिता सोंधड़ सौलखे (35 वर्ष), निवासी नेतरा तथा मानिक पिता उमेंद्र मचाड़े (48 वर्ष), निवासी तिलपेवाड़ा, हट्टा मलबे में दब गए। घटना के बाद निर्माण स्थल पर मौजूद अन्य मजदूरों और स्थानीय लोगों ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई, जिसके बाद आसपास के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय नागरिकों ने बिना समय गंवाए मलबा हटाने का कार्य शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद सबसे पहले मानिक को बाहर निकाला गया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए गोंदिया रेफर कर दिया गया। इसके बाद चैतराम को भी मलबे से बाहर निकाला गया। उन्हें पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए निजी अस्पताल भेजा गया। तीसरे घायल नीलेश को भी सुरक्षित बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना स्थल के पास स्थित में मोबाइल दुकान संचालित करने वाले सुमित मंगलानी ने बताया कि हादसे की आवाज सुनते ही वह तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े और अन्य लोगों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने कहा कि घटना इतनी अचानक हुई कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हालांकि हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंच गई। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी स्वयं पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। उनके साथ चालक राजू गौतम, आकाश ब्रह्मे सहित पुलिस कर्मियों ने भी राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल भिजवाया, जिससे समय रहते घायलों का उपचार शुरू हो सका। इस हादसे के बाद निर्माणाधीन परिसर में अपनाए जा रहे सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर बेसमेंट की खुदाई और निर्माण कार्य किया जा रहा था, वहां आसपास स्थित पुराने मकानों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त एहतियात बरते जाने चाहिए थे। यदि निर्माण कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाते तो संभवत: इस प्रकार की घटना टाली जा सकती थी।

प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका हैं - मयंक तिवारी

नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और सबसे पहले घायलों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाने की प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर हादसे के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। फिलहाल घायलों का उपचार कराया जा रहा है और पूरे मामले की विस्तृत जांच की जाएगी। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस हादसे ने निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कीटनाशक के सेवन से कक्षा 12वीं की छात्रा की उपचार के दौरान मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवा के सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक किशोरी की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतिका गरिमा पिता टामन लाल पटले 16 वर्ष ग्राम गजपुर थाना कटंगी निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। यह किशोरी कक्षा 12वीं की छात्रा थी। जिसने किस वजह से कीटनाशक दवाई का सेवन की स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस मामले की आगे जांच कटंगी पुलिस द्वारा की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गजपुर निवासी गरिमा पटले शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जराहमोहगांव में कक्षा 12वीं की छात्रा थी। वह दो बहनों और एक भाई में सबसे छोटी थी तथा उसका परिवार खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। बताया गया है कि 30 जून की रात करीब 10 बजे गरिमा ने परिवार के साथ भोजन किया और अपने कमरे में सोने चली गई। इसी दौरान उसकी मां रामकला पटले ने उसे अधिक मोबाइल फोन का उपयोग न करने और पढ़ाई पर ध्यान देने की समझाइश दी थी। परिजनों के अनुसार रात में उसके मोबाइल पर बार-बार फोन कॉल भी आ रहे थे।बताया गया कि रात करीब 3 बजे परिजनों ने गरिमा को उल्टियां करते देखा। उल्टी से कीटनाशक की दुर्गंध आने पर उसे तत्काल निजी वाहन से शासकीय अस्पताल कटंगी ले जाकर भर्ती किया था। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। 1 जुलाई की सुबह करीब 5 बजे उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।लेकिन उपचार के दौरान सुबह लगभग 7:30 बजे उसकी मौत हो गई।परिजनों ने आशंका व्यक्त की है कि गरिमा मानसिक तनाव में थी और संभवत:

उसी के चलते उसने कीटनाशक का सेवन किया। जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। जिला

अस्पताल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर अग्रिम जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए मामला थाना कटंगी को भेज दिया है।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

NEW HOLLAND
आज आखिरी मौका
10 पे 35 का दम
छूटे ना हाथ से!
₹10 000/- की बुकिंग पर पाएं
₹35 000/- की रसीद
साई ट्रेक्टर ने बालाघाट की धरती में पहली ट्रेक्टर डीलरशीप की शुरुआत 1997 में की, साई ट्रेक्टर बालाघाट 30 वर्षों से ट्रेक्टर में न. 1, किसानों के विश्वास के साथ अब दुनिया के बेहतरीन, उन्नतशील टेक्नोलॉजी वाली 130 वर्ष पुरानी ट्रेक्टर कंपनी (न्यू हालैण्ड भारत वर्ष में 25 वर्षों से) के साथ...
20 से 110 एच.पी. ट्रेक्टर श्रेणी
25000/- का फायदा
न्यू हालेण्ड ट्रेक्टर अलग क्यों
लिफ्टोमेटिक बटन, सात प्रकार की स्पीड
पीटीओ गेयर बाक्स के साथ
डबल क्लच सभी 4x4 मॉडल पर
सिप्रोमेश फुल्ली लोडेड गेयर बॉक्स
एसीवी (आक्जरी कंट्रोल वॉल युनिट उपलब्ध)
4x4 के सभी मॉडल पर उपलब्ध
सभी गाड़ियों में डबल डीजल फिल्टर उपलब्ध
इंडिगलेज ग्लॉस मिरर में
हाईडेन्सिटी फायबर डीजल टेंक
साईं ट्रेक्टर्स (EX पॉवरट्रेक वाले)
नर्मदा नगर, बालाघाट, मो. 8770334649 / 9425138685
असली हीरो की असली ताक़त

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected..
CHOOSE WISELY
OTHER
30 Mbps
₹ 399 /-
PADMESH X FIBERNET
UNLIMITED
40Mbps
₹399*
11 Premium OTT Apps + LIVE TV

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट